हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 280, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 4 अप्रैल, 2023 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

आपको कहीं भी हिचकने-रुकने की जरूरत नहीं, एक भी भ्रष्टाचारी नहीं बचना चाहिए : मोदी

सीबीआई अधिकारियों से बोले पीएम- 'लोकतंत्र और न्याय के रास्ते का सबसे बड़ा रोड़ा है भ्रष्टाचार'

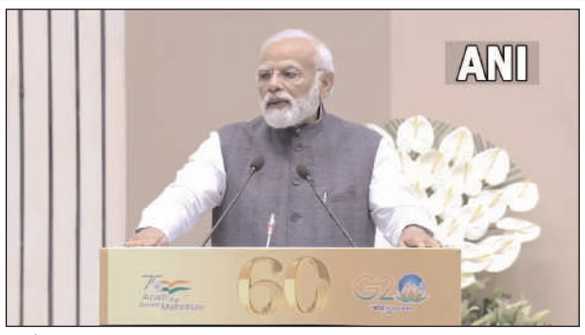

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय जांच एजेंसी की डायमंड जुबली कार्यक्रम का उद्घाटन किया। साथ ही पीएम ने शिलांग, पुणे और नागपुर में CBI के नवनिर्मित कार्यालय परिसरों का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज नए कार्यालयों का शुभारंभ CBI को कार्य करने में और सहायता प्रदान करेगा। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) भारत की प्राथमिक जांच एजेंसी है, जिसे 1 अप्रैल 1963 को गृह मंत्रालय, भारत सरकार के एक संकल्प द्वारा स्थापित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि CBI की जांच की मांग के लिए तो आंदोलन तक किए जाते हैं, लोग कहते हैं कि मामले को CBI को दे दें। न्याय, इंसाफ के ब्रैंड के तौर CBI का नाम सबकी जुबान पर है। जिन्होंने भी CBI में योगदान दिया वे बधाई के पात्र हैं। CBI के डायमंड जुबली कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि मुझे पता है कि जिन लोगों के खिलाफ आप कार्रवाई कर रहे हैं, वे बहुत शक्तिशाली हैं। वे सालों से सरकार और व्यवस्था का हिस्सा रहे हैं। कुछ राज्यों में आज भी वे सत्ता में हैं, लेकिन सीबीआई को अपने काम पर ध्यान देना है, किसी भी भ्रष्ट व्यक्ति को बख्शा नहीं जाना चाहिए। पीएम ने कहा आज देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति में कोई कमी नहीं है। आपको कहीं भी हिचकने, कहीं रुकने की जरूरत नहीं है।

'लोकतंत्र और न्याय के रास्ते का सबसे बड़ा रोड़ा है भ्रष्टाचार'- इस दौरान पीएम मोदी ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से CBI की जिम्मेदारी भ्रष्टाचार से देश को मुक्त करने की है। भ्रष्टाचार कोई सामान्य अपराध नहीं होता। भ्रष्टाचार, गरीब से उसका हक छीनता है, अनेक अपराधों को जन्म देता है। भ्रष्टाचार, लोकतंत्र और न्याय के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 10 साल पहले ज्यादा से ज्यादा भ्रष्टाचार करने की होड़ लगी थी। उस दौरान बड़े-बड़े घोटाले हुए, लेकिन आरोपी डरे नहीं क्योंकि सिस्टम उनके साथ खड़ा था। 2014 के बाद हमने भ्रष्टाचार, कालेधन के खिलाफ मिशन मोड में काम किया है। भ्रष्टाचारियों ने देश का खजाना लूटने का एक और तरीका बना रखा था जो दशकों से चला आ रहा था। ये सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से लूट थी। आज जनधन, आधार, मोबाइल की ट्रिनिटी से हर लाभार्थी को उसका पूरा हक मिल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि जहां भ्रष्टाचार होता है, वहां युवाओं को उचित अवसर नहीं मिलते। वहां सिर्फ एक विशेष ही फलता-फूलता है। भ्रष्टाचार प्रतिभा का सबसे बड़ा दुश्मन होता है और यहीं से भाई-भतीजावाद, परिवारवाद को बल मिलता है। उन्होंने कहा जब भाई-भतीजावाद और परिवारवाद बढ़ता है, तो समाज का, राष्ट्र का सामर्थ्य कम होता है। जब राष्ट्र का सामर्थ्य कम होता है तो विकास प्रभावित होता है।

न्याय का ब्रांड है CBI- पीएम मोदी- पीएम मोदी ने आगे कहा कि देश की प्रीमियम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के रूप में 60 साल का सफर CBI ने पूरा किया है। ये 6 दशक निश्चित रूप से अनेक उपलब्धियों के रहे हैं। आज यहां CBI के मामलों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट का संग्रह भी जारी किया गया है। ये CBI के बीते वर्षों के सफर को दिखाता है। पीएम ने कहा लोग आंदोलन करते हैं कि केस उनसे लेकर CBI को दे दो। यहां तक कि पंचातय स्तर पर भी कोई मामला आता है तो लोग कहते हैं कि इसे CBI को दे देना चाहिए। न्याय के इंसाफ के एक ब्रांड के रूप में CBI हर जुबान पर है।

अब अतीक का जीजा भी जाएगा जेल, प्रयागराज कोर्ट ने 14 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के साथ मिलकर उमेश पाल हत्याकांड की साजिश रचने वाले उसके बहनोई डा. अखलाक के घर पर बमबाज गुड्डू और असद के छिपने के प्रमाण मिले हैं। शनिवार को अखलाक को लखनऊ एसटीएफ की टीम ने गिरफ्तार किया था। आज सोमवार को प्रयागराज कोर्ट ने अखलाक को 14 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। एसटीएफ को प्रमाण मिले हैं कि अखलाक ने बमबाज गुड्डू और अतीक के बेटे असद को घटना के बाद घर में संरक्षण दिया था। उन्हें आर्थिक मदद भी पहुंचाई। घर के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज में बमबाज गुड्डू और असद के आने और जाने के प्रमाण मिले हैं। एसटीएफ की टीम सीसीटीवी की डीवीआर साथ ले गई है। अब अखलाक को रिमांड पर लेने के बाद पुलिस अखलाक से पूछताछ करेगी।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश, निराश्रित नहीं होगा एक भी गोवंश, सबके आश्रय व भरण-पोषण का होगा प्रबंध

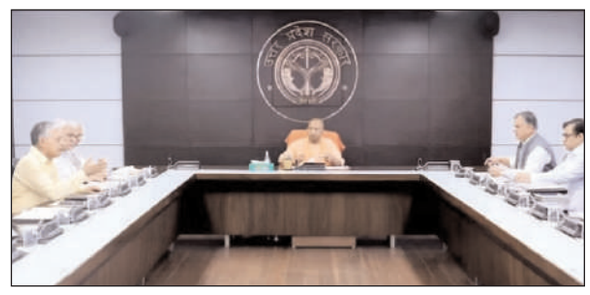

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों के प्रबंधन और प्रदेश में दुग्ध उत्पादन व संग्रह की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पशु संवर्धन, संरक्षण के लिए सेवाभाव के साथ सतत प्रयासरत है। गोवंश सहित सभी पशुपालकों के प्रोत्साहन के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पात्र लोगों को इसका लाभ मिलना सुनिश्चित कराया जाए। जनभावनाओं का सम्मान करते हुए राज्य सरकार द्वारा निराश्रित गोवंश का संरक्षण करते हुए उनके चारे-भूसे के लिए भी आवश्यक प्रबंध किया गया है।

वर्तमान में संचालित 6719 निराश्रित गोवंश संरक्षण स्थलों में 11 लाख 33 हजार से अधिक गोवंश संरक्षित हैं। बीते 20 जनवरी से 31 मार्च तक संचालित विशेष अभियान के तहत 1.23 लाख गोवंश संरक्षित किए गए। यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रदेश के सभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कोई भी गोवंश निराश्रित न हो। जिला संभल, मथुरा, मीरजापुर, शाहजहांपुर, संतकबीरनगर, अमरोहा, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद और फरुर्खाबाद में सर्वाधिक गोवंश संरक्षित किए गए हैं। गोवंश संरक्षण के लिए जारी नियोजित प्रयासों के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। चरणबद्ध रूप से सभी जिलों में इसी प्रकार निराश्रित गोवंश का बेहतर प्रबंधन किया जाए। सभी प्रकार के निराश्रित गोवंश स्थलों को चारा-भूसा व अन्य आवश्यक कार्यों के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली धनराशि सीधे गो-आश्रय स्थलों को उपलब्ध कराई जाए। डीबीटी प्रणाली उपयोग में लाएं।

हर माह की 25 से 30 तारीख तक गोवंश का सत्यापन करते हुए विकास खंड स्तर पर पशुपालक अधिकारी और एडीओ पंचायत व बीडीओ द्वारा रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेजी जाएगी। इसके बाद, अगले माह की 05 तारीख तक मुख्य पशुपालन अधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी द्वारा शासन को रिपोर्ट भेजी जाएगी। यह सुनिश्चित किया जाए कि यह धनराशि गोवंश के लिए है, उसका सदुपयोग हो। गोवंश को केवल सूखा भूसा ही नहीं, हरा चारा भी दिया जाए। स्थानीय जनता का सहयोग लें। पैसा मिलते ही चोकर/भूसा खरीद का भुगतान कर दिया जाए। गोवंश संरक्षण के लिए प्रदेश में वृहद संरक्षण केंद्र बनाए जा रहे हैं। यह सुखद है कि अब तक 274 वृहद गोवंश संरक्षण केंद्र क्रियाशील हो गए हैं। आगामी छह माह में शेष 75 वृहद गोवंश स्थल तैयार कर लिए जाएं। इससे आमजन को बड़ी सुविधा मिलेगी। गोवंश संरक्षण स्थलों पर केयर टेकर तैनात किए जाएं। गायों को समय-समय पर घुमाने भी ले जाना चहिए। गोवंश की बीमारी और मृत्यु की दशा में यह केयर टेकर सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। गोवंश संरक्षण के लिए संचालित मुख्यमंत्री सहभगिता योजना के आशातीत परिणाम मिले हैं। अब तक 01 लाख 77 हजार से अधिक गोवंश इस योजना के तहत आमजन को सुपुर्द किए गए हैं। और कुपोषित बच्चों वाले परिवार को दूध की उपलब्धता के लिए पोषण मिशन के अंतर्गत 3,598 गोवंश दिए गए हैं।

यूपी बोर्ड के छात्र अब नहीं पढ़ेंगे मुगल इतिहास, डिप्टी सीएम बोले- 'हमारी संस्कृति हमारी सांस्कृतिक विरासत है'

प्रयागराज। दो दिन के प्रयागराज दौरे पर आए सूबे के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। साथ ही उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए 12 वीं के इतिहास विषय की पाठ्य पुस्तक से मुगल इतिहास का अध्याय हटाए जाने पर भी खुलकर टिप्पणी की। ब्रजेश पाठक ने कहा-हमारी संस्कृति हमारी सांस्कृतिक विरासत है। हम अपनी नई पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना चाहते हैं। पूर्व के समय में हमारी संस्कृति से लोगों को वंचित किया जा रहा था। अब हम अपनी असली संस्कृति को लोगों को जोड़ना चाहते हैं। उप मुख्यमंत्री ने सपा पर तंज कसते हुए कहा- समाजवादी पार्टी ने ही माफिया को पोषित पल्लवित किया है। अब भाजपा उसे मिट्टी में मिलाने का कार्य कर रही है। उमेश पाल हत्याकांड को लेकर रविवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने आगे कहा- उमेश पाल की निर्ममता से की गई हत्या पर प्रश्नचिह्न लगाना उचित नहीं है। माफिया और अपराधियों को संरक्षण देने का काम समाजवादी पार्टी करती आई है। प्रदेश की जनता यह सब अच्छी तरह से देख रही है। उप मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव के कानपुर में उमेश पाल हत्याकांड मामले पर दिए गए बयान पर नाराजगी जताई। बोले, पुलिस और कानून अपना कार्य कर रहे हैं। गौरतलब है कि सपा मुखिया ने इस प्रकरण में भाजपा पर हिंदू-मुस्लिम करने का आरोप मढ़ा था। इसी क्रम में बस्ती में रोडवेज बस को पुलिसकर्मियों और यात्रियों द्वारा धक्का लगाने को लेकर सपा मुखिया के ट्वीट पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, अखिलेश को यह नहीं पता है कि 2017 के पहले उन्होंने प्रदेश की क्या हालत कर रखी थी। अब उनके पैरों के तले से जमीन खिसक चुकी है। यह जरूर है कि वे जानते हैं कि न्यूज में कैसे बना रहा जाए। वह समाचार में बने रहने के लिए ही इंटरनेट मीडिया पर कमेंट करते रहते हैं क्योंकि यहां धरातल पर कुछ नहीं करना पड़ता।

सर्वर डाउन होने से ऑनलाइन और यूपीआई सेवाएं प्रभावित, ग्राहक हो रहे परेशान

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के कई ग्राहकों को नेट बैंकिंग और यूपीआई सेवा के लिए समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई एसबीआई उपयोगकताओं ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर बैंक सर्वर धीमी होने के कारण हो रही परेशानी के बारे में बताया है। इन ट्वीट्स में लोगों ने सर्वर डाउन और नॉन-रिस्पॉन्सिव होने की बात कही है। एसबीआई की जो सेवाएं प्रभावित हैं उनमें नेट बैंकिंग, यूपीआई भुगतान और आधिकारिक एसबीआई ऐप (योनो) शामिल हैं। इससे पहले एक अप्रैल को भी एसबीआई की ऑनलाइन सेवाएं प्रभावित रही थी। इससे पहले 1 अप्रैल, 2023 को एसबीआई ने सर्वर रखरखाव की सूचना दी थी। वार्षिक समापन गतिविधियों के कारण बजे तक INB/YONO/UPI की सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। दोपहर एक बजकर 30 मिनट से चार बजकर 43 मिनट तक इंटरनेट बैंकिंग, योनो और यूपीआई सेवाओं को बाधित रहने की बात कही गई थी। भारतीय स्टेट बैंक ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी थी। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की नेट बैंकिंग समेत कई सेवाएं सोमवार सुबह से ही ठप हैं। कई उपभोक्ताओं ने फंड ट्रांसफर में आने वाली दिक्कतों की शिकायत भी की है। बता दें कि एसबीआई की इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं के अलावा

यूपीआई और योनो ऐप से जुड़ी सेवाएं भी काम नहीं कर रही हैं। एसबीआई का सर्वर डाउन होने के कारण हो रही परेशानियों के बारे में कई ग्राहकों ने शिकायत कही है। कई ग्राहकों ने बताया है कि उनके क्रेडिट कार्ड पेमेंट तक नहीं हो पा रहे हैं। बैंक की वेबसाइट पर 'something went wrong at the bank servers. Please Retry' मैसेज दिख रहा है।

'गवर्नर से बात की तो ललन जी को लगी मिर्ची' शाह के बयान पर जदयू अध्यक्ष बोले- राजभवन में ही बना लीजिए आवास

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने सोमवार को ट्वीट कर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। ललन ने कहा कि नवादा में उनके संबोधन से यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा हताश हो गयी है और बौखलाहट में है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भाजपा को बड़का झुट्ठा पार्टी कहा है। अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा था कि बिहार के राज्यपाल से जब हमने फोन पर बात की तो ललन जी नाराज हो गए। इसके प्रत्युत्तर मे ललन सिंह ने अपने ट्वीट में कहा कि गृह मंत्री राज्यपाल से रोज दिन में दस बार बात करें, हमलोगों को क्यों तकलीफ होगी? बंगाल, केरल, और महाराष्ट्र के लोग गवाह हैं। सब देख चुके हैं कि राज्यपाल जैसी संस्था का राजनीतिक उपयोग वे लोग किस तरह से करते हैं। ललन सिंह ने कहा कि अमित शाह चाहें तो 2024 लोकसभा चुनाव तक अपना आवास राजभवन में ही रख लें। परिणाम उन्हें 2015 वाला ही मिलेगा। वर्ष 2024 में भाजपा मुक्त भारत होगा। बिहार से बड़का झुट्ठा पार्टी को शून्य ही मिलेगा। गृह मंत्री को संबोधित अपने दूसरे ट्वीट मे ललन सिंह ने कहा कि जुमलों और झूठे वादे के कारण भाजपा ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। जदयू अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव के पूर्व जनता से किए गए वादों को सत्ता में पहुंचते ही जुमला कहते हैं। मंहगाई पर चर्चा नहीं होती है। बेरोजगारी तो दूर करना तो छोड़िए सब सरकारी सेवाओं में नियुक्तियों पर प्रतिबंध लगा देना और देश के सबसे बड़े 81 हजार करोड़ रुपये के कारपोरेट घोटाले पर मौन व्रत धारण करने वाली पार्टी की तरफ कोई देखेगा भी क्यों? अमित शाह ने अपनी सभा में यह कहा था कि बड़ी संख्या में जदयू के लोग उनके संपर्क में है। इस पर ललन सिंह ने कहा कि उनके पास कोई आवेदन लेकर कोई कभी गया है क्या? भाजपा के साथ जाने की सोचने की बात ही छोड़ दीजिए। बड़का झुट्ठा पार्टी एक डूबती नाव है, जिसका 2024 में डूबना तय है।

अभी जेल में ही रहेंगे मनीष सिसोदिया, अदालत ने 14 दिन बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े सीबीआई के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत दो सप्ताह यानी 17 अप्रैल तक बढ़ा दी है। न्यायिक हिरासत अवधि समाप्त होने पर सीबीआई ने सिसोदिया को अदालत के समक्ष किया था पेश। इससे पहले 20 मार्च को भी अदालत ने बढ़ाई थी न्यायिक हिरासत की अवधि। 31 मार्च को अदालत ने इसी मामले में सिसोदिया की जमानत याचिका कर दी थी खारिज। 26 फरवरी को सिसोदिया को आबकारी नीति घोटाला मामले में सीबीआइ ने किया था गिरफ्तार। वहीं, शुक्रवार को जुड़े सीबीआई के मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जमानत देने से इनकार करते हुए राउज एवेन्यू की विशेष सीबीआई अदालत ने कहा कि पूरे मामले में आपराधिक साजिश रचने का सिसोदिया को प्रथम दृष्टया सूत्रधार माना जा सकता है। अदालत ने पाया कि लगभग 90-100 करोड़ रुपये की अग्रिम रिश्वत का भुगतान उनके और दिल्ली सरकार में उनके अन्य सहयोगियों के लिए था। वहीं इसमें से 20-30 करोड़ रुपये सह-अभियुक्त विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली और अनुमोदक दिनेश अरोड़ा के माध्यम से रूट किए गए पाए गए हैं इसके बदले सिसोदिया ने साउथ लाबी के हितों को संरक्षित करने के लिए आबकारी नीति के कुछ प्रविधानों को संशोधित और हेरफेर करने की अनुमति दी गई। आपको बता दें कि आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई ने 26 फरवरी को आठ घंटे की लंबी पूछताछ के बाद सिसोदिया को गिरफ्तार किया था और अदालत ने उन्हें छह मार्च को न्यायिक हिरासत में जेल में भेज दिया था। ईडी के मनी लांड्रिंग मामले में भी न्यायिक हिरासत में हैं।

मानहानि केस में राहुल गांधी को जमानत सजा पर रोक के लिए 13 अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली। चार साल पुराने मानहानि के एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जमानत मिल गई है। राहुल गांधी ने सूरत मजिस्ट्रेट कोर्ट के फैसले के खिलाफ सेशंस कोर्ट में अपील दायर की थी। राहुल को अदालत से राहत मिली है। अब मामले में अगली सुनवाई 13 अप्रैल को होगी।

तीन सीएम और प्रियंका गांधी भी मौजूद- राहुल गांधी सोमवार दोपहर सूरत पहुंचे। राहुल के साथ उनकी बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी मौजूद हैं। इसके अलावा जस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री भी मौजूद हैं। राहुल गांधी कोर्ट से बाहर निकल चुके हैं।

हिरासत में कांग्रेस के कई कार्यकर्ता- कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समर्थन में भरूच से सूरत जा रहे कांग्रेस कार्यकताओं को पुलिस ने रोका और हिरासत में लिया। सूरत की सेशन कोर्ट के बाहर भी कांग्रेस कार्यकताओं का जमावड़ा लगा हुआ है।

कांग्रेस कार्यकर्ता ने राहुल गांधी के समर्थन में हाथों में पोस्टर लिए हुए हैं।

अन्याय के खिलाफ लड़ेंगे: खरगे- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम कोर्ट के निर्णय पर बहस नहीं करेंगे, लेकिन अन्याय के खिलाफ लड़ेंगे। यह गुजरात में शक्ति प्रदर्शन नहीं है। वह हमारे नेता हैं और अपने नेता के साथ खड़े होने के लिए छत्तीसगढ़, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जा रहे हैं।

बीजेपी का हमला जारी- केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी ने एक बार नहीं, बल्कि कई बार पिछड़ों का अपमान करने का काम किया है। दुख इस बात का है कि कांग्रेस ने माफी मांगना तो दूर, दबाव बनाने और डराने का काम कर रही है। जब तीन वर्ष थे तब तो इनके साथ कोई नहीं गया। अब राज्य के मुख्यमंत्रियों को कामकाज छुड़ाकर, इस काम पर लगाया है।

23 मार्च को सुनाई गई थी सजा- बता दें कि सूरत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एचएच वर्मा की अदालत ने 23 मार्च को राहुल गांधी को मोदी सरनेम को लेकर मानहानि के मुकदमे में दोषी ठहराया था। अदालत ने राहुल को दो साल की सजा सुनाई है। इस वजह से वायनाड से लोकसभा की उनकी सदस्यता रद कर दी गई।

हिंसा को लेकर हाईकोर्ट की बंगाल पुलिस को फटकार, 5 अप्रैल तक रिपोर्ट जमा करने का आदेश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में हिंसा की घटनाओं को लेकर कोलकाता हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से रिपोर्ट तलब की है। इसके अलावा मुख्य न्यायाधीश ने पांच अप्रैल तक सीसीटीवी फुटेज व वीडियो जमा करने का भी निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने हिंसा की घटनाओं को लेकर पुलिस को भी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि वह क्यों इसे नियंत्रित नहीं कर पाई, क्योंकि उसकी अनुमति पर ही जुलूस निकला था।

शुभेंदु अधिकारी ने दायर की याचिका- बता दें कि राज्य में रामनवमी के दिन हावड़ा व हुगली में जुलूस के दौरान हिंसा हुई थी। विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने हिंसा की एनआईए जांच की मांग करते हुए एक जनहित याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया कि हिंसा के दौरान बम फेंके गए। उन्होंने इलाके में केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग की है।

रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश- वहीं, एडवोकेट जनरल एसएन मुखर्जी ने राज्य सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि कहा कि शिवपुर में स्थिति नियंत्रण में है। पांच अप्रैल तक हावड़ा शहर से सटे प्रभावित क्षेत्र में शांति सुनिश्चित

करने के लिए उठाए गए कदमों पर एक व्यापक रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया गया है।

हुगली में भड़की हिंसा- भाजपा नेता का आरोप है कि हुगली में रामनवमी की रैली के दौरान हमला हुआ है। दावा है कि हमले में स्थानीय विधायक घायल हुए हैं। इलाके में धारा 144 लगा दी गई है। इंटरनेट भी बंद हो गया है।

संपादकीय

हादसे की कड़ियां

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि किसी धार्मिक आयोजन या सामूहिक रूप से मनाए जाने वाले उत्सव में लोग अपनी आस्था को अभिव्यक्त करने या शामिल होने जाते हैं और वहां महज व्यवस्थागत लापरवाही की वजह से कइयों की जान चली जाती है। मध्य प्रदेश के इंदौर में पिछले हफ्ते श्री बालेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में रामनवमी के दिन एक पुरानी बावड़ी की छत धंसने से कई लोग उसमें गिर गए और उनमें से छत्तीस की जान चली गई। इस घटना को किसी हादसे की श्रेणी में ही रख कर देखा जाएगा, लेकिन इससे संबंधित जिस तरह के ब्योरे सामने आए हैं, उससे साफ है कि यह बहुस्तरीय और आपराधिक लापरवाही का मामला है। इसके मुताबिक, मंदिर के प्रबंधन से जुड़े लोगों और समूह की ओर से जानबूझ कर जिस तरह के अवैध निर्माण किए गए और उसके जोखिम की आशंका होने के बावजूद प्रशासन जिस तरह सिर्फ मौखिक हिदायत की औपचारिकता तक सिमटा रहा, वह हादसे के लिए जिम्मेदार कारकों को समझने के लिए काफी है। सवाल है कि मंदिर प्रबंधन और आयोजकों को बावड़ी को ढक कर बनाई गई जगह के बारे में मालूम होने बावजूद उस पर ज्यादा लोगों को जमा होने से रोकना जरूरी क्यों नहीं लगा! सिर्फ इतने भर से फिलहाल इस त्रासद हादसे से बचा जा सकता था। गौरतलब है कि जिस मंदिर में यह घटना हुई, उसके विस्तार के क्रम में वहां स्थित बावड़ी को सुरक्षित तरीके से ढकने या भरने के बजाय उसके ऊपर सिर्फ गर्डर और फर्शियां डाल कर टाइलें लगवा दी गईं। जबकि उसके नीचे करीब साठ फुट जमीन खोखली थी और उस पर रोज लोग दर्शन के लिए खड़े होते थे। उसी जगह पर मेले के मौके पर ज्यादा लोग जमा हो गए और वह ढकी हुई जगह धंस गई। इसमें जो लोग गिरे होंगे, उनमें से कुछ बचना ही अपने आप में आश्चर्य की बात है। लेकिन इस हादसे में जिन छत्तीस लोगों की मौत हो गई, वे निश्चित रूप से मंदिर प्रबंधन और वहां उत्सव का आयोजन करने वालों की लापरवाही और शासकीय उदासीनता के शिकार हुए। यह समझना मुश्किल है कि नगर निगम की ओर से बावड़ी को ढकने के तरीके को अवैध मानने के बावजूद संबंधित निकायों को कोई ठोस कार्रवाई करना जरूरी क्यों नहीं लगा! यह भी कहा जा रहा है कि वक्त पर कार्रवाई नहीं हो पाने के पीछे एक स्थानीय नेता और राजनीतिक दबाव भी कारण था। अगर इस तरह के आरोप सही है तो यह शासकीय स्तर पर बरती गई गंभीर कोताही का एक और बड़ा उदाहरण है, जिसके नतीजे में इतने लोगों को जान गंवानी पड़ी। ऐसी शिकायतें आम हैं कि किसी पर्व-त्योहार के मौके पर अपेक्षा से ज्यादा भीड़ के जमा होने की संभावना के बावजूद आयोजक इसका इंतजाम नहीं करते हैं कि वहां पहुंचे लोग समारोह में सुविधाजनक तरीके से शामिल हों और सुरक्षित लौट जाएं। कई बार ऐसा लगता है कि भारी संख्या में लोगों के पहुंचने और वहां घनघोर अव्यवस्था के बावजूद कोई हादसा नहीं होता है तो यह महज संयोग ही है। सिर्फ व्यवस्था की कमियों की वजह से नाहक ही लोगों की जान चली जाती है। इस तरह की आपराधिक लापरवाही न केवल आयोजकों की ओर बरती जाती है, बल्कि सरकार या प्रशासन की ओर से भी धार्मिक जमावड़े के दौरान इस मसले पर उदासीन रवैया बदस्तूर कायम रखा जाता है। ज्यादा अफसोसनाक यह है कि देश भर में धार्मिक मेलों या उत्सवों के आयोजन के दौरान भीड़ के जमावड़े, भगदड़ या हादसों की लगातार घटनाओं के उदाहरण सामने आते रहने के बावजूद कोई सबक लेने की जरूरत नहीं समझी जाती।

शुरू जुबानी जंग!

लेकर के अब हिंसा को ।
शुरू जुबानी जंग ।।
लेने वाले लेते हैं ।
हर बात में उमंग ।।
काम नहीं धरातल पर ।
लड़ने में ही व्यस्त ।।
शब्द और ट्वीट ।
रहते जबरदस्त ।।
है जिनका नुकसान ।
जानते वो हाल ।।
धर पकड़ है जारी ।
बड़ा पर सवाल ।।
घट रहीं घटनाएं ।
कौन ज़िम्मेदार ?
हुई जो शांति भंग ।
रुकने के आसार ?

–कृष्णेन्द्र राय

प्रकाश की गौरवगाथा है ब्रह्माण्ड

तैत्तिरीय उपनिषद में लिखा है: यह ब्रह्मांड, वास्तव में, प्रारम्भ में कुछ भी नहीं था। न स्वर्ग था, न पृथ्वी, न वातावरण। यह जीव, जो पूरी तरह से गैर-अस्तित्व था, ने एक इच्छा की कल्पना की: मैं हो सकता हूं। ब्रह्मांड, वास्तव में, ल्यूमेनोस्फीयर या फोटोस्फीयर है, अर्थात प्रकाश का घर, या प्रकाशालय। करोड़ों (संभवतः अरबों) आकाशगंगाओं में प्रत्येक में अरबों सितारे हैं, सभी अनंत सीमाओं में अपने प्रकाश को उड़ेलते-उलीचते-बिखेरते। ब्रह्मांड प्रकाश की रचनात्मकता का रौचकताओं से भरा एक उत्पाद है। प्रकाश परिमित सीमाओं में नहीं रह सकता। इसलिए, उसने अपने लिए विराटतम घर बनायाः असीमित सीमाओं वाला ब्रह्माण्ड।

पृथ्वी ग्रह सौर परिवार का अब तक ज्ञात एकमात्र जीवित सदस्य है जो पूरे परिवार के संतुलन में योगदान देता है। यह प्रकाश ही है जो पूरे सौर परिवार को एकजुट और एकीकृत रखता है। सौरमंडल में अपने मूल स्रोत सूर्य से उत्सर्जित होकर प्रकाश अपनी रचनात्मक यात्रा करता है और ब्रह्मांड को विकासवादी पथ पर स्थापित करने के लिए वह सब करता है जो उसे करने की आवश्यकता होती है। इसे जो कुछ भी करना पसंद है और जो कुछ भी करना है, यह सब इसकी विकासोन्मुख रचनात्मकता का एक गुण है। प्रकाश कभी स्थिर नहीं होता, कभी सुस्त नहीं होता, कभी निष्क्रिय नहीं होता, कभी धीमा नहीं होता, कभी विश्राम में नहीं होता। यह अनवरत क्रियाशील रहता है। यह सबसे तेज गति से यात्रा करता है। प्रकाश से तेज गति से कोई यात्रा नहीं कर सकता। यह सदैव क्रियाशील रहता है। यह सदैव सृजनात्मक रहता है। प्रकाश से अधिक गतिशील कुछ भी नहीं हो सकता। प्रकाश अंतरिक्ष में तरंगों के रूप में यात्रा करता है। लेकिन जब यह किसी ग्रह से टकराता है, तो यह अपने फोटोन कणों के माध्यम से क्रिया करके अपना व्यवहार बदल देता है। फोटॉन अपनी ऊर्जा को पदार्थ में स्थानांतरित करते हैं। प्रकाश की ऊर्जा से आवेशित पदार्थ में परिवर्तन होता है। कोई भी कुछ भी प्रकाश से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। प्रकाश के संपर्क में आने पर कुछ भी शांत, निष्क्रिय और अपरिवर्तित नहीं रह सकता। ब्रह्मांड प्रकाश की रचनात्मकता के लिए एक घर प्रदान करता है। प्रकाश अपने घर को अपनी ऊर्जा से भर देता है और उसे एक करिश्माई क्रम में संचालित रखता है जो एक आश्चर्यजनक संतुलन प्रदान करता है। संपूर्ण ब्रह्माण्ड प्रकाश द्वारा प्रलोभित है। ब्रह्मांड में प्रकाश ही सबकुछ रचता है। ब्रह्मांड का नियम कहता है कि कुछ भी अपरिवर्तित नहीं रहना चाहिए। ब्रह्मांड के लिए जो प्रकाश से आवेशित है, गतिशील रहता है। यह विकासोन्मुखी (ऐवोलुशनरी) होता है। इस परिवर्तन में एक लय होती है, एक क्रम होता है, एक संगीतात्मकता होती है। सब कुछ स्वयं को नवीनीकृत करता है, क्योंकि नवीनीकरण ब्रह्मांड का एक विधान है। नवीकरणीयता ब्रह्मांड के नियमों में से एक है, क्योंकि ब्रह्मांड प्रकाशालय है। प्रकाश से दमकता ब्रह्मांड निरंतर अपनी रचनात्मक यात्रा करता रहता है और ब्रह्मांड में सब कुछ झ इसके आकाशीय पिंडों, ग्रहों, चंद्रमाओं और उल्कापिंडों में सबकुछ झ अनिवार्य रूप से रहस्यभरी रचनात्मकता की इस यात्रा में भाग लेता है।

सार्वभौमिक रचनात्मकता की अपनी भव्य यात्रा में प्रकाश ने ब्रह्मांडीय पदार्थ को जीवन-प्रक्रियाओं में रूपांतरित कर जैवमंडल का निर्माण किया। जैवमंडल में प्रकाश की असाधारण भूमिका होती है। प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से यह जीवन चक्र रचता है और जीव-धाराओं में प्रवाहित होता है। यह विशाल, अथाह और अद्भुत जैव विविधता बनाता है। यह अपनी रचनात्मकता के सभी रंगों को सभी जीवित प्रजातियों में, उनकी रज में, विविध परिदृश्यों में फैले विविध पारिस्थितिक तंत्रों में, जल में, भूमि पर, मिट्टी में और वातावरण में फैलाता है। इस तरह संपूर्ण जीवमंडल, स्थलमंडल, जलमंडल और वायुमंडल के कुछ हिस्सों को शामिल करता है और ऐसा करने में जीवन की महान विविधता के साथ खिलता है और प्रकाश की जीवंत ऊर्जा के साथ प्रतिध्वनित होता है। जैवमंडल ने ब्रह्मांडीय प्रकाश के लिए अपनी सुंदरता को बुनने और पूरे ब्रह्मांड में अपने परमानंद को फैलाने के लिए सबसे गौरवपूर्ण जीवन-विकास का ताना-बाना बुना है। जब बा अंतरिक्ष से देखा जाता है, तो पृथ्वी सबसे सुंदर आकाशीय पिंड के रूप में खिली दिखती है। ब्रह्मांड की नील-सुंदरी है हमारी पृथ्वी! यह तथ्य अन्य पूरक तथ्यों को जन्म देता है: निजीवों की तुलना में जीवित चीजें अधिक सुंदर हैं, निजीवों की तुलना में जीवित चीजें अधिक आकर्षक हैं, और यह कि जीवन सुंदर है, और जीवन अधिक सुंदर है, और जीवन को बढ़ाने-विस्तार देने वाला सबसे सुंदर।

जैवमंडल प्रकाश के लिए जीवन से ओतप्रोत, जीवन से सराबोर एक आकर्षक घर है। केवल कुछ जीव रूपों में नहीं, बल्कि असंख्य रूपों में। जब से प्रकाश ने जैवमंडल की रचना कर ह्जीवित रूपह्व में रहना शुरू किया है, इसने अपने कई रचनात्मक आयामों का विस्तार करने के लिए, अपनी कलात्मक भूमिका को प्रदर्शित करने के लिए, और अपने जीवंत और मोहक रंगों को फैलाने के लिए जीवन के नए रूपों को लगातार विकसित किया है। जैवमंडल का सृजन कर प्रकाश ने अपनी विकासवादी रचनात्मकता की एक नई कहानी लिखी है। इस नाटकीय कहानी के चरमोत्कर्ष में असाधारण रूप से विकसित और अद्वितीय बौद्धिक क्षमता के साथ मानव जीवन अस्तित्व में आया। यह प्रकाश की उत्कृष्ट विकासवादी रचनात्मकता को इंगित करता है। प्रकाश ने अपने विकासवादी डिजाइनों को प्रकट किया और जैवमंडल के भीतर और अपने अद्भुत जीवंत घर में सभी प्राणियों के लिए पेचीदगियों, जटिलताओं, सूक्ष्मताओं, दृढ़ संकल्पों और अपने स्वयं के परोपकार को प्रकट किया।

जैवमंडल में प्रकाश के व्यवहार और रचनात्मक डिजाइन अंतरिक्ष में होने की तुलना में भिन्न होते हैं। जैवमंडल में यह अपने द्वारा बनाए गए वातावरण की परतों के माध्यम से स्वयं को फिल्टर करता है और सभी जीवों पर अपना स्नेह बरसाने के लिए स्वयं को अपने शुद्ध, प्रेमपूर्ण, दयालु और परोपकारी रूप में बदल देता है। यह क्लोरोप्लास्ट के प्रवेश द्वार से हरे पौधों में प्रवेश करता है और जीव ऊर्जा में रूपांतरित होकर अपना जीवित अवतार धारण करता है। प्रकाश का यह अवतार पृथ्वी पर सभी जीवों का पोषण करता है और पूरे जैवमंडल को अक्षुण्ण रखता है। प्रकाश जैवमंडल को उन सभी आशाओं के साथ प्रस्फुटित करता है जो विकास (एवोलुशन) की तहों में हैं। प्रकाशालय में जैवमंडल एक जीवंत नखलिस्तान है जो ब्रह्मांडीय संतुलन को बनाए रखता है। जैवमंडल की रचना ब्रह्मांडीय रचनात्मकता की विकासोन्मुखी यात्रा का उत्तमोत्तम पड़ाव है। जैवमंडल ब्रह्मांड में कदाचित पहला, लेकिन अंतिम नहीं, जीवित नखलिस्तान है। यह एक विकासवादी शिविर है जिसमें प्रकाश विकास के साथ गठबंधन में अपनी जीवनदर्शी रणनीति का निर्माण करता है। समय के रथ पर सवार होकर प्रकाश अन्य खगोलीय पिंडों झ ग्रहों और चंद्रमाओं झ में जैवमंडल विकास की व्यूहरचना करेगा। मानव जाति से लेकर सभी जीव-जंतु, जीवनगामी पृथ्वी और सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड तक सब कुछ प्रकाश की ही यशगाथा है, और यह यशगाथा अनंत है जिसमें अभी अनंत मोड़ आने हैं।

बदलता मौसम, सूखती जलधाराएं

जिस तरह मौसम करवट बदल रहा है, उसका असर अब पूरी दुनिया पर दिखाई देने लगा है। भविष्य में इसका सबसे ज्यादा बुरा असर एशियाई देशों पर पड़ेगा। एशिया में गरम दिन बढ़ सकते हैं या फिर सर्दी के दिनों की संख्या बढ़ सकती है। एकाएक भारी बारिश या फिर अचानक बादल फटने की घटनाएं हो सकती हैं। न्यूनतम और अधिकतम दोनों तरह के तापमान में खासा परिवर्तन देखने में आ सकता है।

अमेरिका के न्यूयार्क में पांच दशक बाद जल सम्मेलन संपन्न हुआ। उसमें हिमालय से निकलने वाली गंगा समेत दस प्रमुख नदियों के भविष्य में सूख जाने को लेकर गंभीर चिंता जताई गई। सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने आगाह किया कि आने वाले दशकों में जलवायु संकट के कारण हिमनदों का आकार घटने से भारत की सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियां सूख सकती हैं। हिमनद पृथ्वी पर जीवन के लिए आवश्यक हैं। दुनिया के दस प्रतिशत हिस्से में हिमनद हैं, जो दुनिया के लिए शुद्ध जल का बड़ा स्रोत हैं। यह चिंता इसलिए है कि मानवीय गतिविधियां पृथ्वी के तापमान को खतरनाक स्तर तक ले जा रही हैं, जो हिमनदों के निरंतर पिघलने का कारण बन रहे हैं। इस आयोजन में जारी रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक जल संकट से प्रभावित होने वाले देशों में भारत प्रमुख होगा। गंगा और ब्रह्मपुत्र समेत एशिया की दस नदियों का उद्गम हिमालय की तलहटी है। उनमें झेलम, चिनाब, ब्यास, रावी और यमुना भी शामिल हैं। ये सभी नदियां 2250 किलोमीटर जलग्रहण क्षेत्र में बहती हैं। ये अपने जलग्रहण क्षेत्र में 1.3 अरब लोगों को ताजा पानी उपलब्ध कराती हैं, जिनमें उत्तर भारत की बड़ी आबादी शामिल है। पानी की समस्या से प्रभावित लोगों में से अस्सी प्रतिशत एशिया में हैं। यह समस्या भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन में सबसे ज्यादा है।

विडंबना है कि जहां पानी की उपलब्धता घट रही है, वहीं पानी की खपत बढ़ रही है। सीएसई की रिपोर्ट के मुताबिक गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना नदी प्रणाली का जलग्रहण क्षेत्र कुल नदी जलग्रहण क्षेत्र का 43 प्रतिशत है। जाहिर है कि इनमें पानी कम होने से देश में बड़ा जल संकट पैदा हो सकता है। इसलिए कि भारत में दुनिया की 17.74 प्रतिशत आबादी है, जबकि उसके पास ताजा पानी के स्रोत केवल 4.5 प्रतिशत हैं। इसलिए कालांतर में नदियों सूखने का संकेत चिंताजनक है।

हिमालयी नदियों के सूखने की चेतावनी इसलिए सच लगती है, क्योंकि कनाडा की स्लिम्स नदी के सूखने का घटनाक्रम और नाटकीय बदलाव एक ठोस सच्चाई के रूप में छह साल पहले सामने आ चुका है। इस घटना को भू-विज्ञानियों ने ह्यनदी का चोरी चले जानाह्न कहा था। इसलिए कि यह नदी चार दिन के भीतर ही सूख गई थी। नदी के विलुप्त हो जाने का कारण जलवायु परिवर्तन माना गया था। तापमान बढ़ा और कास्कावुल्श नामक जिस हिमखंड से इस नदी का उद्गम है, वह तेजी से पिघलने लगा। नतीजतन तीन सौ साल पुरानी स्लिम्स नदी 26 से 29 मई, 2016 के बीच सूख गई। जबकि डेढ़ सौ किमी लंबी इस नदी का जलभराव क्षेत्र डेढ़ सौ मीटर चौड़ा था। आधुनिक इतिहास में इस तरह नदी का सूखना विश्व में पहला मामला था।

निकाय चुनाव को लेकर तैयारियों में जुटे उम्मीदवार

तमकुही, कुशीनगर। नगर निकाय चुनाव की तैयारियां अभी से ही प्रत्याशियों की ओर से शुरू हो गयी है। जातीय,दलीय आधारों पर मतों का धुर्वीकरण शुरू हो गया है, मतदाता को कैसे अपने पक्षों में करे, इसके लिए कोई भी सम्भावित प्रत्याशी कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते हैं। दिलचस्प बात यह है कि कुछ छुटभैये नेताओं की भी इस चुनाव में कद बढ़ा हुआ है, जो अभी से ही सम्भावित प्रत्याशियों को ब्लैकमेल करने में लगे हैं। उसकी खामोशी कैसे टूटे, इसके लिए इटिंग,फिर मीटिंग व सेटिंग का दौर जारी है।

जातिगत मतदाताओं को लुभा रहे- कई दिग्गज नेता चुनाव में दावेदारी ठोंक दिए हैं, जिनकी आजतक कोई राजनीतिक पहचान नहीं रहा है। ऐसे दिग्गज भी मैदान में उतरने को तैयार हैं, ऐसे में बड़े दिग्गजों को मात देने और उनके स्वजातीय मतों को विभाजित करने के लिए उसके जाति से ही डमी उम्मीदवार उतारने की भी कवायद तेज है, ताकि जातीय मतों को तहस नहस किया जा सके, जिससे उनकी अपनी राह आसान हो जाये।

मतदाताओं की खामोशी ने उम्मीदवारों की बढ़ाई बेचैनी- मजे की बात यह है कि मतदाताओं की खामोशी ने उम्मीदवारों की बेचैनी बढ़ा दी है। उनकी खामोशी को तोड़ने के लिए हर रोज छोटी-छोटी पार्टियां आयोजित की जा रही हैं। यह कहावत गलत नहीं होगा कि कहां ककरी,कहां मचान? चूंकि अभी चुनाव की तिथि घोषित नही हुई है। ऐसे में कई उम्मीदवार अपना कार्यालय भी खोल दिए गए हैं। फिलहाल चाय किसी होटल में पीने की जरूरत नहीं है, बस किसी के कार्यालय में घुसिये, इच्छानुसार जलपान कीजिए, थोड़ा गुणगान कर निकलते रहिये. फिलहाल मतदाता भी इस बाढ़ में हाथ धोने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ते नजर आ रहे हैं। तमकुहीराज, फाजिलनगर व दुदही में पहली बार नगर पंचायत के चुनाव हो रहे हैं, जहां उम्मीदवारो के बैनर पोस्टर से कस्बे पटे पड़े हैं तो वही जनसंपर्क चर्चा का विषय बना हुआ है।

छुटभैये नेताओं के निकल आये पंख,कट रही चांदी- निकाय चुनाव नजदीक आते ही सियासत का पारा गर्म हो गया है। छुटभैये नेताओं के भी पंख निकल आए हैं। उन्होंने चुनाव में दो-दो हाथ करने की तैयारी शुरू कर दी है। दलबदलू नेता भी सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने विरोधी दलों में पैठ बैठाने की कवायद शुरू कर दी है। कई सपा में दाखिला लेने के लिए छटपटा रहे हैं तो कुछ नेता भाजपा का दामन थामने को बेताब हैं। कई कांग्रेस व बसपा में जाने की फिराक में हैं। वैसे सियासत में वक्त बदलते देर नहीं लगती हैं। कब क्या हो जाए किसी को नहीं मालूम हैं।

टिकट की तलाश- यूं तो सपा, बसपा और भाजपा में टिकट हासिल करने वालो की लंबी कतार लगी है। दावेदारों ने स्थानीय नेताओं को अपने समर्थन में उतारने का प्रयास भी तेज कर दिया है। टिकट की तलाश में जद्दोजहद व समर्थकों से भी सलाह किया जा रहा है। कुछ ऐसे हैं जिनकी न कोई राजनीतिक पहचान है और कोइ सामाजिक सरोकार ही है। जनता से दूरी बनाए रखने वाले ऐसे लोगो को भी उनके मन में जनता की सेवा करने की भाव जागी है। वही कुछ छुटभैये नेताओं के भरोसे चुनावी समर में कूद पड़े हैं और छुटभैये नेताओं की चांदी कटनी शुरू हो गयी हैं।

ये नई दुनिया मिल भी जाए

राजनेता लोग क्रांतिकारी हो जाने का आडंबर रचते हैं और देश की बहुसंख्या अपने आप को वहीं खड़ा पाती है, रियायती अनाज की दुकानों के आगे लगी अंतहीन कतारों में, जिसकी समयावधि बढ़ना उनके लिए वरदान माना जाता है। नेताओं के रंग यहां निराले हैं। जनसेवा की जगह वे परिवार सेवा, गुट सेवा, जाति सेवा में विश्वास रखते हैं और उसे न्यायोचित ठहरा कर नैतिकता के नए पैमाने बना देते हैं।

चाहे देश का शिखर न्यायालय इस पर प्रश्न उठाए, लेकिन उसे नजरअंदाज करके देश का राजनीतिक रथ उसी मंथर गति से चलता नजर आता है कि जहां कुर्सी छिन जाने पर भी कुर्सी छीनने वाले के प्रति चतुर सुजान नेता मोह दिखाते हैं, आशीर्वाद देते और उसमें से अपने लिए एक नया अर्थ निकाल लेते हैं। शायद अर्थ यही कि ऐसा करके देखो, वे कितने महान व्यक्ति बन गए। जीवन के उतार-चढ़ाव देख कर वे निस्पृह हो चुके हैं। यों राजनीति, समाज और आगे बढ़ने की अंधी दौड़ में पीछे छूट गए लगभग हर व्यक्ति को हमने इसी तेवर में देखा है। यह कैसा चलन है कि जब कोई हार जाता है, तो ऐसा संदेश देता है, इस आपाधापी भरी दुनिया को त्याग देने का संदेश देता है। निहित भाव यही रहता है कि मैंने कभी इन छोटी-छोटी ललचाहटों की परवाह नहीं की। ज्यों-ज्यों चुनाव की घंटी करीब आती जाएगी, यह आडंबर शायद और बढ़ जाएगा। जमी-जमाई कुर्सियां उखड़ेंगी। जिन राजप्रासादों को अपनी मिल्कियत समझा था, अगर वही आज बेगाने हो गए तो इनसे विदा लेते हुए भला और क्या कहते? यही न कि मैंने कभी इनकी कामना नहीं की। आपकी सेवा का, जनसेवा का भार था, जो हम पर लाद दिया गया था। हम तो आजीवन यही सेवा धर्म निभाते रहते, हम जाते तो हमारे बेटे, नाती-पोते इस सेवा को निभाते, लेकिन कुछ लोगों से हमारी यह महानता बर्दाश्त नहीं हुई। लीजिए, अब हम क्यों इस ओछी नाखुशी को बढ़ावा दें? आजकल जो कोई नहीं करता, वही हमने कर दिखाया। एक लोकगीत की तरह लै माये सांभ कुंजियां, सजन तो परदेसी हो गए, सब कुछ छोड़-छाड़ कर चल दिए।

अजी यह केवल एक राज्य, एक बलिदान की कहानी नहीं है, न जाने कितने लोग फंसने पर त्याग भाव से अलविदा कहते दिखाई देते हैं। यह केवल एक राज्य की नंबरदारी हो या एक सामाजिक प्रतिष्ठान की। मगर ऐसे हर बलिदान की कहानी का दूसरा रुख बांचने वाले भी आपको दिख जाएंगे। अजी कोई बलिदान बलिदान नहीं था, महोदय के सिर के ऊपर से इतना पानी गुजर गया था कि अब सिवा डूबने के कोई और चारा न था। अब जब डूबना ही है तो क्यों न जलसमाधि का नाम दे दें। मगर इस बलिदान का अर्थ कभी अलविदा नहीं होता। अपने प्रस्थान को महा बलिदान का नाम देकर वे सदा लौटने की फिराक में रहते हैं। इस वापसी को करते हुए भी बड़े-बड़े शीर्षक उनकी सेवा में आ जुटते हैं।

उधर जो उनकी कुर्सी छीन जम कर बैठ गए, वे भी तो यही कह रहे थे आम लोगों से कि बहुत ज्यादती हो गई, तुम्हारे साथ। उत्थान के नाम पर भाई-भतीजावाद चला, और सामाजिक और राजनीतिक जीवन में सफाई के नाम पर कूड़े के पहाड़ बना दिए। अब होगा असली उत्थान, बसेगी नई दुनिया। यह असली उत्थान, और नई दुनिया बसाने की बात भी खूब है साहब। जो अलविदा कहने को मजबूर हुए, वे भी अब ऐसी ही दुनिया बसा लेने के वादे के साथ वापसी चाहते हैं, और जो अब कुर्सी पर आ जमे, वे तो खैर आए ही इस नई दुनिया को स्थापित कर देने के ढोल-ढमाके के साथ थे। यह नई दुनिया खूब है साहब। जो अपनी स्थापना के समर में कूदता है, इसी घोषणा के साथ कूदता है। पक्ष हो या विपक्ष। है कोई ऐसा माई का लाल, जो इस घोषणा के चमकीले आवरण के बिना इस समर में कूद सके? आओ, हम इन समर योद्धाओं में से सबसे ऊंची आवाज वाले योद्धा को विजय तिलक लगाएं और अपूर्व धीरज के साथ इस नई दुनिया के बसने का इंतजार करें। मगर कहां तलाश करें, हम इस नई दुनिया को? क्या इस नए सर्वेक्षण में कि जहां सच में धन और आय की समानता पैदा करने वाले लक्ष्यों ने यह परिणाम दिखाया कि आज देश दस प्रतिशत के पास नब्बे प्रतिशत धन संपदा आ गई, और बाकी नब्बे प्रतिशत के पास देश की दस प्रतिशत धन संपदा।

इस देश में हर हाथ को काम देने का वादा किया था, काम दिया तो सही, उन कतारों में खड़े होने का, जहां रोटी से लेकर आयातित संस्कृति तक खैरात में बंटती है। लुभावने नारों के पंखों पर यह नई दुनिया चल रही है। बेकार युवकों के लिए गांवों में नया समाज बसाया है। इसीलिए तो उद्योगपतियों को यहां भी नवस्थापन की इजाजत मिल गई। खैर, चौंकिए नहीं, ऐसी विसंतियों में ही तो यह देश सदा पला-बढ़ा है।

लोकसभा से पहले नगर निकाय हमारे लिए लिटमस टेस्ट होगा : गोपाल यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज सोमवार को समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर सम्पन्न हुई। इस बैठक में होने वाले नगर निकाय चुनाव, बेसमय हुई बरसात और ओलावृष्टि से किसानों को हुई क्षति, लगातार बढ़ती मंहगाई बेरोजगारी, ?भ्रष्टाचार, अपराध, बिगड़ती कानून व्यवस्था, भाजपा सरकार द्वारा किसानों, नौजवानों और छात्रों से की गयी घोर वादाखिलाफी पर गंभीर चर्चा हुई और देश में हो रहे लगातार आर्थिक घोटालों और मजहबी दंगों पर चिंता भी व्यक्त की गयी।

इस बैठक में दिनांक 8अप्रैल को गाजीपुर लोकसभा के प्रभारी राम अचल राजभर जी की सेक्टर और बूथ प्रभारियों के साथ होने वाली बैठक को भी सफल बनाने पर चर्चा हुई। इस बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने सर्वप्रथम कल शादियाबाद थानांतर्गत नेवादा दुर्गविजय राय की घटना के लिए पुलिस प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया और निर्दोष लोगों को फंसायें जाने पर पुलिस प्रशासन के खिलाफ रोष व्यक्त किया । उन्होंने कहा कि इस घटना के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह से जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि यह विवाद बहुत दिनों से चल रहा था। गरीब विधवा महिला बहुत दिनों से अपने हक और अधिकार के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन के दरवाजे अपने फरियाद कर रही थी लेकिन प्रसाशन उसको हक और अधिकार नहीं दिला पाया। कल जब उस गरीब विधवा महिला को न्याय दिलाने के लिए ग्रामवासी शांतिपुर्वक आंदोलन कर रहे थे नाहक पुलिस ने उन पर लाठी चार्ज कर विवाद को और तूल देने का काम किया। उन्होंने कहा कि यदि इस घटना में निर्दोष लोगों को फंसाया गया तो समाजवादी पार्टी आंदोलन करने को बाध्य होगी । उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को देशवासियों के बुनियादी जरूरतों का तनिक भी ध्यान नहीं है। इन सवालों पर वह पूरी तरह से संवेदनहीन बनी हुई है। वह देश की गरीब जनता का ख्याल न कर अपने पूंजीपति मित्रों को ही लाभ पहुंचाने में व्यस्त हैं। उन्होंने सभी कार्यकताओं से कहा कि देश गंभीर परिस्थितियों से होकर गुजर रहा है। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। अपने खिलाफ बढ़ते जनाक्रोश और लगातार खराब होती आबो हवा से भाजपा फिर देश में मजहबी दंगों को हवा दे रही है। रामनवमी से देश में शुरू हुए मजहबी दंगे भाजपा की साज़िश है। अपने जन्मकाल से ही भाजपा हिंदू और मुसलमानो के बीच नफरत और दंगे कराकर अपने राजनीतिक और साम्प्रदायिक मंसूबों को पूरा करती रही है। उन्होंने कार्यकताओं से जनता के बीच जाकर भाजपा सरकार की नापाक इरादों के प्रति आगाह करने का काम किया है। उन्होंने नगर निकाय चुनाव की चर्चा करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले नगर निकाय का चुनाव हमारे लिए लिटमस टेस्ट होगा। हमें हर हाल में इस चुनाव को जीतना होगा। उन्होंने कहा कि 25वर्षों से नगरपालिका गाजीपुर पर भाजपा कि कब्जा है लेकिन गाजीपुर शहर जहां 25 वर्ष पहले था आज भी गाजीपुर शहर वहीं खड़ा है।

नई शिक्षा नीति से तैयार होंगे संस्कारित युवक-युवतियां : डॉ. धर्मेंद्र सिंह

प्रखर खजनी। तहसील क्षेत्र के एसटी. माउंट एडी पब्लिक स्कूल डोड़ो-सतुआभार के प्रांगण में रविवार को ग्रैण्ड ओपनिंग के मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डा. धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से तैयार होंगे संस्कारित युवक-युवतियां। उन्होंने कहा कि अंचल में नई शिक्षा नीति की लीड संस्था के माध्यम से विद्यालय प्रबंधक घनश्याम मिश्रा ने जो अलख जगाई है उसकी जितनी ही सराहना की जाए वह कम है, इसके लिए प्रबंधक धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि देश के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं योगी आदित्यनाथ जैसे लोग कभी कभी मिलते हैं। जिन्होंने अपने लिए कुछ नहीं किया लेकिन देश के लिए सब कुछ करने के लिए तैयार है। विशिष्ट अतिथि सहजनवां विधायक प्रदीप शुक्ला ने शिक्षा पर चर्चा करते हुए कहा कि आज हमारे गोरखपुर में 4-4 विश्वविद्यालय हैं। अब छात्र छात्राओं को ऊंची शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। यह सब प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की देन है। प्रबंधक घनश्याम मिश्रा ने कहा कि विद्यालय के शिक्षण संचालन का कार्य अब लीड संस्था करेगी। जो नई शिक्षा नीति पर आधारित है। इसके पूर्व मां सरस्वती के तैल चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर मुख्य अतिथि एवं विशेषण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के बच्चों के द्वारा अज्ञानता से हमें तार दे मां, हे शारदे मां... की प्रस्तुति उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। जिसकी लो खूब सराहना करते देखे गये। विद्यालय टॉपर पल्लवी समेत अपनी कक्षा में स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने मेंडल व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। वहीं विद्यालय परिवार की ओर से मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि समेत कई गणमान्य लोगों को साल भेंट किया गया। इस अवसर पर बंश बहादुर सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा, रत्नेश पांडेय, राम पाल सिंह, नरेंद्र शुक्ला, रामप्रकाश पांडेय, विजय तिवारी, जगदंबा शुक्ला, गंगोत्री राम तिवारी, केशव मिश्रा, अमित सिंह, सुमित सिंह, गुड्डू तिवारी, सिपाही प्रसाद समेत सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामप्रकाश चौरसिया किया।

हैबतपुर डुभांव के समाजसेवी रामलगन मिश्रा पंचतत्व में विलीन, ग्रामीणों ने नाम आंखों से दी विदाई

प्रखर आजमगढ़। चौरासी लाख योनियों में श्रेष्ठ मानी जाने वाली मानव योनि में जिसका जन्म हो जाता है उसे कुछ न कुछ दायित्व जरूर मिलता है। और मानव जीवन श्रेष्ठ भी है,गोस्वामी तुलैदास जी ने श्री राम चरित मानस में लिखा है कि बड़े भाग मानुष तन पावा` सुर दुर्लभ सद् ग्रन्थन्हि गावा` साधन धाम मोक्ष कर द्वारा` पाई न जेहिं परलोक सँवारा`अर्थात मनुष्य कि शरीर बड़े हि भाग्य से प्राप्त होती क्योंकि मानव शरीर पाना देवताओं के लिए भी दुर्लभ होता है अर्थात मानव शरीर के लिए देवता गण भी तरसते रहते हैं - लालायित रहते हैं` ऐसा इसलिए कि मानव शरीर एक ऐसा शरीर है जो जीव को मोक्ष के दरवाजे तक पहुँचाने के लिए समस्त मोक्ष साधनों का धाम या घर है` इस मानव शरीर को पाकर भी जो मनुष्य अपना परलोक सँवार नहीं लेता यानी अपने जीव का उद्धार तथा मुक्ति-अमरता न पा लेता वही वहाँ परलोक में और यहाँ लोक में अपार दुःख कष्ट पाता है` इन सभी बातों का अनुसरण करते हुए उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में हैबतपुर डुभांव निवासी श्री रामलगन मिश्रा जी रविवार के दिन यानी 02 अप्रैल 2023 को गोलोकवासी हो गए।उन्होंने अपना जीवन रहते कई लोगों का जीवन सुधारा,और कितने यतीम और गरीब दुखियों का आश्रय बने रहे।श्री मिश्रा जी धार्मिक व्यक्ति थे और धार्मिक कार्यों में सतत रत रहते थे।जैसे वर्ष में श्री रामचरित मानस का पाठ करवाना और नित्य स्वयं पाठ करना,वहीं स्थित वराह भगवान विष्णु का मंदिर था,जहां के सामूहिक पूजन के लिए लोगों को जागरूक करना और पूजन सफल बनाना उनका कर्तव्य था।श्री मिश्रा जी की तबियत अचानक शुक्रवार के दिन तबियत बिगड़ गई,और रविवार को उन्होंने अपनी ही जन्मभूमि पर अंतिम सांस ली।वे कहीं न कहीं महामना मालवीय जी के बताए गए मार्ग का अनुसरण भी करते थे ग्रामे-ग्रामे सभा कार्या, ग्रामे-ग्रामे कथा शुभाः।

पाठशाला मल्लशाला, प्रति पर्व महोत्सव ।।

प्रत्येक गाँव में कथा, वार्ता और चर्चा करते रहने का स्वभाव हो,

प्रत्येक गाँव में अखाड़े व शरीर को स्वस्थ रखने के साधन-व्यवस्था रहे जिससे शरीर से लोग बलवान बने ,उससे उनके मन से कमजोरी दूर होगी ,संघर्ष करने की प्रवृति विकसित होगी, वहाँ के रहने वालों में अच्छे विचार पैदा हों ,शिक्षित और समझदार पीढ़ी तैयार हो इसके लिए हर गाँव ने विद्यालय होने चाहिए एवं आस्था को बल देने के लिए पर्व एवं परम्परागत धार्मिक सभाएँ होती रहनी चाहिए ।श्री मिश्रा एवं उनके सुकृत्य निरंतर ग्रामवासियों को स्मरण रहेंगे।

एडिंग एबिलिटी (चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर), रोटरी क्लब और इनरव्हील क्लब द्वारा चलाया गया जन जागरूकता अभियान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। ऑटिज्म एक मानसिक विकार है जिसके लक्षण बचपन से ही आने लगते है जन्म से लेकर तीन साल के उम्र में विकसित होने वाले इस रोग के कारण बच्चा लोगो से घुलने-मिलने में हिचकता है किसी भी बात पर प्रतिक्रिया देने मे काफी समय लेता है आम तौर पर बच्चे माता-पिता के आवाज लगाने पर प्रतिक्रिया देते है लेकिन ऑटिज्म से बच्चे ना तो बोलकर जल्दी से प्रतिक्रिया देते है और नाही इनके चेहरे पर किसी तरह का भाव होता है एडिगं एविलिटी चाइल्ड डेवेलपमेंट सेंटर, रोटरी कलब वाराणसी ग्रेटर एवं इनरव्हील कलब वाराणसी ग्रेटर के सहयोग से विश्व ऑटिज्म जागरुकता दिवस मनाया जा रहा है जिन खेल में बच्चे मिल जुलकर खेलते है उस तरह के खेलो में इन बच्चो कि रुचि कम होती है क्योकि ये उस तरह के माहौल में और उस तरह कि कनेक्टिविटी में खुद को शामिल नहीं कर पाते है पीडियाट्रिक आक्यूपेशनल थैरेपिस्ट डा. अज्ञेय द्विवेदी ने बताया कि अभिभावको को बच्चों कि कुछ विशेष क्रियाओं को ध्यान में रखना चाहिए जैसे-

1- 9 महिने की उम्र के बाद भी नाम पर कोई प्रतिक्रिया ना देना तथा चेहरे पर उदासी, खुश,हैरान और गुस्सा न दिखाई दे`

2- 15-18 महिने की उम्र तक अपने आस-पास होने वाली किसी भी वस्तु के बारे में उगलियो से इंगित करने में`

3- 24-36 महिने की उम्र तक दुसरो कि भावनाओं और प्रतिक्रिया की समझने परेशानी यदि किसी को भी अपने बच्चे में ऑटिज्म जैसे लक्षण दिखते है तो कुछ जरुरी बातो को ध्यान रखे जैसे बच्चों के साथ समय बिताये,सामान्य बच्चो के साथ बच्चे को जरूर खेल का अवसर दें , सास्कृतिक कार्यक्रम में ले जाए, आस-पास के लोगो से मिलने दें और बच्चो को अकेला ना छोड़े`

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रोटरी कलब वाराणसी ग्रेटर के अध्यक्ष योगेश रुपानी, इनरव्हील क्लब वाराणसी ग्रेटर की अध्यक्ष इन्दू रतन और डा.नीरज त्रिपाठी, डा.अतुल रतन, डा. दिव्यांशु सिंह,प्रकाश केजरीवाल, चचंल गांगोली सहित इत्यादि लोगों की उपस्तिथ रही।

95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने मनाया 35वां स्थापना दिवस, आयोजित हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सीआरपीएफ 95 बटालियन की ओर से पहड़िया मंडी मुख्यालय में बहुत ही धूमधाम से मनाया गया 35वां स्थापना दिवस` कमांडेंट अनिल कुमार बृक्ष के नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रविंद्र जायसवाल राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार स्टांप व न्यायालय शुल्क तथा पंजीयन विभाग रहे` विशिष्ठ अतिथि के रूप में अशोक मुथा जैन पुलिस कमिश्नर वाराणसी थे` 35वें वार्षिक महोत्सव में मुख्य अतिथि ने कमांडेंट 95 बटालियन ने स्पेशल गार्ड की सलामी ली सभी कार्मिकों को दी बधाई एव बटालियन के कार्यों को किया याद` अतिथियों ने दीप प्रज्वलित करके सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया वाहिनी के जवानों ने विभिन्न प्रकार के लोकगीत और लोकनृत्य प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया इस अवसर पर कमांडेंट अनिल कुमार बृक्ष ने कहा किसी भी बटालियन के लिए उसका वार्षिकोत्सव अपना विशेष महत्त्व रखता है` 95 बटालियन सीआरपीएफ की स्थापना दिवस होने के कारण प्रतिवर्ष 1 अप्रैल को इसका स्थापना दिवस मनाया जाता है 35 वर्ष पूर्व इस बटालियन की स्थापना हुई थी मुख्य अतिथि रविंद्र जायसवाल ने कहा 27 जुलाई 1939 को सीआरपीएफ की स्थापना हुई थी और देखते ही देखते सीआरपीएफ देश की सुरक्षा का प्रमुख बल बन गया` इस अवसर पर वाहिनी मुख्यालय में विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक कमांडेंट सुजय यादव ने की` इस कार्यक्रम में राकेश कुमार पुलिस उपमहानिरीक्षक समूह केंद्र चंदौली सुरेंद्र चौधरी पुलिस उपमहानिरीक्षक रेंज चंदौली, नागेंद्र पांडे काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास अध्यक्ष, अभिषेक जालान, राघवेंद्र कुमार सहायक महाप्रबंधक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, संजय दगल शाखा प्रबंधक काशी विश्वनाथ मंदिर, विवेक सिंह मुख्य प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक कचहरी, अनुज गुप्ता एयर कमांडोर, अनिल सिंह ब्रांड एंबेसडर पर्यावरण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार, डॉ अजय तिवारी, सभी अधिकारी, जवान एव उनके परिवार सम्मिलित हुए।

राजघाट पुल से आजाद चौक तक नो वेंडर जोन किया जाएगा घोषित

प्रखर गोरखपुर। नगर निगम परीक्षेत्र को ठेला खोमचा मुक्त बनाने के बारी-बारी से नो वेंडर जोन घोषित किया जाएगा जिन रोडो को नो वेंडर जोन घोषित कर दिया गया है पुनः उन रोड़ पर अवैध तरीके से लगने वाले ठेला खोमचा वालो पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। आज नगर निगम सभागार में नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किए की राजघाट पुल से आजाद चौक तक सड़क के दोनों तरफ कोई भी ठेला खोमचा नहीं लगेगा ट्रांसपोर्ट नगर चौकी के पीछे बनाए गए दुकानों में स्थाई तौर पर 280 वेंडरों को शिफ्ट किया जाएगा जिससे रोड पर जाम की समस्या से निजात मिल सके आमतौर पर रोड पर जाम की समस्या ठेला खोमचा से ही होता है नगर आयुक्त ने कहा कि जिन ठेला खोमचा वालो दुकानों में शिफ्ट किया जायेगा उनको बार कोट उपलब्ध करवाया जायेगा जिससे समय समय पर जांच किया जाएगा जांच के दौरान कोई अवैध तरीके से दुकान लगाए हुए पाया जायेगा तो उनके खिलाफ कार्यवाही किया जाएगा।

संविधान, लोकतंत्र, सांप्रदायिक सौहार्द, आजादी गंभीर खतरे में है : अमेरिका सिंह यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ब्रांच कमेटी सिहोरी की बैठक स्थानीय कैंप कार्यालय पर संपन्न हुई।इसे सम्बोधित करते हुए पार्टी राज्य कार्यकारिणी सदस्य कामरेड अमेरिका सिंह यादव ने कहा कि आज संविधान, लोकतंत्र, संप्रदायिक सौहार्द, आजादी आंदोलन कि उच्चतम उपलब्धियां गंभीर खतरे में है। यह संकट वर्तमान सत्ता प्रतिष्ठान की ओर से है। संविधान के मूल ढांचे पर चोट किया जा रहा है। कल्याणकारी राज्य की अवधारणा की अवहेलना की जा रही है। असहमति के स्वर को कुचला जा रहा है। जनता की गाढ़ी कमाई से बने खजाना को अडानी और उनके सरीखे पूंजीपतियों को दृढ़ता के साथ सौपा जा रहा है। किसान, मजदूर, छात्र, नौजवान तबाह हो रहे है।महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, देश के सर्व विकास पर संसद में सत्तपाक्ष द्वारा चर्चा ही नहीं होने दी जा रही है।प्रतिपक्ष की आवाज को बंद करने के लिए साम, दाम, दंड का सहारा लिया जा रहा है। ईडी, सीबीआई को तो पूछना ही नहीं। सरकार एकदम से तानाशाही के रास्ते पर चल रही है। सत्ता मे बने रहने के लिए लगातार विभाजनकारी नीति का प्रयोग किया जा रहा है।ऐसी सरकार को सत्ता से बेदखल करना समय का तकाजा है। भाकपा राष्ट्रीय पैमाने पर 14अप्रिल से 15 मई तक पदयात्रा एवं जनसभा का कार्यक्रम करेगी। इसकी व्यापक तैयारी करना होगा। बैठक मे ब्लॉक मंत्री बच्चेलाल ने संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्तर पर जनता का उत्पीड़न हो रहा है। इससे पार पाने के लिए जनता की व्यापक लाम बंदी आवश्यक है। इसमें ब्रांचमंत्री राजेंद्र खरवार,कन्हैया गोंड, जुम्मादीन, रजनीश कुमार भारती, समसुद्दीन, पारस राम, विशुनूनारायण, आदि ने अपना विचार प्रगट किया। बैठक ने नंदगंज सिहोरी शुगर मिल चालू करने की जोरदार मांग सरकार से किया।

भारत विकास परिषद सत्यम शाखा का 27वां दायित्व ग्रहण समारोह का हुआ आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारत विकास परिषद् सत्यम् का 27वाँ दायित्व ग्रहण समारोह ककरमत्ता स्थित होटल द एलीगेन्स के प्रांगण में सम्पन्न हुआ` समारोह की मुख्य अतिथि डा. मानुषी श्रीवास्तव रही दीप प्रज्जवलन व भारत माता एवं स्वामी विवेकानन्द के चित्रों पर पुष्प अर्पण के पश्चात सभा आरम्भ हुई इस अवसर पर आयुषी जैन व हृदया जैन ने गणेश वंदना प्रस्तुत की सत्रः 22-23 के कर्मठ सचिव सचिन अग्रवाल ने सत्र पर्यन्त सम्पन्न हुई शाखा की गतिविधियों की रिपोर्ट सदन के सम्मुख प्रस्तुत की व सभी सदस्यों को रिपोर्ट पुस्तिका वितरीत की` सत्र 22-23 की महिला संयोजिका मोना मेहरोत्रा ने सभी सदस्यों को विशेष रूप से महिला सदस्यों को उनके सहयोग हेतु धन्यवाद दिया सत्रः 22-23 के अध्यक्ष विष्णु सेठ ने सदस्यों को सत्र पर्यन्त उनके सक्रिय सहयोग के लिए धन्यवाद दिया इस अवसर पर अध्यक्ष विष्णु सेठ ने सक्रिय सदस्यों को वर्ष पर्यन्त उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु पुरस्कृत किया इस अवसर पर सत्यम् परिवार में शामिल 25 नये सदस्यों को प्रान्तीय महासचिव रवि प्रकाश जायसवाल ने परिषद् की शपथ दिलाई नये सदस्यों का परिचय अंशुमान बरनवाल ने कराया राष्ट्रीय दायित्वधारी ब्रम्हानंद पेशवानी ने भारत विकास परिषद् का परिचय कराया प्रान्तीय अध्यक्ष प्रवीण पटेल ने सत्रः 2023-24 के लिए निर्वाचित अध्यक्ष किशन चन्द पेशवानी, महिला संयोजिका सारिका बरनवाल,सचिव ऋतु बरनवाल व कोषाध्यक्ष संजीव कपूर को पद की शपथ दिलाई अध्यक्ष किशन पेशवानी ने सदस्यों को धन्यवाद देते हुए सक्रिय सहभागिता का अनुरोध किया सचिव ऋतु बरनवाल ने शाखा के प्रस्तावित कार्यक्रमों के बारे में सदस्यों को बताया मुख्य अतिथि का परिचय ए.डी. सिंह ने दिया अपने ओजस्वी उद्बोधन में मुख्य अतिथि ने महिलाओं की समाज में भूमिका पर मार्गदर्शित करते हुए कहा कि सम्पर्क व सहयोग समाज की विभिन्न इकाईयों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास में से एक महत्वपूर्ण इकाई है जो महिलाओं के विकास को सुनिश्चित करती है उन्होने कहा कि शिक्षा, समानता, रोजगार ये तीनों महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अति महत्वपूर्ण है जिससे वे शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा के क्षेत्र में कार्य करते हुए आत्मनिर्भर हो सकती हैं महिलाओं की गतिशीलता व निर्णय लेने की शक्ति उनके सम्पूर्ण विकास हेतु नितान्त आवश्यक है। परिवार व समाज को महिलाओं को किसी भी आघात को सहन करने व निर्णय लेने की शक्ति हेतु सेरक्षण प्रदान करना चाहिए जिससे वे स्वाबलम्बी बन सके समाज परिवार विशेष रूप से पति द्वारा सहयोग महिलाओं हेतु बहुत आवश्यक है अध्यक्ष किशन पेशवानी ने सत्र 2023-24 के पदाधिकारियों को एवं मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया` कार्यक्रम का कुशल संचालन नीति कपूर एवं हरीश थावानी ने किया इस विशिष्ट सभा का अति सुन्दर संयोजन अजीत मेहरोत्रा व अंशुमान बरनवाल ने किया धन्यवाद प्रकाश संजीव कपूर ने दिया` इस अवसर पर ब्रम्हानंद पेशवानी, प्रवीण पटेल, सुनिल सिन्हा, रवि प्रकाश जायसवाल, सुप्रिया झरिया, परिषद् जगत की विभिन्न सम्मानित विभूतियां, शहर के प्रतिष्ठित समाचार पत्रों के प्रतिनिधि, इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि, सत्यम् परिवार के सक्रिया सदस्यों व भाभियों ने सहभागिता की।

आजमगढ़ और जौनपुर का कुख्यात बदमाश पिस्तौल के साथ गिरफ्तार

प्रखर खेतासराय जौनपुर। पड़ोसी जनपद आजमगढ़ और जौनपुर जर्रायम का कुख्यात बदमाश सोमवार को डोभी रेलवे क्रॉसिंग से चेकिंग के दौरान हत्थे चढ़ गया । तलाशी में उसके पास से एक अवैध तमंचा बरामद हुआ है । उस पर लूट, चोरी, गैंगेस्टर समेत एक दर्जन से अधिक संगीन मामले दर्ज है । वह खेतासराय थाने का हिस्ट्रीशीटर भी बताया जाता है । अपर पुलिस अधीक्षक नगर बृजेश गौतम के देख रेख में अपराध के खिलाफ पुलिस अभियान चला रखी है । एसओ यजुवेन्द्र सिंह के अनुसार वह मह हमराह पुलिस टीम के साथ गश्त पर थे । मुखबिर से मिली सूचना पर सोमवार को करीब 9 बजे प्रातः उक्त स्थान पर चेकिंग कर रहे थे । इस दौरान एक संदिग्ध युवक आता दिखाई दिया । घेरा बंदी कर उसे पकड़ लिया । तलाशी में उसके पास से एक अवैध असलहा 315 बोर का मय कारतूस बरामद किया । उसकी पहचान थाना क्षेत्र के पोरईखुर्द नरवा निवासी के रूप में पहचान हुई । पुलिस ने बताया कि वह बहुत ही शातिर अपराधी है । उसे आजमगढ़ और जौनपुर में अलग अलग थानों की पुलिस को तलाश थी । सम्बंधित धाराओं में बदमाश का चालान न्यायालय भेज दिया । गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष यजुर्वेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक हरिशंकर यादव, हेड कांस्टेबल संजय कुमार पांडेय, योगेश यादव समेत अन्य लोग शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

पिंडरा विकास खण्ड के दो दर्जन विद्यालयों के शिक्षकों ने निकाली रैली

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के दो दर्जन परिषदीय विद्यालयों में सोमवार को स्कूल चलो अभियान के तहत जनजागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें छात्रों के साथ शिक्षकों व अभिभावक भी रहे। परिषदीय विद्यालयों के अप्रैल से नए सत्र के शुभारंभ के साथ स्मार्ट क्लास होने व योग्य शिक्षको द्वारा शिक्षा पर जोर देने तथा स्कूलों में नामांकन कराने के लिए शिक्षको व छात्रों ने गावो के पगडंडियों को नापा और अभिभावकों को जागरूक किया। इस दौरान शिक्षकों ने बेसिक शिक्षा द्वारा मिलने वाली सुविधाओं के बाबत पम्पलेट भी बांटा। क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय जमापुर , मंगारी प्रथम, नामापुर, असिला, पतिराजपुर, मानी, चुप्पेपुर, अमौत, सिंधोरा प्रथम, सरायशेखलार्ड, राजपुर, कृष्णापुर कला तथा कम्पोजिट विद्यालय हिवरनपुर, नवलपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय बरबसपुर, सैरागोपालपुर व रमईपट्टी के छात्रों व शिक्षकों द्वारा रैली निकाली गई। इसके पूर्व जनप्रतिनिधियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस दौरान प्रधानाध्यापक प्रवीण राय, अजय राय, क्षितिज दीक्षित, श्यामबहादुर, अनिल दूबे, विनोद कश्यप, फौजदार यादव,सतीश राय, अर्जुन राम समेत अनेक प्रधानाध्यापक व शिक्षक रहे। वही बीईओ देवी प्रसाद दुबे ने सभी शिक्षकों से रैली निकालने के साथ नामांकन पर जोर देने का आह्वान किया।

ग्रामीण क्षेत्र में इतिहास रच रहा है इंटर कालेज

प्रखर पिंडरा वाराणसी। एक तरफ कुछ स्कूल नए सत्र की तैयारी करने जुटे हुए और नामांकन के इंतजार कर रहे हैं वही दूसरी तरफ पिंडरा स्थित नेशनल इंटर कालेज कक्षाएं चलने के साथ एडमिशन लेने की होड़ लगी हुई है। अब तक दर्जनो अधिकारी, चिकित्सक व इंजीनियर निकल चुके हैं। क्षेत्र में उक्त एडेड विद्यालय लोगों के अभिभावकों के विश्वास व शिक्षको के बेहतर शिक्षा देने के सवार्गीण विकास करने की क्षमता रखने वाले इस इंटर कालेज में छात्रों की संख्या 2 हजार से ऊपर है। एडमिशन के लिए टेस्ट होते हैं। इस बार भी कक्षा 9 व 11 में प्रवेश के लिए क्रमशः 10 व 12 अप्रैल को प्रवेश परीक्षा होनी है। एक सीट के लिए 4 दावेदार होने से शिक्षक भी परेशान है। विद्यालय में गरीब छात्रों के लिए कई सुबिधाये भी देता है । जिसमे गणवेश के साथ किताबे निशुल्क दी जाती है। इस बाबत प्राचार्य रामाश्रय सिंह ने कहाकि यह शिक्षा का केंद्र होने के साथ बच्चो के सर्वांगीण विकास करता है। उनके अंदर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के लिए अलग से कक्षाएं चलने के मोटिवेशनल कक्षाएं भी चलती है। अब तक सैकड़ो लोग ऊंचे पदों पर आसीन होकर देश की सेवा कर रहे हैं।

मंडुवाडीह थानाध्यक्ष ने प्लेटलेट्स किया दान

प्रखर वाराणसी। मंडुवाडीह थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने रविवार को एक जरूरतमंद को प्लेटलेट्स दान करके मानवता की मिशाल पेश की। दरअसल सोशल मीडिया के माध्यम से थाना प्रभारी मंडुवाडीह को जानकारी मिली थी की महमूरगंज स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती आजमगढ़ के देवगांव निवासी मरीज का प्लेटलेट्स 10 हजार पहुंच गया है। प्लेटलेट्स की तत्काल सख्त जरूरत है ऐसी अपील की गई थी , इस अपील पर मरीज और अस्पताल का पता लगाकर मंडुवाडीह थाना प्रभारी पहुंचे और प्लेटलेट्स दान किया।

मुख्यमंत्री ने सदाबृक्ष राज के निधन पर पत्र के माध्यम से शोक व्यक्त की

प्रखर गोरखपुर। पीपीगंज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामूघाट निवासी देवेंद्र राज को उनके पिता सदाबृक्ष राज के निधन होने पर पत्र के माध्यम से शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा गुरु गोरखनाथ दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। आप सभी को दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। समाजसेवी सदाबृज राज के निधन पर योगी सेवक अमित सिंह मोनू, वरिष्ठ हिंदू नेता मधुसूदन मिश्रा, महेंद्र मिश्रा, मृत्युंजय सिंह, मुकुल मिश्रा, अवधेश मिश्रा, परमेश्वरी सिंह, संदीप जयसवाल, राजकुमार निषाद, श्याम कुमार वर्मा, विरेंद्र मद्धेशिया, डीजे शंकर यादव, डॉ दीपक सिंह, सतीश पाठक, कमलेश, शेष मणि त्रिपाठी, राकेश चौधरी, जगदंबा अग्रहरि, वंदना अग्रहरि, अनिल अग्रहरि व क्षेत्र के समाजसेवी व्यक्तियों द्वारा सदाबृक्ष राज के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त किया।

द पाठशाला में धूमधाम से हुआ दीक्षान्त समारोह का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। शिवपुर क्षेत्र में तरना स्थित द पाठशाला में द्वितीय सत्र (2022-23) का 3अप्रैल सोमवार को दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया गया` समारोह के मुख्य अतिथि चाइल्ड इण्डिया के निदेशक शिक्षाविद श्री एन० मुरलीधरन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया मुख्य अतिथि महोदय ने अपने उदबोधन में द पाठशाला के कियाविधि की प्रशंसा की व विद्यालय के भविष्य के योजनाओ पर भी प्रकाश डाला` समारोह में शैक्षणिक सत्र 2022 -2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय के 121 बच्चों को मेडल व प्रशस्ती पत्र प्रदान किया गया प्रथम पुरस्कार ईश सिंह, हर्ष यादव, यशिका पाण्डेय, इशिता गुप्ता, श्याम दयाल, आराध्या गुप्ता, भूमि सिंह, आंचल पाण्डेय, विशाल कुमावत, खुशबू कुमावत व अंश सिंह ने प्राप्त किया` कार्यक्रम के दौरान ब्रेन जिम का भी प्रदर्शन किया गया जिसमें आंखों पर पट्टी बान्धकर बन्द आंखों से पढ़ना व पहचानने की कला का प्रदर्शन हुआ ` ब्रेन जिम के ट्रेनर ऐशवर्य त्रिपाठी ने बताया कि यह एक जापानी कला है पूर्णतया वैज्ञानिक है जिसमें मिड ब्रेन को एक्टिवेट करके ज्ञानेन्द्रियों को सक्रिय किया जाता है इससे बच्चों के अंदर बहु आयामी सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलते हैं कार्यक्रम का संचालन दीक्षा उपाध्याय व प्रीती सिंह ने किया।

गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर विश्वनाथ तिवारी जी को पद्म विभूषण पुरस्कार मिलने पर लिटरेरी क्लब द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया

प्रखर गोरखपुर। प्रोफेसर विश्वनाथ तिवारी जी को साहित्य में विशेष योगदान देने हेतु भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण मिलने से पूरे पूर्वांचल को एक और गौरव प्राप्त हुआ।इस गौरवशाली इतिहास और क्षण को प्रबुद्ध जनों ने जन जन तक पुहुचाने हेतु सम्मान समारोह शिशु विद्या मंदिर आर्यनगर में आयोजित किया ,जिसकी अध्यक्षता राज्य सभा सांसद। डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने किया और आयोजन डॉ हर्षवर्धन ने किया और संचालन डॉ चारु शीला सिंह ने किया तथा आतिथ्य स्वागत आकृति विद्या ने किया। इस कार्यक्रम में बिजनेस हेड एस के शुक्ल को भी शामिल होना था लेकिन व्यापार के व्यस्ततायो के कारण शामिल नहीं हो पाए उन्होंने अपनी शुभकामना दिया और कहा की निसंदेह प्रोफेसर साहब के जीवन से बहुत कुछ आज के युवा पीढ़ी को सीखने की जरूरत है, कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रबंधक प्रशासन एवं जनसंपर्क डॉ सुनील कुमार मिश्रा शामिल हुए और उन्होंने प्रोफेसर सर को स्मृति चिन्ह भेंटकर आशीर्वाद लिया।मौके पर बुंदेलखंड विश्विद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ सुरेश दुबे जी भी मंचासीन रहे और उनसे भी आशीर्वाद लिया। डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने कहा की सच में प्रोफेसर सर का जीवन आत्मसात करने योग्य है।

एक सर्वेक्षण में दावा

प्रतिबंध के बावजूद तंबाकू दुकानों पर आसानी से उपलब्ध हैं ई-सिगरेट

नई दिल्ली (भाषा)। तंबाकू की दुकानों पर ई-सिगरेट आसानी से उपलब्ध हैं और उम्र के सत्यापन के बगैर ही उन्हें किसी को भी बेच दिया जाता है। एक संयुक्त सर्वेक्षण में यह दावा किया गया है। इस सर्वेक्षण का निष्कर्ष केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ साझा किया गया है। असम, गोवा, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और दिल्ली में यह सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि जब ई-सिगरेट के लिए ऑनलाइन (ई-वाणिज्य, वेबसाइट, व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम, फेसबुक एवं अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से) ऑर्डर किया जाता है तो दो-तीन दिनों में इसे पहुंचा दिया जाता है और यह बिक्री उम्र के सत्यापन के बिना की जाती है।

इस सर्वेक्षण के अनुसार, ज्यादातर विक्रेताओं को यह पता नहीं है कि ई-सिगरेट पर कानूनन पाबंदी है, ऐसे में ई-सिगरेट खुलेआम बेची जाती है तथा ज्यादातर ई-सिगरेट का उत्पादन चीन में किया जाता है। वोलंटरी हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया, वॉयस, नड्डा इंडिया, नेशनल लॉ स्कूल यूनिवर्सिटी इंडिया, बेंगलुरू तथा कर्नाटक नो फोर टोबैको ने यह सर्वेक्षण किया है। इस सर्वेक्षण के अनुसार 2019 में सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद तंबाकू की दुकानों पर ई-सिगरेट आसानी से उपलब्ध हैं और 18 साल से कम उम्र के बच्चे भी इसे आसानी से खरीद सकते हैं। यह सर्वेक्षण ऑनलाइन और ऑफलाइन किया गया है। सर्वेक्षण के दौरान पाया गया है कि शिक्षण संस्थानों के समीप तंबाकू दुकानों पर ई-सिगेरट उपलब्ध हैं और कुछ दुकानदार न केवल ऐसे उत्पाद बेचते हैं, बल्कि मांग के आधार पर घर तक भी पहुंचा देते हैं। वोलंटरी हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया की मुख्य कार्यकारी भावना मुखोपाध्याय ने कहा कि बच्चों को हानिकारक व्यसन से बचाने के लिए ई-सिगरेट पर पाबंदी लगायी गयी है, लेकिन यह पाबंदी ढीली है, फलस्वरूप सस्ती एवं बिना ब्रांड वाली सिगरेट बाजार में भारी मात्रा में उपलब्ध है, ऐसे में केंद्र एवं राज्य स्तर पर समन्वित प्रयास की जरूरत है, ताकि यह पाबंदी प्रभावी हो सके।

कलिम्पोंग के प्रसिद्ध 'डल्ले खुर्सानी' की फसल को मोरों के कारण खतरा

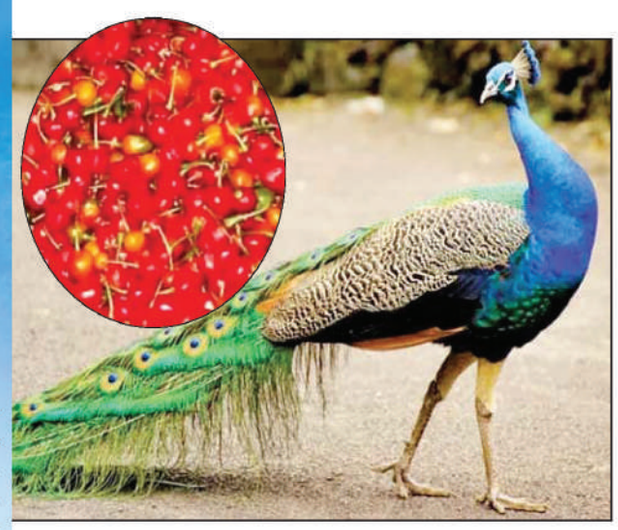

कलिम्पोंग (पश्चिम बंगाल) (भाषा)। धन बहादुर तमांग दोपहर का भोजन कर रहा था, तभी उसे मोरों की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद वह खाना छोड़कर गुलेल और कुछ कंकड़-पत्थर लेकर पहाड़ियों में अपने खेतों की ओर तुरंत दौड़ा, ताकि वह अपनी 'डल्ले खुर्सानी' की फसल को इन पक्षियों से बचा सके। तमांग कलिम्पोंग जिले के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले उन सैकड़ों किसानों में से एक हैं, जिन्हें मोर से अपनी फसलों की रक्षा भी करनी है, लेकिन यह भी ध्यान रखना है कि वे इस दौरान राष्ट्रीय पक्षी को कोई नुकसान न पहुंचा दें, जिसे कानून के तहत सुरक्षा प्राप्त है।

मिर्च की एक किस्म है 'डल्ले खुर्सानी' : 'डल्ले खुर्सानी' पहाड़ियों में उगाई जाने वाली मिर्च की एक किस्म है और यह सबसे तीखी मिर्च में से एक मानी जाती है, लेकिन स्थानीय लोगों को डर है कि मोरों के कारण इस फसल पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। कई रसोइयों के पंसदीदा मसाले 'डल्ले खुर्सानी' को दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और सिक्किम की पहाड़ियों के लिए दो साल पहले भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग मिला था। 'डल्ले खुर्सानी' 500 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव से बिक जाती है और इसलिए यह किसानों की पसंदीदा फसल है।

तमांग ने अपने खेत से मोर पक्षियों को हटाने के बाद कहा, जब कोई मोर किसी खेत में आता है, तो यह काफी नुकसान पहुंचा देता है। वह खाता कम है, लेकिन फसलों को नष्ट बहुत करता है। रंगुल गांव में तमांग की पड़ोसी और किसान माया योनजोन ने कहा, मोरों का खौफ इतना है कि कई लोगों ने इस पक्षी की पसंदीदा फसलों दलहन और 'डल्ले खुर्सानी' की खेती करना ही बंद कर दिया है। योनजोन ने कहा, हम में से कई लोग बौद्ध धर्म के अनुयाई हैं। हम मासूम जानवरों एवं पक्षियों को नहीं मारते। यह राष्ट्रीय पक्षी है और इसे मारना गैर कानूनी है। इसके अलावा अंधविश्वास के चलते भी लोग ऐसा करने से बचते हैं।

योनजोन ने कहा, हमारे इलाके में एक व्यक्ति ने एक बार एक मोर को मार डाला था। उसके बाद, वह लकवाग्रस्त हो गया और दयनीय जीवन व्यतीत करने को मजबूर हो गया। हमारा मानना है कि मोर को मारना अशुभ होता है। कलिम्पोंग के संभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) चित्रक भट्टाचार्य ने कहा, इन हिस्सों में लोग आमतौर पर मोर को मारते नहीं हैं। फिर भी, हम जागरूकता अभियान चलाते हैं और लोगों से उन्हें नहीं मारने का आग्रह करते हैं। वन अधिकारी ने कहा कि विभाग हाथियों, तेंदुओं और सांड जैसे बड़े जानवरों से होने वाले नुकसान की भरपाई करता है, लेकिन पक्षियों की वजह से हुए नुकसान की भरपाई का प्रावधान नहीं है।

यूपी के जूलॉजी के प्रोफेसर चला रहे कल्पवृक्ष बचाने का अभियान

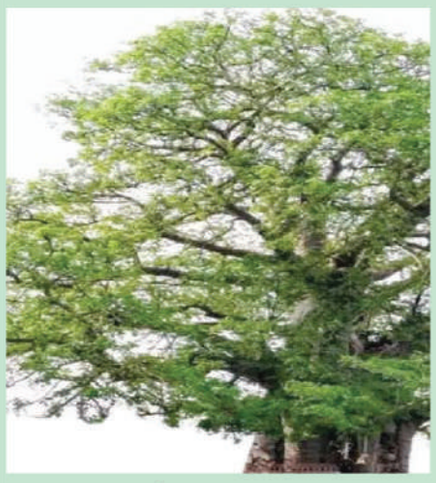

गोरखपुर (आईएएनएस)। प्रोफेसर डीके सिंह, शैक्षिक जगत में एक जाना-माना नाम है। वे गोरखपुर विश्वविद्यालय में जूलॉजी यानी जीव विज्ञान पढ़ाते थे, लेकिन उनका मन पेड़-पौधों में ही रमा रहा। आज वे पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाने में जुटे हैं। उनकी यह रुचि वैज्ञानिक जानकारियों पर आधारित है। जूलॉजी विभाग में रहते हुए उन्होंने 40-45 पौधों की उपयोगिता को केंद्र में रखकर काम शुरू किया। अब रिटायर होने के बाद वे इसी काम को आगे बढ़ा रहे हैं।

प्रोफेसर डीके सिंह के अनुसार अब तक वह लोगों को 17,200 पौधे निःशुल्क वितरित कर चुके हैं। इनमें पारिजात, रुद्राक्ष, कपूर, पीपल, अशोक, मौलश्री, नीम, आम, जामुन, दालचीनी बाना और ची जैसे दीर्घजीवी और औषधीय प्रजाति के पौधे शामिल हैं। उनका सर्वाधिक ध्यान कल्पवृक्ष को बढ़ावा देने पर है। मान्यता है कि यह समुद्र मंथन से निकले 9 रत्नों में से एक है। परिपक्व होने पर यह विशालकाय पेड़ बन जाता है, ज्यादा ऑक्सीजन देता है। अब तक वे 300 से अधिक कल्पवृक्ष के पौधे वितरित कर चुके हैं। उनके इस अभियान की खासियत है कि वे सिर्फ पौधे देते नहीं हैं, बल्कि इनके नियमित खोज खबर भी लेते रहते हैं।

कृषि विज्ञानिकों की मानें तो कल्पवृक्ष की उम्र एक कल्प मानी जाती है। सबसे पुराना कल्पवृक्ष अफ्रीका के सेनेगल में स्थित है, जिसकी उम्र 6000 वर्ष है। भारतवर्ष में सबसे पुराना कल्पवृक्ष बाराबंकी, उत्तर प्रदेश में है जिसकी उम्र करीब 4000 वर्ष है। कल्पवृक्ष की ऊंचाई 100 से 150 फीट होती है। तने की चौड़ाई 25 से 35 फीट तक होती है। कल्पवृक्ष की जड़, तना, पत्ती, पुष्प, छाल और फल औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। इसमें प्रचुर मात्रा में विटामिन सी, कैल्शियम, पौष्टिक तत्व और मिनरल्स पाए जाते हैं। पत्तियों,फल, छाल, बीज का दमा, हृदय रोग, मलेरिया, चर्म रोग के इलाज में प्रयोग होता है। नौ आवश्यक अमीनो एसिड में से छह इसके फल में पाये जाते हैं। इसकी पत्तियों को सब्जियों में, आटे में गूथ कर रोटी बनाने और शरबत के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। वर्तमान में, यह विश्व के 10 विलुप्त होने वाले वृक्षों की श्रेणी में आता है। सनातन, जैन, बौद्ध, और सिख धर्म में इस वृक्ष का बहुत महत्व है।

आशिकाना 3 में खुशी दुबे ने एक ही टेक में शूट किया एक्शन सीन

मुंबई (आईएएनएस)। खुशी दुबे कई लोकप्रिय टीवी शो जैसे नागिन, कैसा ये प्यार है, बा बहू और बेबी, कसम से आदि का हिस्सा रही हैं और वर्तमान में वह आशिकाना 3 में चिक्की के किरदार में नजर आ रही हैं। शो में उन्होंने सिर्फ एक टेक में एक्शन सीक्वेंस पूरा किया। इसको लेकर एक्ट्रेस ने अपने उत्साह को साझा किया : नकाबपोश के साथ मेरी लड़ाई के सीक्वेंस के लिए, एक ओर सिद्धार्थ (सिद्धार्थ कार्णिक) और यश (जेन मलिक) मुझे ढूंढते है और दूसरी ओर मेरा सामना मास्कमैन से होता है। मैंने एक बार रिहर्सल किया, और एक टेक में मैंने इस एक्शन सीन को पूरा कर लिया। यह बहुत हैरान करने वाला था।

मिर्जापुर : भारतीय मानक भूमध्य रेखा 'सेल्फी प्वाइंट' बना आकर्षण का केंद्र

मिर्जापुर (उप्र) (भाषा)। मिर्जापुर जिले में भारतीय मानक भूमध्य रेखा के गुजरने वाले स्थान पर जिला प्रशासन ने 'सेल्फी प्वाइंट' विकसित किया है। यह स्थान लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गया है। जिला मुख्यालय से लगभग आठ किलोमीटर दूर विंध्याचल में उत्साही लोगों की भीड़ रोजाना इस सेल्फी प्वाइंट पर पहुंचती है। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने रविवार को बताया कि यह स्थान मिर्जापुर के निवासियों में गर्व की भावना पैदा करता है।

उन्होंने कहा, हमने उस स्थान पर एक सेल्फी प्वाइंट बनाया है जहां से भारतीय मानक भूमध्य रेखा गुजरती है। यह वास्तव में मिर्जापुर के निवासियों के लिए गर्व और सम्मान की बात है।

जिलाधिकारी ने कहा, स्थानीय लोगों, विशेष रूप से युवाओं को इस सेल्फी प्वाइंट के महत्व के बारे में जानने पर गर्व महसूस होता है। हमें उम्मीद है कि सेल्फी प्वाइंट आने वाले दिनों में और अधिक लोकप्रिय होगा।

केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने इसी साल मार्च में इस सेल्फी प्वाइंट का उद्घाटन किया था। इस पर लगे बोर्ड पर लिखा है, भारतीय मानक समय (आईएसटी) भारत का आधिकारिक समय क्षेत्र है। यह भारतीय मानक मेरिडियन पर आधारित है जो 82 डिग्री 30ठ (82 डिग्री 30 मिनट) पूर्व का संदर्भ देशांतर है। भूमध्य रेखा मिर्जापुर जिले से होकर गुजरती है।

राघव चड्ढा, परिणीति मुंबई एयरपोर्ट पर हुए स्पॉट

मुंबई (आईएएनएस)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा को शनिवार की देर रात एक साथ मुंबई एयरपोर्ट से बाहर निकलते देखा गया। दोनों कैमरों की ओर देखकर मुस्कुराते हुए अपनी कार की ओर आगे बढ़ गए। इस दौरान परिणीति ने ब्लू जींस, ब्लैक हाई-नेक टी-शर्ट और ओवरसाइज जैकेट पहनी हुई थी। वहीं राघव ने ब्लू डेनिम के साथ लाइट ब्राउन शर्ट पहना था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, परिणीति और राघव एक-दूसरे से यूके में यूनिवर्सिटी के दिनों में मिले थे और दोनों सालों से अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने अभी तक अपने रिश्ते और शादी के बारे में अफवाहों की पुष्टि या खंडन नहीं किया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, परिणीति अगली बार इम्तियाज अली की चमकीला में दिखाई देंगी। दिलजीत दोसांझ अभिनीत यह फिल्म दो पंजाबी सिंगर्स अमरजोत कौर और अमर सिंह चमकिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी 1988 में हत्या कर दी गई थी।

भोला ने तीन दिन में कमाए 30.7 करोड़

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड स्टार अजय देवगन की हालिया रिलीज फिल्म भोला ने केवल तीन दिनों में 30.70 करोड़ रुपए की कमाई की है। फिल्म 30 मार्च को रिलीज हुई थी। फिल्म में तब्बू और दीपक डोबरियाल भी हैं। एक बयान के अनुसार, फिल्म ने गुरुवार को 11.20 करोड़ रुपए की कमाई की। शुक्रवार को 7.40 करोड़ और शनिवार को 12.10 करोड़ रुपए कमाए। इस तरह कुल 30.70 करोड़ की कमाई की। अजय की भोला मूवी को देखने के लिए शनिवार को दर्शकों की तादाद काफी बढ़ गई।

बयान में कहा गया कि फिल्म ने शनिवार को 12.10 करोड़ की कमाई की और तीन दिनों में कुल 30.70 करोड़ की कमाई की। अजय देवगन द्वारा

निर्देशित भोला 2019 की तमिल फिल्म कैथी की रीमेक है। फिल्म में तब्बू, दीपक डोबरियाल, संजय मिश्रा, गजराज राव और विनीत कुमार के साथ मुख्य भूमिका में अजय देवगन हैं। यह फिल्म एक पूर्व-अपराधी का अनुसरण करती है, जो दस साल जेल में रहने के बाद अपनी बेटी से मिलने की कोशिश करता है। इस बीच वह अपराधियों से लड़ता है।

कार्तिक के साथ फिर काम करना चाहती हैं सारा

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान, कार्तिक आर्यन के साथ फिर से काम करना चाहती है। सारा अली खान ने कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म 'लव आज कल 2' में काम किया है। कार्तिक आर्यन'आशिकी 3' में काम करने जा रहे हैं। 'आशिकी 3' के लिए अभी तक कोई फीमेल लीड फाइनल नहीं हुई है। सारा ने फिल्म 'आशिकी 3' में काम करने की इच्छा जताई है। सारा ने कहा, मुझे अभी तक 'आशिकी 3' ऑफर नहीं की गई है, लेकिन मुझे अच्छा लगेगा यदि मुझे फिल्म ऑफर की जाती है तो हां, यकीनन। बताया जा रहा है कि 'आशिकी 3' के मेकर्स सारा के साथ बातचीत कर रहे हैं। यदि सब कुछ सही रहा तो कार्तिक और सारा की जोड़ी आशिकी 3 में नजर आ सकती है।

रश्मिका और आलिया ने नाटु नाटु पर किया डांस

मुंबई (आईएएनएस)। साउथ इंडस्ट्री की एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना और बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने फिल्म आरआरआर के ऑस्कर विजेता ट्रैक नाटु नाटु पर एक साथ डांस किया, जिसका एक वीडियो इंटरनेट पर छाया हुआ है। सोशल मीडिया पर एक क्लिप वायरल हो रही है, जिसमें आलिया व्हाइट कलर के आउटफिट में नजर आ रही हैं। वहीं, रश्मिका मंदाना साड़ी में दिखाई दे रही हैं। दोनों स्टेज पर हैं और नाटु नाटु ट्रैक के हिंदी वर्जन पर डांस करने लगती हैं। फेमस हुक स्टेप करने से पहले आलिया रश्मिका को घुमाती है।

आलिया और रमिश्का ने नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर के लॉन्च के मौके पर डांस किया। फिल्म आरआरआर से राम चरण और एनटीआर जूनियर के गाने नाटु नाटु ने 95वें एकेडमिक अवॉर्ड्स में बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग कैटेगिरी में अवॉर्ड जीतकर भारत को गौरवान्वित किया। लेडी गागा, डायने वॉरिन और रिहाना जैसे नामों को पीछे छोड़ते हुए, नाटु नाटु ने टेल इट लाइक अ वुमन के अपलॉज, टॉप गनः मेवरिक के होल्ड माई हैंड, ब्लैक पैंथरः वकंडा फॉरएवर से लिफ्ट मी अप और एवरीथिंग एवरीवेयर ऑल एट वंस से दिस इज ए लाइफ जैसे गानों को मात देकर इतिहास रच दिया।

नाटु नाटु इस साल पहले ही गोल्डन ग्लोब और क्रिटिक्स च्वाइस अवार्ड जीत चुका है। आरआरआर में एनटीआर जूनियर, राम चरण, अजय देवगन, आलिया भट्ट और श्रिया सरन हैं और दो वास्तविक जीवन के भारतीय क्रांतिकारियों, अल्लूरी सीताराम राजू और कोमाराम भीम की काल्पनिक कहानी और ब्रिटिश राज के खिलाफ उनकी लड़ाई बताती है।

अनुपम खेर ने मेट्रो में गाया गाना, शेयर किया वीडियो

नई दिल्ली (आईएएनएस)। अनुभवी अभिनेता अनुपम खेर ने अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो... इन दिनो के लिए एक गाना गाया और कहा कि ये किसी सपने के सच होने जैसा है। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल और फातिमा सना शेख हैं। यह एक एंथोलॉजी फिल्म है जिसमें आधुनिक समय के रिश्तों और उनकी जटिलताओं के बारे में चार अलग-अलग कहानियां हैं। द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर के अभिनेता ने संगीतकार प्रीतम और निर्देशक के साथ अपना रिकॉर्डिंग सत्र खत्म करते हुए सेट से एक वीडियो पोस्ट किया।

उन्होंने वीडियो में शेयर किया कि जिंदगी में कुछ भी मुमकिन है। वीडियो में प्रीतम को गाने की प्रशंसा करते हुए भी देखा गया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, सारे सपने सच होते हैं, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे प्रीतम के संगीत निर्देशन में और अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो... इन दिनों में गाने का मौका मिलेगा। मैं सिर्फ इतना कहता हूं, कुछ भी हो सकता है (कुछ भी संभव है)। उन्होंने प्रीतम और औरग की भी प्रशंसा की और कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें उनके लिए गाने का मौका मिला, प्रीतमदा और अनुरागदा अपने क्षेत्र में प्रतिभाशाली हैं। गाना मेरे लिए गर्व की बात थी, जय हो।

68 वर्षीय अभिनेता बेंड इट लाइक बेकहम, सिल्वर लाइनिंग्स प्लेबुक और अन्य सहित कई अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने उत्सव, कर्मा, तेजाब, खोसला का घोसला, डर्टी पॉलिटिक्स, प्रेम रतन धन पायो, ऊंचाई, द कश्मीर फाइल्स और कुछ अन्य बॉलीवुड फिल्मों में अभिनय किया। नौटंकी, कुछ खट्टा हो जाए, कागज 2, द वैक्सीन वॉर जैसी फिल्में अभी रिलीज होनी बाकी हैं।

काशी दरबार रेस्टोरेंट का मझवा विधायक विनोद बिंद ने किया उद्घाटन

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। क्षेत्र के लतीफपुर हिनौता ग्राम सभा में वाटर पार्क के समीप काशी दरबार रेस्टोरेंट का जनपद के मझवा विधायक डॉ विनोद बिंद ने फीता काटकर उद्घाटन किया, विधायक में कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि अहरौरा के पहाड़ियों से घिरे रमणीक स्थल में दक्षिण भारतीय समेत उत्तर भारतीय व्यंजनों का समावेश करके परोसा जाने वाला एकमात्र काशी दरबार रेस्टोरेंट क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों समेत स्थानीय लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करने का कार्य करेगा ऐसे रेस्टोरेंट के खुल जाने से क्षेत्र में घूमने आने वाले लोगो को उचित दर पर बढ़िया स्वाद का आनंद ले सकेंगे ऐसे रेस्टोरेंट को खुल जाने से क्षेत्र का गौरव भी बढ़ता है। रेस्टोरेंट्स संचालक राजेश जायसवाल व राजकुमार जयसवाल उर्फ राजू ने उपस्थित लोगों का विश्वास दिलाया कि हमारे यहां मिलने वाले व्यंजनों के गुणवत्ता में कभी कमी आने नहीं दी जाएगी 24 घंटे सभी प्रकार के शुद्ध व्यंजन ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेगा। उपस्थित रहने वालों में राजेश सिंह पटेल, मनोज चौरसिया, अनिल कुमार, समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

बिजली के तार से निकली चिंगारी, गेहूं की फसल हुई खाक

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के रानीपुर रजमो गांव में लगभग 12:00 बजे दोपहर में बिजली के तार से निकली चिंगारी से गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई जिसने 4 लोगों का गेहूं जलकर राख हो गया ग्रामीणों के अथक प्रयास से आग पर काबू पाया गया गनीमत रहेगी खेत के बगल में पोखरी थी पोखरी के पानी से ग्रामीणों के अथक प्रयास से आग बुझाई गई। मिली जानकारी के अनुसार गंभीरपुर थाना के पीछे रानीपुर रजमो गांव निवासी इनरमा पत्नी लालचंद,छेदी पुत्र श्यामलाल,लाल चंद पुत्र खुरमुली, बेचू पुत्र श्यामलाल के खेत में बिजली का तार गया हुआ था सोमवार को दोपहर 12:00 बिजली प्रवाहित होते ही बिजली के तार में एक्सपार्किंग होने से निकली चिंगारी से इनरमापत्नी लालचंद के खेत में आग लग गई जब तक ग्रामीण आते 4 लोगों का गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई।

रमजान अल्लाह का मुसलमानों के लिए है तोहफा : कारी जफर मोबिन

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नगर के सत्यानगंज स्थित जामा मस्जिद में रविवार दसवें रोजा को नमाज ए तरावीह में कुरान मुकम्मल हो गया । इस मौके पर मुल्कों मिल्लत की तरक्की के लिए दुआ की गई। जामा मस्जिद के पेश इमाम हाफिज कारी जफर मोबिन ने तरावीह की नमाज अदा कराई। उन्होंने कहा कि इबादत का यह पाक महीना रमजान बेहतर अखलाक और सभी से मोहब्बत का पैगाम देता है । मुसलमानों को इस पर अमल करना चाहिए, रमजान अल्लाह का मुसलमानों के लिए तोहफा है । इसलिए इस महीने में बरकतो और रहमतों की बारिश होती है। हाफिज कारी जफर मोबिन ने कहा कि रोजा सिर्फ भूखे रहने का नाम नहीं है, बल्कि हर तरह की बुराई गुनाह से बचना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि बेहद खुश नसीब है वह मां-बाप जिनके बच्चों ने अल्लाह के कलाम को अपने सीनो में महफूज कर लिया। जन्नत में कुरान पाक हिफ्ज करने वालों का मर्तबा बड़ा ही ऊंचा होगा। इस मौके पर मस्जिद के इमाम जफर मोबिन एवम मोअजजीन जाबिर खान को मस्जिद कमेटी के सदर व सेक्रेटरी हाफिज एजाज खान, मोहम्मद शहजादे ने साफा बांधकर नजराना पेश करते हुए उनका इस्तकबाल किया। उपस्थित रहने वालों में इत्तेहादुल मुस्लिमीन कमेटी के सदर साकिर खान, असलम वकील, हाजी डा निसार खान, इशाक अहमद उर्फ कचालू, डा निसार अंसारी, बचाऊ कुरैशी, छोटू खान,समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

छोटे शेयरों में निवेशकों को उठाना पड़ा बड़ा नुकसान

■ स्मालकैप श्रेणी के शेयरों में आई छह फीसद तक गिरावट ■ ऊंची ब्याज दरों और रूस-यूक्रेन युद्ध का बाजार पर असर

नई दिल्ली (भाषा)।

छोटे शेयरों के लिए वित्त वर्ष 2022-23 बुरा रहा है और इस दौरान 'स्मालकैप' श्रेणी के शेयर, सेंसेक्स के मुकाबले ज्यादा कमजोरी दर्शाते हुए करीब छह प्रतिशत तक टूट गए।

बाजार विश्लेषकों के अनुसार भारतीय शेयर बाजार के लिए यह एक उथल-पुथल भरा साल था। उच्च ब्याज दर, तेज महंगाई और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे कई नकारात्मक कारकों का असर शेयर बाजारों पर हुआ। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध ने भारतीय शेयर बाजार के लिए पहली तिमाही को कठिन बना दिया था। हालांकि, दूसरी और तीसरी तिमाही में कुछ सुधार देखने को मिला। तेज महंगाई, रूस-यूक्रेन युद्ध और उच्च ब्याज दरों जैसे नकारात्मक कारकों ने छोटे शेयरों से निवेशकों को दूर किया। अब तक बीएसई स्मालकैप सूचकांक 1,616.93 अंक या 5.73 प्रतिशत गिर चुका है। वित्त वर्ष 2022-23 में मिडकैप 270.29 अंक या 1.12 प्रतिशत टूटा। इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स में 608.42 अंक या 1.03 प्रतिशत की गिरावट हुई। इक्विटी एडवाइज़र मार्केट्समोजो के मुख्य निवेश अधिकारी सुनील दमानिया ने कहा, 'वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय शेयर बाजार के खराब प्रदर्शन में कई कारकों का योगदान रहा।

इससे पहले 2020-21 और 2021-22 में बाजार का प्रदर्शन उल्लेखनीय रूप से अच्छा था और निफ्टी तथा सेंसेक्स ने दो अंक में प्रतिफल दिया। दो साल अच्छा प्रदर्शन रहने कारण, तीसरे साल कुछ मुनाफावसूली अपरिहार्य है।' उन्होंने कहा कि 2022-23 में हमने रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण विपरीत हालात का सामना किया, जिससे बाजार की धारणा प्रभावित हुई। इसके अलावा दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने मुद्रास्फीति को रोकने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी शुरू कर दी। दमानिया ने कहा, 'हमने पहले भी देखा है कि जब ब्याज दरें बढ़ने लगती है, तो मिडकैप और स्मालकैप कमजोर प्रदर्शन करते है। उधार की उच्च लागत को चुकाने की उनकी क्षमता बड़ी कंपनियों जितनी मजबूत नही होती है।'

रि पो र्ट

1617 अंक तक फिसला है बीएसई का स्मालकैप इंडेक्स

608 अंक की गिरावट में रहा बीएसई का सेंसेक्स

270 अंक तक लुढ़का मिडकैप इंडेक्स

■ बीते दो वर्ष सेंसेक्स और निफ्टी का रहा अच्छा प्रदर्शन
■ विशेषज्ञों ने कहा ब्याज दरें बढ़ने से मिडकैप व स्मालकैप होते हैं कमजोर
■ इसी कारण इस साल हुई मुनाफावसूली

विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र का विनिवेश रोकने की मांग

हैदराबाद (भाषा)।

तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामाराव ने रविवार को केंद्र सरकार को एक खुला पत्र लिखकर आरआईएनएल (विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र) का निजीकरण नहीं करने की मांग की। रामाराव ने केंद्र से इस्पात विनिर्माताओं को 5,000 करोड़ रुपए भी जारी करने का भी आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि हम विनिवेश के केंद्र के कदम का विरोध करते हैं और विनिवेश का विरोध कर रही कर्मचारी यूनियनों का समर्थन करते है। केंद्र सरकार को विजाग इस्पात कारखाने को उसकी जरूरत के अनुरूप 5,000 करोड़ रुपए आवंटित करने चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्रियों पी वी नरसिम्हा राव और अटल बिहारी वाजपेयी के शासन के दौरान संयंत्र को सीधे कोष आवंटन के उदाहरण है।

घरेलू यात्री वाहन उद्योग का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

■ मारुति, हुंडई और टाटा ने बीते वित्त वर्ष में की रिकार्ड थोक बिक्री

नई दिल्ली (भाषा)।

प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनियों- मारुति सुजुकी, हुंडई और टाटा मोटर्स ने वित्त वर्ष 2022-23 में अपनी सर्वश्रेष्ठ घरेलू थोक बिक्री दर्ज की जिसके दम पर घरेलू यात्री वाहन उद्योग ने अब तक का अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया।

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति ने 2022-23 में 19 प्रतिशत वृद्धि के साथ अभी तक की सर्वाधिक 19,66,164 इकाई की बिक्री दर्ज की, जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा 16,52,653 इकाई था। मारुति ने समाप्त वित्त वर्ष में घरेलू बाजार में 17,06,831 इकाइयों की थोक आपूर्ति की जो 2021-22 में 14,14,277 इकाई के आंकड़े से 21 प्रतिशत अधिक है।

हुंडई मोटर इंडिया ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में उसकी कुल बिक्री 7,20,565 इकाई रही, जो 2021-22 के 6,10,760 इकाई से 18 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी के मुताबिक, भारत में परिचालन शुरू करने के बाद उसका एक वित्त वर्ष में यह सर्वाधिक बिक्री आंकड़ा है। कंपनी ने 2022-23 में घरेलू स्तर पर विक्रेताओं को 5,67,546 इकाइयां भेजीं, जो 2021-22 में भेजी गई 4,81,500 इकाइयों से 18 प्रतिशत ज्यादा हैं।

टाटा मोटर्स की वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कुल घरेलू बिक्री 9,31,957 इकाई रही जो वित्त वर्ष 2021-22 के 6,92,554 इकाई की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक है। इस वित्त वर्ष में टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री 3,70,372 इकाई

से 45 प्रतिशत बढकर अभी तक सर्वाधिक 5,38,640 इकाई हो गई। किआ इंडिया ने वित्त वर्ष 2022-23 में 44 प्रतिशत वृद्धि के साथ 2,69,229 इकाइयां बेचीं, जबकि 2021-22 में कंपनी ने 1,86,787 इकाइयां बेची थीं। जनवरी-मार्च, 2023 तिमाही में कंपनी की वाहन उद्योग क्षेत्र में अभी तक की सर्वाधिक 7.4 प्रतिशत हिस्सेदारी रही।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की वित्त वर्ष 2022-23 में थोक बिक्री 41 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,74,015 इकाई रही जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में उसने 1,23,770 इकाइयों की बिक्री की थी। होंडा कार्स इंडिया की 2022-23 में घरेलू बाजार में थोक बिक्री सात प्रतिशत वृद्धि के साथ 91,418 इकाई रही, जबकि 2021-22 में यह 85,609 रही थी। कंपनी ने 2022-23 में 17 प्रतिशत वृद्धि के साथ 22,722 इकाइयां निर्यात कीं, जबकि 2021-22 में यह आंकड़ा 19,401 था।

देश के अग्रणी दोपहिया विनिर्माता हीरो मोटोकार्प ने घरेलू बाजार में वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 51.55 लाख से अधिक इकाइयों की बिक्री की जो एक साल पहले के 46.43 लाख वाहनों की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। हालांकि इस दौरान उसका निर्यात 3.0 लाख वाहन से घटकर 1.72 लाख इकाई ही रहा। टीवीएस मोटर कंपनी ने मार्च में पांच प्रतिशत वृद्धि के साथ 3,07,559 दोपहिया वाहन बेचे।

कृषि गतिविधियों में तेजी से पेट्रोल, डीजल की बिक्री में उछाल

नई दिल्ली (भाषा)।

देश में मार्च में ईंधन की मांग बढ़ी है। रविवार को जारी उद्योग के शुरुआती आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, कृषि गतिविधियों में तेजी से मार्च के पहले पखवाड़े में ईंधन की मांग में आई सुस्ती दूर हो गई।

कृषि क्षेत्र की मजबूत मांग के साथ-साथ ठंड के मौसम की सुस्ती के बाद परिवहन में तेजी से फरवरी में ईंधन की बिक्री उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। लेकिन मार्च के पहले पखवाड़े (15 मार्च तक) में इसमें सुस्ती देखी गई। हालांकि, महीने के दूसरे पखवाड़े में ईंधन की मांग में तेजी आई और फरवरी के उच्च आधार के बावजूद मासिक आधार पर बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार, पेट्रोल की बिक्री पिछले महीने 5.1 प्रतिशत बढ़कर 26.5 लाख टन हो गई। मासिक आधार पर बिक्री 3.4 प्रतिशत बढ़ी है।

देश में सबसे अधिक खपत वाले ईंधन डीजल की मांग मार्च के दौरान 2.1 प्रतिशत बढ़कर 68.1 लाख टन हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में 66.7 लाख टन डीजल की बिक्री हुई थी। मासिक आधार पर मांग में 4.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। पहले पखवाड़े में सालाना आधार पर पेट्रोल की बिक्री में 1.4 प्रतिशत और डीजल की बिक्री में 10.2 प्रतिशत की गिरावट आई थी। मार्च में पेट्रोल की खपत मार्च, 2021 की तुलना में 16.2 प्रतिशत और मार्च, 2020 से लगभग 43 प्रतिशत अधिक रही।

मार्च में बेरोजगारी की दर तीन माह के उच्च स्तर पर

■ आलोच्य माह में बढ़कर 7.8 फीसद पर पहुंची

मुंबई (भाषा)।

आर्थिक निगरानी से जुड़ी संस्था सीएमआईई ने कहा है कि भारत में बेरोजगारी दर मार्च में तीन महीने के उच्चतम स्तर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई। 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग ऑफ इंडियन इकोनामी' (सीएमआईई) के आंकड़ों के अनुसार मार्च में बेरोजगारी दर 7.8 फीसद पर पहुंच गई जो बीते तीन महीनों का उच्चतम स्तर है।

इसके पहले बेरोजगारी दर दिसम्बर, 2022 में 8.30 प्रतिशत हो गई थी, लेकिन जनवरी में यह घटकर 7.14 प्रतिशत पर आ गई थी। लेकिन यह फरवरी में फिर से बढ़कर 7.45 प्रतिशत के आंकड़े पर पहुंच गई। आंकड़ों के अनुसार, मार्च में शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 8.4 प्रतिशत जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 7.5 प्रतिशत रही। सीएमआईई के प्रबंध निदेशक महेश व्यास ने कहा, "देश का मानव संसाधन बाजार की स्थिति मार्च, 2023 में और खराब हो गई। बेरोजगारी दर फरवरी के 7.5 प्रतिशत से बढ़कर मार्च में 7.8 प्रतिशत हो गई।' राज्यों की बात करें तो हरियाणा में सबसे ज्यादा 26.8 प्रतिशत बेरोजगारी रही जबकि 26.4 प्रतिशत के साथ राजस्थान दूसरे स्थान पर रहा। जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी दर 23.1 प्रतिशत, सिक्किम में 20.7 प्रतिशत, बिहार में 17.6 प्रतिशत और झारखंड में 17.5 प्रतिशत है। सबसे कम बेरोजगारी दर उत्तराखंड और छत्तीसगढ में 0.8-0.8 प्रतिशत है, जिसके बाद पुडुचेरी में 1.5 प्रतिशत, गुजरात में 1.8 प्रतिशत, कर्नाटक में 2.3 प्रतिशत और मेघालय व ओडिशा में 2.6-2.6 प्रतिशत रही।

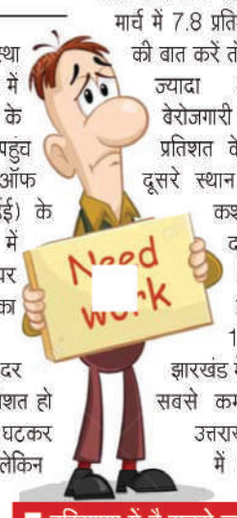

■ हरियाणा में है सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर
■ इस मामले में दूसरे स्थान पर है राजस्थान
■ कश्मीर और बिहार में भी है खूब बेरोजगारी
■ उत्तराखंड व छत्तीसगढ़ की हालत कुछ ठीक

जीएसटी : रद्द पंजीकरण 30 जून तक करा सकेंगे बहाल

नई दिल्ली (भाषा)।

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) रिटर्न नही भरने के कारण जिन कंपनियों का पंजीकरण रद्द हो गया है, उनको सरकार ने इसकी बहाली के लिए मौका दिया है। ऐसी कंपनियां या कारोबार कर, ब्याज और जुर्माना भरने के बाद 30 जून से पहले पंजीकरण बहाल करने के लिए आवेदन कर सकती है।

वित्त मंत्रालय ने केंद्रीय जीएसटी अधिनियम में संशोधन करते हुए कहा है कि जिन कंपनियों का जीएसटी पंजीकरण 31 दिसंबर, 2022 या उससे पहले रद्द हो गया है और यदि वे इसकी बहाली के लिए नियत समय के अंदर आवेदन नहीं कर पाई है, तो अब उनके पास इसके लिए 30 जून, 2023 तक का समय है। हालांकि, यह आवेदन पंजीकरण रद्द होने की तारीख तक बकाया रिटर्न या कोई अन्य बकाया मसलन ब्याज, जुर्माना और विलंब शुल्क भरने के बाद ही किया जा सकेगा।

जम्मू-कश्मीर ने बजट आवंटन की 20% कम रकम इस्तेमाल की : कैग

जम्मू (भाषा)।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान बजट का इस्तेमाल कुल 1.39 लाख करोड़ रुपए के अनुदान और विनियोग की तुलना में 20 प्रतिशत कम था।

रिपोर्ट में सरकार से अपनी बजटीय धारणाओं में 'अधिक यथार्थवादी' होने को कहा है। कैग ने बचत की उम्मीद के बीच संबंधित विभागों द्वारा अनुदान और विनियोग को 'सरेंडर' करने की विफलता की भी आलोचना की है। बचत 28,504.50 करोड़ रुपए रही थी। कैग ने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए केंद्र शासित प्रदेश के वित्त पर अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा, "वित्त वर्ष 2021-22 में व्यय के लिए कुल प्रावधान 1,39,795.19 करोड़ रुपये था।

यूपीआई पेमेंट पर लग सकता है शुल्क

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार यूपीआई भुगतान प्रणाली के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण और इसकी वित्तीय व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के लेनदेन पर 0.3 प्रतिशत एकसमान डिजिटल भुगतान सुविधा शुल्क लगाने पर विचार कर सकती है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-बंबई ने एक अध्ययन में यह सुझाव दिया है।

'चार्जेस फार पीपीआई बेस्ड यूपीआई पेमेंट्स- द डिसेप्शन' शीर्षक से प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि 0.3 प्रतिशत सुविधा शुल्क से 2023-24 में लगभग 5,000 करोड़ रुपए जुटाए जा सकते है। मोबाइल वालेट के माध्यम से होने वाले भुगतान पर विनिमय शुल्क लगाने के भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के फैसले के प्रभावों का विश्लेषण करने वाले अध्ययन में कहा गया है कि दुकानदारों को मिलने वाले भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगना चाहिए, चाहे वह सीधे यूपीआई के जरिए आए या प्रीपेड ई-वालेट के माध्यम से।

■ एक अध्ययन में 0.3% शुल्क लगाने का सुझाव
■ सरकार को मिल सकते हैं ₹5000 करोड़
■ दुकानदारों पर हाल में लगा है 1.1% शुल्क
■ दुकानदारों को मिलने वाले भुगतान पर न लगे कोई शुल्क

एनपीसीआई ने दुकानदारों को यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने पर एक अप्रैल, 2023 से भुगतान राशि का 1.1 प्रतिशत का 'इंटरचार्ज' शुल्क काटने का प्रावधान शुरू किया है। यह प्रीपेड वालेट आधारित यूपीआई लेनदेन पर लागू होगा।

मौजूदा कानून के तहत बैंक या यूपीआई का परिचालन करने वाला कोई प्रदाता प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से यूपीआई के जरिए भुगतान करने या प्राप्त करने वाले व्यक्ति पर शुल्क नहीं लगा सकता। हालांकि, कई मौकों पर बैंक और प्रणाली प्रदाताओं ने यूपीआई कानून की अपनी सुविधा से व्याख्या करने का प्रयास किया है।

जीयनपुर पुलिस द्वारा माफिया ध्रुव सिंह उर्फ कुन्टु सिंह की कुर्क शुदा जमीन का फर्जी व जालसाजी पूर्वक बैनामा कराने वाले एक नफर अभियुक्त व एक नफर अभियुक्ता गिरफ्तार

प्रखर आजमगढ़। जीयनपुर थाना कोतवाली अंतर्गत जीयनपुर पुलिस नेध्रुव सिंह उर्फ कुंटू की कुर्क जमीन को फर्जी तरीके से बैनामा करने वाले एक अभियुक्त व एक अभियुक्ता को गिरफ्त किया गया। माफिया ध्रुव सिंह उर्फ कुन्टू सिंह पुत्र रुद्र प्रताप सिंह निवासी छपरा सुल्तानपुर थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ़ द्वारा वर्ष 2008 में धारा 14 (1) उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट के तहत ग्राम खालिसपुर में कुर्क सम्पत्ति गाटा संख्या 130 क्षेत्रफल 1.027 हे0 व गाटा संख्या 131 क्षेत्रफल .0572 हे0 व गाटा संख्या 132/0.613 हे0 कुल तीन गाटा 2.392 हे0 का 1/3 भाग यानि 0.97-1/2 हे0 को दिनाँक 14.12.2010 को प्रसाशक उप जिलाधिकारी महोदय सगडी के बिना जानकारी व माननीय न्यायालय के आदेश के बिना उक्त भूमि को फर्जी ,जालसाजी पूर्वक श्रीमती शमशाद बेगम पत्नी हसीब अहमद निवासी चाँदपार थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ़ को बैनामा कर दिया व शमशाद बेगम द्वारा उक्त भूमि को मुनिराज को बैनामा कर देना व मुनिराज द्वारा 4 साल अपने पास रखने के बाद पुनः शमशाद बेगम को बिक्रय कर देने के सम्बन्ध में दाखिल किये। दाखिला तहरीर के आधार पर मु0 अ0 सं0 207/2023 धारा 420/467/468/471/409 भादवि बनाम 1.ध्रुव सिंह उर्फ कुन्टू सिंह पुत्र रुद्र प्रताप सिंह निवासी छपरा सुल्तानपुर थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ 2.शमशाद बेगम पत्नी हसीब अहमद निवासी चाँदपार थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ 3. मुनिराज पुत्र शिव पूजन निवासी बहरीपुर थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ़ जिसकी विवेचना उ.नि. शंकर कुमार यादव द्वारा सम्पादित की जा रही है । विवेचना के क्रम में गिरफ्तारी का विवरण आज दिनांक झ 03/04/2023 को श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा वांछित वारण्टी अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये अभियान के क्रम में श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) महोदय के व श्रीमान क्षेत्राधिकारी सगडी महोदय के कुशल निर्देशन मे प्रभारी निरीक्षक यादवेन्द्र पाण्डेय के कुशल नेतृत्व में उ.नि. शंकर कुमार यादव मय हमराह द्वारा मुखबीर खास के सूचना के अधार पर मु0 अ0 सं0 207/2023 धारा 420/467/468/471/409 भादवि से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मुनिराज पुत्र शिव पूजन निवासी बहरीपुर थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ व अभियुक्ता शमशाद बेगम पत्नी हसीब अहमद निवासी चाँदपार थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ़ को कस्बा जीयनपुर सब्जी मण्डी के पास चुनहवां जाने वाले रास्ते के किनारे स्थित गुमटी के पास समय 12.45 बजे गिरफ्तार किया गया । अग्रिम आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। इन पर पंजीकृत अभियोग झ मु0अ0सं0 207/2023 धारा 420/467/468/471/409 भादवि थाना जीयनपुर जनपद-आजमगढ़ ।

तीर्थंकर महावीर त्रयोदशी पर निकली भव्य शोभायात्रा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जीयो और जीने दो एवं अहिंसा का सन्देश देने वाले वर्तमान शासन, अहिंसा के प्रमुख ध्वजवाहक, पंचशील सिद्धांत के प्रवर्तक एवं जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर श्री 1008 भगवान महावीर का 2622वां त्रयोदशी महोत्सव श्री दिगम्बर जैन समाज काशी के तत्वावधान में 3 अप्रैल 2023 सोमवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई भगवान महावीर को चांदी के रथ पर विराजमान कराया गया कंही चैती तो कही सामूहिक भक्ति नृत्य की प्रस्तुती हुई तीर्थंकर महावीर त्रयोदशी की भव्य शोभायात्रा प्रातः 8:30बजे श्री दिगम्बर जैन मन्दिर मैदागिन मंगल ध्वनि एवं पुष्प बर्षा के साथ निकाली गई तीर्थंकर को बड़े रथ पर विराजमान कर रथयात्रा मैदागिन से प्रारम्भ होकर बुलानाला, नीचीबाग, चौक, ठठेरी बाजार होते हुए सोराकुआ पहुंची चैत्र शुक्ल तेरस त्रयोदशी को पडने वाली तीर्थंकर जन्म कल्याणक पर धन-धन चैत की तेरस रामा भये महावीरा व भजनो की प्रस्तुती हुई जिस सुसज्जित विशाल रथ पर अराध्य देव विराजमान थे उसे भक्तगण स्वयं खींच रहे थे रथयात्रा मे राजस्थान से आई भजन मंडली व महिलाओ द्वारा धार्मिक भजन किये जा रहे थे शोभायात्रा में ध्वज पताका, अहिंसा परमो धर्म का बैनर, समाज का बैनर चल रहा था कई बैन्ड पाटीयो द्वारा धार्मिक धुने बजाकर माहौल को भक्तिमय बनाया जा रहा था छोटे-छोटे बच्चे घोडो पर सवार होकर चल रहे थे भारी संख्या में महिलाए संगठित होकर सजे परिधानों में सामूहिक एवं भक्ति नृत्य कर अपनी आस्था प्रकट कर रही थी रथयात्रा में बडा रजत हाथी, चंवर गाड़ी, धूप गाड़ी ,झंडी गाड़ी, रजत नालकी सभी को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे इन्द्रगण भगवान को चंवर डोला रहे थे पुरूष पारम्परिक वेश में केशरिया दुपट्टा ओढे भगवान महावीर के सन्देशो का गुणगान, उदघोष कर नगर को गुंजायमान कर रहे थे लोग रास्ते में पुष्प बर्षा के तीर्थंकर की आरती व शोभायात्रा का स्वागत कर रहे थे कई सामाजिक संस्थाओ द्वारा शोभायात्रा का रास्ते भर स्वागत भी किया गया सोराकुआ पर आयोजित चैती के बाद तीर्थंकर महावीर के विग्रह को इन्द्रों ने बड़े रथ पर से उतारकर रजत नालकी पर विराजमान कराकर नालकी को अपने कन्धे पर उठाकर जय-जय जिनेन्द्र देव की भव सागर नाव खेव की का उदघोष करते हुए ग्वाल दास साहू लेन स्थित श्री दिगम्बर जैन पंचायती शीशे वाला मन्दिर पहुंचे वंहा जन्म कल्याणक की खुशी में प्राचीन परम्परागत बधाई गीतो की प्रस्तुती हुई शहनाई की मंगल ध्वनि के बीच घन्टा-घडियाल, ढोल, मंजीरे के साथ तीर्थंकर को रजत पाण्डुक शिला विराजमान कराकर इन्द्र के रूप में भक्तो ने 108 रजत कलशों से पंचाभिषेक एवं विशेष पूजन अर्चन किया वंही नरिया स्थित जैन मंदिर में भगवान महावीर की दिव्य विशाल प्रतिमा अभिषेक पूजन प्रातः किया।

दूरसंचार क्षेत्र के लिए औद्योगिक दरों पर लिया जाए बिजली शुल्क

■ फिलहाल इस क्षेत्र से वाणिज्यिक दरों पर वसूला जा रहा है बिजली शुल्क

नई दिल्ली (भाषा)। सेल्युलर आपरेटर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (सीओएआई) ने कहा है कि दूरसंचार क्षेत्र से बिजली के लिए वाणिज्यिक के बजाय औद्योगिक बिजली दरें वसूल की जानी चाहिए। दूरसंचार परिचालकों के संगठन सीओएआई ने कहा कि जल्द ही दूरसंचार बुनियादी ढांचा सुविधाओं को बिजली कनेक्शन देने के काम में तेजी लाई जानी चाहिए। सीओएआई ने कहा कि तेजी से 5जी नेटवर्क को लगाने से विभिन्न क्षेत्रों को जो लाभ मिलेगा उसे देखते हुए ऐसा करना जरूरी है। सीओएआई के महानिदेशक एसपी कोचर ने कहा, 'दूरसंचार एक बुनियादी ढांचा उद्योग है, लेकिन हमसे अब भी बिजली के लिए वाणिज्यिक दरों पर शुल्क लिया जा रहा है। इसलिए हमें इसका लाभ नही मिलता है।' सीओएआई ने दूरसंचार ढांचे के लिए वाणिज्यिक के बजाय औद्योगिक दरों की वकालत की है। सीओएआई के सदस्यों में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया जैसी कंपनियां शामिल है।

सीओएआई ने कहा कि सेवाओं की अनिवार्यप्रकृति तथा इसके सामाजिक-आर्थिक लाभ को देखते हुए ऐसा कदम उठाना जरूरी है। कोचर ने इस बात पर क्षोभ जताया कि भारत में एक ओर जहां दूरसंचार शुल्क दरें सबसे कम है वही उद्योग से वाणिज्यिक श्रेणी में बिजली शुल्क वसूला जाता है। सीओएआई ने कहा कि ज्यादातर राज्यों में औद्योगिक बिजली शुल्क श्रेणी और वाणिज्यिक बिजली शुल्क के बीच काफी अंतर है। इससे दूरसंचार क्षेत्र पर काफी बोझ पड़ता है। कोचर ने तर्क दिया, "दूरसंचार सेवाओं के लिए औद्योगिक बिजली शुल्क लागू करने से कंपनियों को महत्वपूर्ण लागत लाभ मिलेगा।

आईपीएल : पिछले साल की उपविजेता ने 72 रन से जीता मैच

राजस्थान की हैदराबाद पर ओवरऑल 9वीं जीत, चहल ने चटकाए चार विकेट

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

पिछले साल की उपविजेता राजस्थान रॉयल्स ने रविवार को यहां आईपीएल के एकतरफा मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 72 रन से पराजित किया। राजस्थान टीम ने 10वीं बार 200 या उससे ज्यादा के स्कोर को डिफेंड किया है। यह राजस्थान की हैदराबाद पर ओवरऑल 9वीं जीत है। दोनों टीमें 17 बार आमने-सामने हो चुकी हैं। हैदराबाद ने 8 मुकाबले ही जीते हैं। राजस्थान रॉयल्स ने शीर्ष तीन बल्लेबाजों के अर्धशतकों की बदौलत पांच विकेट पर 203 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। फिर उसके गेंदबाजों ने इस लक्ष्य के दबाव में आई सनराइजर्स हैदराबाद को 20 ओवर में आठ विकेट पर 131 रन ही बनाने दिए।

■ बटलर, जायसवाल और कप्तान सैमसन का अर्धशतक

जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल की पावरप्ले में धमाकेदार अर्धशतकीय बल्लेबाजी और कप्तान संजू सैमसन के 55 रन की रॉयल्स पारी खेली। ट्रेंट बोल्ट ने अपनी ख्याति के अनुरूप गेंदबाजी करते हुए पहले ही ओवर में दोहरे झटके देकर मेजबान टीम की उम्मीदों को करारा झटका दिया। फिर युजवेंद्र चहल ने प्रत्येक ओवर में एक-एक और कुल चार विकेट झटके। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल में पावरप्ले में अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर 85 रन बनाया जो पहले 81 रन का था। पावरप्ले में यह किसी भी टीम का ओवरआल छठा सबसे बड़ा स्कोर भी है।

बटलर को 16वां अर्धशतक

ओपनिंग करने आए जोस बटलर ने अपने आईपीएल कॅरियर का 16वां अर्धशतक जमाया। उन्होंने 20 बॉल पर फिफ्टी पूरी की। बटलर 22 बॉल पर 54 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 245.45 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। बटलर की पारी में 7 चौके और तीन छक्के शामिल रहे।

इम्पैक्ट प्लेयर ने खींचा ध्यान

आईपीएल में हैदराबाद के लिए पदार्पण कर रहे हैरी ब्रुक पर सभी की निगाहें लगी हुई थीं लेकिन वह केवल 21 गेंद ही खेल सके। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 'इम्पैक्ट प्लेयर' अब्दुल समद नाबाद 32 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। अंत में उमरान मलिक ने आठ गेंद में नाबाद 19 रन बनाए।

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का अग्रवाल बो फारुकी	54	37	9	0
बटलर बो फजलहक फारुकी	54	22	7	3
सैमसन का अभिषेक बो नटराजन	55	32	3	4
पडीक्कल बो उमरान मलिक	02	05	0	0
पराग का फारुकी बो नटराजन	07	06	1	0
शिमरोन हेटमायर नाबाद	22	16	1	1
रविचंद्रन अश्विन नाबाद	01	02	0	0

अतिरिक्त : 08, कुल : 20 ओवर में 203/5

गेंदबाजी : भुवनेश्वर 3-0-36-0, फारुकी 4-0-41-2, सुंदर 3-0-32-0, नटराजन 3-0-23-2, राशिद 4-0-33-0, मलिक 3-0-32-1.

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा बो बोल्ट	00	03	0	0
अग्रवाल का बटलर बो चहल	27	23	3	0
त्रिपाठी का होल्ड बो बोल्ट	00	02	0	0
हैरी ब्रुक बो चहल	13	21	1	0
सुंदर का हेटमायर बो होल्डर	01	05	0	0
फिलिप्स का आसिफ बो अश्विन	08	06	0	1
अब्दुल समद नाबाद	32	32	2	1
राशिद स्ट सैमसन बो चहल	18	13	1	1
भुवनेश्वर कुमार बो चहल	06	10	0	0
उमरान मलिक नाबाद	19	08	1	2

अतिरिक्त : 07, कुल : 20 ओवर में 131/8

गेंदबाजी : बोल्ट 4-1-21-2, आसिफ 3-0-15-0, होल्डर 3-0-16-1, अश्विन 4-0-27-1, चहल 4-0-17-4, सैनी 2-0-34-0.

आरसीबी ने मुंबई को आठ विकेट से हराया, कोहली-डुप्लेसी की फिफ्टी

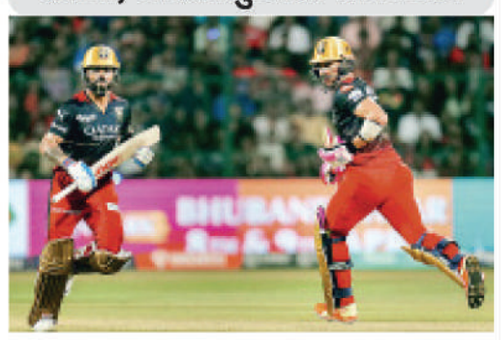

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने रविवार को यहां मुंबई इंडियंस को 22 गेंद शेष रहते हुए आठ विकेट से हराकर आईपीएल में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। आरसीबी के सामने 172 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य था लेकिन कोहली और ने पहले विकेट के लिए 148 रन जोड़कर उसे बौना साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आरसीबी ने 16.2 ओवर में दो विकेट पर 172 रन बनाकर आसानी से जीत दर्ज की। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी के लिए उतरे मुंबई का स्कोर छठे ओवर में तीन विकेट पर 20 रन था। बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने यहीं से अकेले जिम्मेदारी संभाली और 46 गेंदों पर नाबाद 84 रन बनाए जिसमें नौ चौके और चार छक्के शामिल हैं। वर्मा ने नेहल वढेरा के साथ पांचवें विकेट के लिए 50 रन और अरशद खान के साथ सातवें विकेट के लिए 17 गेंदों पर 48 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर सात विकेट पर 171 रन तक पहुंचाया।

विराट का 50वां पचासा

डुप्लेसी (73) ने 29 गेंदों पर आईपीएल में अपना 26वां अर्धशतक पूरा किया। कोहली (नाबाद 82) ने 38 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया जो आईपीएल में उनका 50वां पचासा है। यह बेंगलुरु की मुंबई पर लगातार चौथी जीत है। इससे पहले चेन्नई और राजस्थान ऐसा कर चुकी हैं। मुंबई इंडियंस ने 2013 के बाद खेले सभी सीजन में अपने पहले मुकाबले हारे हैं।

स्कोर बोर्ड

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4	6
रोहित का कार्तिक बो सिंह	01	10	0	0
किशन का पटेल बो सिराज	10	13	2	0
कैमरन ग्रीन बो टॉप्ले	05	04	1	0
सूर्यकुमार का शाहबाज बो ब्रेसवेल	15	16	1	0
तिलक वर्मा नाबाद	84	46	9	4
वढेरा का कोहली बो कर्ण शर्मा	21	13	1	2
टिम डेविड बो कर्ण शर्मा	04	07	0	0
शौकीन का डुप्लेसिस बो हर्षल	05	03	1	0
अरशद खान नाबाद	15	09	0	1

अतिरिक्त : 10, कुल : 20 ओवर में 171/7

गेंदबाजी : सिराज 4-0-21-1, रीस टॉप्ले 2-0-14-1, आकाशदीप 3-0-29-1, हर्षल 4-0-43-1, कर्ण शर्मा 4-0-32-2, ब्रेसवेल 2-0-16-1, मैक्सवेल 1-0-16-0.

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4	6
विराट कोहली नाबाद	82	49	6	5
डुप्लेसी का डेविड बो अरशद	73	43	5	6
कार्तिक का वर्मा बो ग्रीन	00	03	0	0
ग्लेन मैक्सवेल नाबाद	12	03	0	2

अतिरिक्त : 05, कुल : 16.2 ओवर में 172/2

गेंदबाजी : बेहरनडोर्फ 3-0-37-0, अरशद 2.2-0-28-1, आर्चर 4-0-33-0, चावला 4-0-26-0, ग्रीन 2-0-30-1, शौकीन 1-0-17-0.

खबर संक्षेप

वेर्स्टाप्पेन ने जीती एफवन आस्ट्रेलियाई ग्रां प्री

मेलबर्न। रेडबुल के मैक्स वेर्स्टाप्पेन ने सत्र की पहली आस्ट्रेलियाई ओपन फॉर्मूला वन ग्रां प्री जीत ली। यह पिछले 12 साल में आस्ट्रेलियाई ओपन में रेडबुल की पहली जीत है। सात बार के विश्व चैंपियन मर्सीडीज के लुईस हैमिल्टन दूसरे और एस्टोन मार्टिन के फर्नांडो अलोंसो तीसरे स्थान पर रहे। इससे पहले गत चैंपियन फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर्क को पहले लैप के बाद दुर्घटना के कारण रेस छोड़नी पड़ी।

क्वितोवा ने जीता मियामी ओपन टेनिस खिताब

मियामी गार्डन्स। बारहवीं वरीयता प्राप्त पेत्रा क्वितोवा ने सातवीं वरीयता प्राप्त एलेना रिबाकिना को 7-6, 6-2 से हराकर मियामी ओपन महिला एकल खिताब जीत लिया। चेक गणराज्य की 33 वर्ष की क्वितोवा ने अपने से दस साल छोटी रिबाकिना के 13 मैचों के विजय अभियान पर रोक लगाई और उसे लगातार दूसरा खिताब नहीं जीतने दिया। रिबाकिना ने हाल ही में इंडियन वेल्स में भी खिताबी जीत दर्ज की थी।

एनआरएआई प्रमुख रनिंदर लंबी छुट्टी पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रमुख को खेल कोड के तहत बारह वर्ष से अधिक पद पर नहीं बने रहने के खेल मंत्रालय से मिले निर्देश के बाद भारतीय राष्ट्रीय राइफल महासंघ के अध्यक्ष रनिंदर सिंह लंबी छुट्टी पर चले गए हैं। मंत्रालय ने एनआरएआई से अध्यक्ष पद के लिए निर्धारित समय सीमा के भीतर चुनाव कराने के लिए भी कहा है। ऐसा नहीं करने पर खेल कोड के तहत कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि रनिंदर ने बतौर अध्यक्ष बारह वर्ष पूरे कर लिए हैं और वह पद पर आगे बने नहीं रह सकते।

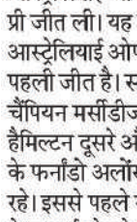

मैड्रिड स्पेन मास्टर्स में उपविजेता बनीं सिंधू, तुनजुंग ने जीता खिताब

मैड्रिड। भारत की पीवी सिंधू रविवार को यहां मैड्रिड स्पेन मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग से सीधे गेम में हार गईं। चोट के कारण पांच महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी करने पर शुरुआती दौर से आगे बढ़ने में नाकाम रहने के कारण पिछले मंगलवार को शीर्ष 10 से बाहर होने वाली सिंधू फाइनल में किसी भी समय लय में नहीं दिखी और विश्व की 12वें नंबर की खिलाड़ी तुनजुंग से 8-21, 8-21 से हार गईं।

विश्व की 12वें नंबर की खिलाड़ी तुनजुंग से 8-21, 8-21 से मिली हार

इस फाइनल से पहले सिंधू का इंडोनेशिया की 23 वर्षीय खिलाड़ी के खिलाफ रिकॉर्ड 7-0 था लेकिन वह मैच में दबदबा बनाने में असफल रही और इस तरह से पिछले आठ महीनों में पहला खिताब जीतने का उनका सपना चकनाचूर हो गया। सिंधू फाइनल में भले हार गई लेकिन लंबे समय बाद खिताबी मुकाबले में जगह बनाने से उनका वर्ष के आगामी टूर्नामेंट के लिए आत्मविश्वास बढ़ेगा।

आठ महीने पहले जीता था खिताब

अगले महीने से पेरिस ओलंपिक के क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट भी शुरू हो रहे हैं। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने अपना आखिरी खिताब अगस्त 2022 में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में जीता था जबकि उन्होंने विश्व टूर का अंतिम खिताब पिछले साल जुलाई में सिंगापुर ओपन के रूप में जीता था। कोरिया के पार्क ताइ सुंग के हटने के बाद सिंधू की कोच अभी विधि चौधरी है। उन्होंने इस टूर्नामेंट में फाइनल से पहले तक अच्छा प्रदर्शन किया था तथा इस बीच एक भी गेम नहीं गंवाया था।

सेट 1

गलतियां भारी पड़ी

खिताबी मुकाबले में हालांकि उनकी एक नहीं चली। तुनजुंग ने सिंधू के फोरहैंड को निशाने पर रखा और पहले गेम के शुरू में ही 5-1 से बढ़त हासिल कर ली। सिंधू ने वापसी करने की कोशिश की और तुनजुंग की बढ़त को 5-7 कर दिया। इंडोनेशिया के खिलाड़ी हालांकि इंटरवल तक पांच अंक की बढ़त पर थी। सिंधू ने इसके बाद काफी गलतियां की जिसका फायदा उठाकर तुनजुंग ने 12 गेम प्वाइंट हासिल किए और पहले गेम प्वाइंट पर ही पहला गेम अपने नाम किया।

सेट 2

कोई जवाब नहीं था

तुनजुंग का स्ट्रोक प्ले शानदार था जिसका सिंधू के पास कोई जवाब नहीं था। इंडोनेशिया के खिलाड़ी ने दूसरे गेम में शुरू में 6-1 से बढ़त बनाई और इसके बाद भी मैच में दबदबा बनाए रखा। वह इंटरवल तक 11-3 से आगे थी। तुनजुंग ने इसके बाद भी अपना शानदार खेल जारी रखा और 12 चैंपियनशिप प्वाइंट हासिल किए। सिंधू ने फिर से नेट पर गलती की और इस तरह से तुनजुंग ने खिताब अपने नाम कर दिया।

घर में पहली जीत दर्ज करने उतरेगा चेन्नई

चेन्नई। पहला मैच हारने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स अपने गढ़ चेपॉक स्टेडियम पर सोमवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य इस सत्र में जीत का खाता खोलने का होगा। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चार बार की चैम्पियन टीम यहां चार साल बाद लौटी है। दर्शकों में इसे लेकर काफी उत्साह है और पूरा स्टेडियम कल चेन्नई के पीले रंग में रंगा रहेगा। रुतुराज गायकवाड़ की शानदार पारी के बावजूद चेन्नई को पहले मैच में गुजरात टाइटंस ने हराया। चेन्नई के प्रशंसकों को बाकी बल्लेबाजों से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो पहले मैच में नाकाम रहे थे। आईपीएल नीलामी में 16 करोड़ 25 लाख रुपए में खरीदे गए इंग्लैंड के सुपरस्टार बेन स्टोक्स पहले घरेलू मैच में अपनी उपयोगिता साबित करने को बेताब होंगे। बीच के ओवरों में धीमी रनगति के अलावा गेंदबाजों का फॉर्म भी धोनी की चिंता का सबब है।

मुक्केबाज मंदीप ने जीता चौथा पेशेवर मुकाबला

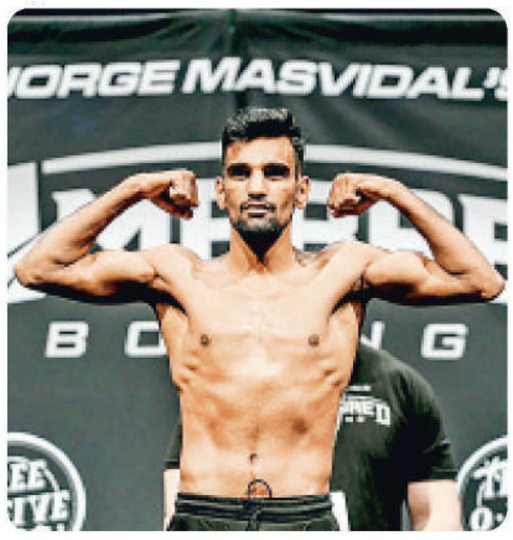

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज मंदीप जांगड़ा ने विस्कोन्सिन के मिलवायूकी में अमेरिका के रेयान रेयार को तकनीकी नॉकआउट से हराकर अपना चौथा पेशेवर मुकाबला जीता। राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता मंदीप (29 वर्ष) 2020 में पेशेवर बने थे जिसमें उनका रिकॉर्ड अब 4-0 हो गया है।अर्जुन पुरस्कार प्राप्त कर चुके मंदीप से हाल में अमेरिका के महान मुक्केबाज रॉय जोंस जूनियर ने अगले तीन साल के लिए पेशेवर सर्किट में मुक्केबाजी के लिये करार किया था। इससे मंदीप अमेरिका के इस महान मुक्केबाज से जुड़ने वाले देश के पहले मुक्केबाज बन गये। यह जोंस के मार्गदर्शन में उनका पहला मुकाबला था।

सिटी ने लिवरपूल को हराया फिर बढ़ा दोनों टीमों में तनाव

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग के अहम मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी लिवरपूल को 4-1 से हरा दिया लेकिन दोनों टीमों के बीच एक बार फिर तनाव देखने को मिला।

प्रीमियर लीग खिताब की दौड़ में दूसरे स्थान पर काबिज सिटी के प्रशंसकों पर लिवरपूल ने टीम बस पर हमला करने और नफरत भरे नारे लगाने का आरोप लगाया। सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला भी लिवरपूल के सब्स्टिट्यूट कोस्टास सिमिकास और आर्थर मेलो के सामने आक्रामक तरीके से जीत का जश्न मनाते नजर आए। उन्हें इसके लिए माफी मांगनी पड़ी।

मैचों के दौरान विरोध वाले बैनर पर प्रतिबंध

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीगके मैच देखने के लिए आने वाले दर्शकों के लिए एक विशेष सलाह जारी की गई है जिसके अनुसार दिल्ली, मोहाली, हैदराबाद और अहमदाबाद चार शहरों में उन्हें नागरिकता संशोधन अधिनियम र राष्ट्रीय नागरिकता पंजी का विरोध करते हुए बैनर ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बरेली में गोकशी के मामले में छह आरोपी गिरफ्तार

बरेली। बरेली जिले में पुलिस ने गोकशी के मामले में रविवार को छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राज कुमार अग्रवाल ने बताया कि क्षेत्र में 31 मार्च को हुई गोकशी की घटना को लेकर भोजीपुरा थाना में संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। एसपी ने कहा कि इस मामले में आरोपियों की तलाश की जा रही थी। अग्रवाल ने बताया कि रविवार अपराह्न दानिश (25), गुड्डू (35), शाहिद (40), जहूर अहमद (42), नन्हे (34) और अनवार (52) को ग्राम पडरी हलवा मजरे की दनिया नदी के पास से गिरफ्तार किया गया और उनके पास से जानवर काटने के औजार बरामद किए गए। अग्रवाल ने बताया कि पूछताछ पर अभियुक्तों ने बताया कि उनका मुखिया शाहिद है जो ठिरिया निजावत खां थाना कैंट, जिला बरेली का मूल निवासी है और भोजीपुरा थाना अंतर्गत धौरा टांडा कस्बा में छिपकर रह रहा था तथा अपने कार्य को अंजाम दे रहा है। इन सभी के खिलाफ पहले से शस्त्र अधिनियम, पशु क्रूरता अधिनियम और गोवध निवारण अधिनियम, गिरोहबंद अधिनियम (गैंगस्टर एक्ट) के तहत मामले दर्ज हैं।

आठ रन के लक्ष्य को श्रीलंका ने हासिल कर लिया

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को सुपर ओवर में हराया

एजेंसी ▶▶| आकलैंड

श्रीलंका ने पहले टी20 मैच में न्यूजीलैंड को सुपर ओवर में हरा दिया जबकि पुछल्ले बल्लेबाज ईश सोढ़ी ने 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर मैच को सुपर ओवर में खिंचा था। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 196 रन बनाए। न्यूजीलैंड को आखिरी ओवर में 13 रन चाहिए थे। सोढ़ी श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर मैच को टाइब्रेकर में ले गए।

सुपर ओवर में न्यूजीलैंड के लिए डेरिल मिशेल, जिम्मी नीशाम और मार्क चैपमैन उतरे जबकि श्रीलंका ने महीश तीक्षणा को गेंदबाजी सौंपी। मिशेल ने पहली गेंद पर एक रन लिया। दूसरी गेंद वाइड थी और तीसरी गेंद पर नीशाम आउट हो गए। चैपमैन ने दो रन लिए, फिर चौका लगाया और आखिरी गेंद पर आउट हो गए। श्रीलंका के लिए कुसल मेंडिस और चरित असालांका उतरे और गेंदबाज जिम्मी नीशाम थे। पहली गेंद पर एक रन बना और दूसरी गेंद पर असालांका ने छक्का लगा दिया। अगली गेंद पर चौका लगाकर उन्होंने श्रीलंका को रोमांचक जीत दिलाई।

मैने अपनी उपयोगिता साबित कर दी : मायर्स

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स के नए खिलाड़ी काइल मायर्स ने आईपीएल के अपने पदार्पण मैच में 38 गेंद में 73 रन बनाने के बाद कहा कि उन्होंने अपनी उपयोगिता साबित कर दी है। लखनऊ ने उनकी पारी की बदौलत छह विकेट पर 193 रन बनाए। बाद में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने 14 रन देकर पांच विकेट चटकाये और लखनऊ ने 50 रन से जीत दर्ज की। मायर्स ने कहा, 'मैने हमेशा आईपीएल खेलने का सपना देखा था और आज मौका मिला। मैं अच्छी शुरुआत करके अपनी काबिलियत दिखाना चाहता था और मैने वही किया।'

वनडे वर्ल्ड कप टूर्नामेंट का खास लोगो लांच

नई दिल्ली। भारत क्रिकेट टीम की 2011 में विश्व कप जीत के 12 साल पूरे हो गए। दो अप्रैल 2011 को कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने विजयी छक्का लगाकर टीम इंडिया को चैंपियन बनाया था। टीम इंडिया की जीत की वर्षगांठ को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने खास बनाया। उसने इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारत की मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए आधिकारिक लोगो जारी किया। आईसीसी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लोगो की तस्वीर शेयर किया। क्रिकेट विश्व कप को 'नवरस' के रूप में विकसित किया गया है। टूर्नामेंट के मैचों के दौरान फैंस की भावनाओं को दर्शाने के लिए अलग-अलग रंगों का इस्तेमाल किया गया है। नवरस में खुशी, ताकत, दुख, सम्मान, गर्व, बहादुरी, महिमा, आश्चर्य और जुनून की भावनाएं शामिल हैं। ये भावनाएं विश्व कप के मैचों के दौरान देखने

पाम संडे

आर्कबिशप फेलिक्स टोप्पो रविवार को रांची के रोमन कैथोलिक चर्च में पाम संडे को एक जुलूस का नेतृत्व करते हुए पवित्र सप्ताह की शुरुआत की।

असम सीएम को एसएफजे से धमकी हमारी लड़ाई केंद्र सरकार से

गोवाहाटी ■ एजेंसी

खालिस्तान समर्थकों के खिलाफ हालिया कार्रवाई ने अलगाववादी संगठनों की नींद हराम कर दी है। पंजाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई के बाद जहां खालिस्तान समर्थक अमृतपाल फरार है। वहीं, उसके कई साथियों असम की जेल में रखा गया है। इस कार्रवाई से नाराज खालिस्तान समर्थकों ने असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा को धमकी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरमा के लिए गुरपतवंत सिंह पन्नू के संगठन की ओर से धमकी भरा संदेश भेजा गया है।

पन्नू के संगठन सिख फॉर जस्टिस के गुर्गों ने सरमा को खालिस्तान और अमृतपाल मामले से दूर रहने की चेतावनी दी है। इसमें यह भी कहा गया है कि खालिस्तान समर्थकों की लड़ाई भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से है। इसलिए, असम के मुख्यमंत्री इस मामले में न पड़कर हिंसा का शिकार होने से बचें।

असम पुलिस महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि हमें आज एक ओडियो क्लिप मिली जिसमें व्यक्ति खुद को गुरपतवंत सिंह पन्नू बता रहा था और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को धमकी दे रहा था। उसने आरोप लगाया कि असम में सिख समुदाय को प्रताड़ित किया जाता है और उनके साथ गलत बरताव किया जाता है। हमने केस दर्ज किया है। मुख्यमंत्री सरमा को धमकी देने के लिए राज्य के करीब बारह पत्रकारों को फोन किया गया। फोन करने वाले ने खुद को सिख फॉर जस्टिस का सदस्य बताया और कहा कि यह संदेश उन्हें पन्नू की ओर से दिया जा रहा है। प्राथमिक अनुमान से ओडियो क्लिप गुरपतवंत सिंह पन्नून का लग रहा है। इसकी पुष्टि जांच रिपोर्ट के बाद होगी।

सेंट पीटर्सबर्ग के कैफे में धमाका, एक की मौत, 16 घायल

मास्को, (एजेंसी)। रूस के शहर सेंट पीटर्सबर्ग स्थित एक कैफे में हुए धमाके में एक की मौत हो गई है, जबकि 16 अन्य घायल हुए हैं। धमाके में मरने वाले की शिनाख्त रूसी सेना के प्रमुख ब्लॉगर के तौर पर हुई है। रूसी मीडिया पम्पक्लीन नुक न्यूज की खबरों के अनुसार रूस के गृह मंत्रालय ने ब्लॉगर व्लादलेन ततार्स्की की मौत की पुष्टि की है। पुलिस ने बताया है कि स्ट्रीट बार कैफे में हुए धमाके में कम से कम 16 लोग घायल हुए हैं। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में धमाका और सड़क पर घायल लोग दिखाई दे रहे है।

इक्वाडोर के विदेश मंत्री ने दिया इस्तीफा

क्विटो, (एजेंसी)। दक्षिण अमेरिकी देश इक्वाडोर के विदेश मंत्री जुआन कार्लोस होलगुइन ने निजी कारणों से अपने इस्तीफे की घोषणा की है। इससे पूर्व श्री होलगुइन ने शनिवार को ट्विटर पर कहा कि व्यक्तिगत कारणों से मैं विदेश मामलों और मानव गतिशीलता मंत्री के पद से इस्तीफा पेश करता हूं। मंत्री ने कहा कि अपने जनादेश में उन्होंने राज्य के हितों की रक्षा के लिए हमेशा निष्पक्ष और कानून सम्मत काम किया है। इस बीच इक्वाडोर के राष्ट्रपति गुइलेर्मो लास्सो ने कहा कि पर्यावरण, जल और पारिस्थितिक संक्रमण मंत्री गुस्तावो मैनरिक मिरांडा नए विदेश मंत्री के रूप में श्री होलगुइन की जगह लेंगे।

अमेरिका में गोलीबारी तीन की मौत, तीन घायल

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के ओक्लाहोम सिटी में हुई गोलीबारी में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। सीएनएन न्यूज चैनल ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि पुलिस अधिकारी शनिवार शाम व्हिस्की बैरल सैलून पहुंचे और उन्हें बार के अंदर तीन शव मिले। ओक्लाहोमा सिटी पुलिस ने कहा कि तीन अन्य लोगों को अस्पताल ले जाया गया है, जिनमें से एक की हालत गंभीर है।

चेन्नई में एलआईसी इमारत में आग लगी, जनहानि नहीं

चेन्नई, (एजेंसी)। शहर में रविवार को एलआईसी की बहुमंजिला इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर आग लग गई। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवा के अतिरिक्त निदेशक (संचालन और प्रशिक्षण) एस. विजयशेखर ने कहा कि इमारत में लगी आग को काबू करने विभाग के लगभग 60 कर्मी लगे हुए थे। रविवार शाम लगभग छह बजे, इमारत की 14वीं मंजिल पर स्थित एलआईसी के पैनल बोर्ड में शार्ट-सर्किट के कारण आग लग गई। लगभग 14 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया।

आज का इतिहास

- **1922:** जोसेफ स्टालिन को सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति का महासचिव नियुक्त किया गया।
- **1933:** विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के ऊपर से पहली बार विमान ने उड़ान भरी ।
- **1942:** जापान ने में द्वितीय विश्वयुद्ध में अमेरिका पर आखिरी दौर की सैन्य कार्यवाई शुरू की।
- **1949:** अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा ने उत्तरी अटलांटिक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- **1984:** राकेश शर्मा रुस के अंतरिक्ष यान सोयुज टी 11 से अंतरिक्ष पर जाने वाले प्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री बने।
- **1999:** भारत ने पहला वैश्विक दूरसंचार उपग्रह इनसैट 1 ई का प्रक्षेपण में किया।
- **2001:** संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन भारत यात्रा पर पहुँचे।

फिनलैंड आम चुनाव में कांटे की टक्कर सत्ता में वापसी का प्रयास कर रहे हैं युवा नेता

फिनलैंड आम चुनाव के लिए रविवार को हो रहे मतदान में तीन पार्टियों के बीच कांटे के टक्कर की संभावना नजर आ रही है। वहीं, प्रधानमंत्री सना मारिन की सोशल डेमोक्रेट्स पार्टी सत्ता में दूसरी बार वापसी के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। फिनलैंड की 200 सदस्यीय संसद एदुसकुंता में निर्वाचन के लिए 22 राजनीतिक पार्टियों के 2,400 से ज्यादा उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। देश के पंजीकृत मतदाताओं में से करीब 40 फीसदी ने पहले ही अपने मत डाल दिए हैं। यूरोप की सबसे युवा नेताओं में शामिन मारिन (37) को कोविड-19 महामारी से निपटने और उसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए खूब तारीफें मिली हैं। राष्ट्रपति एस. निनिस्तो के साथ मिलकर फिनलैंड को सफलतापूर्वक नाटो में शामिल कराने का श्रेय भी उन्हें जाता है। इतना ही नहीं, यूक्रेन का मुखर समर्थन करने के कारण अब दुनिया के नक्शे पर भी वह नजर आने लगी हैं। मध्य हेलसिंकी में शनिवार को प्रचार के दौरान मारिन ने एपी को बताया, हां, हम आशा करते हैं कि सोशल डेमोक्रेट्स यह चुनाव जीतें... यह

बहुत जरूरी है क्योंकि हम मुक्त समाज बने रहना चाहते हैं। हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। हम बेहतर हरित समावेशी भविष्य बनाना चाहते हैं जहां लोगों को जीवन में समान अवसर मिलें। मारिन देश में काफी लोकप्रिय हैं, और उन्होंने फिनलैंड की अर्थव्यवस्था पर अपनी पार्टी के दृष्टिकोण को चुनाव प्रचार में प्रमुखता दी है। लेकिन अर्थव्यवस्था पर उनके दृष्टिकोण को दो मुख्य विपक्षी पार्टियां... पेत्तेरी ओर्पो नीत मध्य-दक्षिणपंथी और रिक्का पुर्रा नीत दक्षिणपंथी पॉपुलिस्ट द फिन्स पार्टी कड़ी चुनौती दे रही हैं।

इजराइल में अडानी की पोर्ट कंपनी के चेयरमैन बने पूर्व राजदूत

भारत में इजराइल के पूर्व राजदूत रॉन मलका ने रविवार को कहा कि उन्होंने हाइफा पोर्ट कंपनी (एचपीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया है, जिसका स्वामित्व अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) और इजराइल के गैडोट ग्रुप के एक संघ के पास है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि मैं अडानी पोर्ट्स की ओर से हाइफा पोर्ट कंपनी के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में आज पदभार ग्रहण करने के लिए सम्मानित और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। अडानी और गैडोट का अनुभव और बंदरगाह के कर्मचारियों के समर्पण के साथ संयुक्त रूप से, हाइफा बंदरगाह को समृद्धि की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। अडाणी समूह ने नियुक्ति के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। जुलाई 2022 में भारत के अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड और इजराइल के गैडोट ग्रुप के एक कंसोर्टियम ने इजराइल के आधे से अधिक कंटेनर कार्गो को संभालने वाले इजराइल के दूसरे सबसे बड़े बंदरगाह हाइफा के निजीकरण के लिए निविदा जीती। 1.18 बिलियन डॉलर की विजेता बोली के माध्यम से, अडानी-गडोट कंसोर्टियम ने एचपीसी के 100 प्रतिशत शेयर खरीदने का अधिकार सुरक्षित कर लिया है।

अतीक अहमद के नौकर शाहरूख और बहनोई को पुलिस ने किया गिरफ्तार

चोरी की रायफल से की गई थी उमेश पाल की हत्या

प्रयागराज,(ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चर्चित उमेश पाल हत्याकांड में रविवार को यूपी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने पूर्वांचल के बाहुबली डॉन अतीक अहमद के नौकर और बहनोई का गिरफ्तार कर लिया है। नौकर ने उमेश पाल शूटआउट से संबंधित कई खुलासे किए हैं। प्रयागराज पुलिस ने दावा किया है कि उमेश की हत्या में चोरी की रायफल का इस्तेमाल किया गया था।

उमेश पाल मर्डर केस में अतीक अहमद और उनके परिवार पर कानून शिकंजा कसता जा रहा है। इस मामले में पुलिस ने अतीक के नौकर शाहरुख और बहनोई का गिरफ्तार किया है। कौशांबी के पिपरी के रहने वाले शाहरुख कई सालों से अतीक अहमद के नौकर हैं और उसे गैंग के सदस्यों के बारे में पूरी जानकारी है। पुलिस को उसके पास एक तमंचा मिला है।

नौकर शाहरुख ने पुलिस पूछताछ में बताया कि 24 फरवरी को वारदात के दिन उसने ही असद के कहने पर उनकी कार में रायफल रखी थी। इसके बाद असद समेत अन्य आरोपी अलग-अलग गाड़ियों से उमेश पाल की हत्या करने के लिए गए थे। पुलिस जांच में पता चला है कि अतीक की बेगम शाइस्ता परवीन ने शाहरुख को 50 हजार रुपए दिए थे। इसके बाद उसने ये रुपए शूटर अरमान के भाई के बाद पहुंचाया था। उमेश पाल शूटआउट के बाद सभी शूटरों के भागने के बाद शाहरुख भी फरार हो गया था।

अमेरिका के कई हिस्सों में भीषण तूफान से तबाही, 21 की मौत, 130 घायल

ह्यूस्टन, (एजेंसी)। अमेरिका के मध्य-पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में शुक्रवार से शनिवार तड़के आये भीषण तूफान से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गयी और 130 से अधिक लोग घायल हो गये। सीएनएन ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि कम से कम सात अमेरिकी राज्यों में शुक्रवार को 50 से अधिक शुरूआती बवंडर की रिपोर्ट दर्ज की गई।

स्थानीय मीडिया आउटलेट 'रीजन 8 न्यूज' के अनुसार, काउंटी सीट और क्रॉस काउंटी, अरकंसास के सबसे बड़े शहर वाईन में आये एक जोरदार तूफान की पुष्टि की गयी और इसमे चार लोगों की मौत हो गई और 10 से अधिक घायल हो गए। वाईन के पुलिस प्रमुख रिचर्ड डेनिस ने शुक्रवार रात कहा कि पूरे शहर में भारी तबाही हुई है' और बवंडर के कारण कई लोग फंस गए हैं। पुलास्की काउंटी के अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार दोपहर जानलेवा बवंडर के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 50 लोगों को लिटिल रॉक, अर्कांसस के अस्पतालों में भेजा गया। लिटिल रॉक के मेयर फ्रैंक स्कॉट जूनियर ने शनिवार को सीएनएन को बताया कि करीब 2,600 मकान आदि को नुकसान पहुंचा है। प्रांतीय गवर्नर बिल ली ने एक बयान में कहा कि दक्षिण पश्चिम टेनेसी में स्थित मैकनेरी काउंटी में कम से कम सात लोग मारे गए। उत्तरी इलिनोइस अपोलो थिएटर की छत गिरने से एक 50 वर्षीय व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। अधिकारियों ने कहा कि 40 अन्य लोगों को अस्पतालों में ले जाया गया, जिनमें से कम से कम दो की हालत गंभीर है।इलिनोइस आपातकालीन प्रबंधन के अनुसार दक्षिणी इलिनोइस के क्रॉफर्ड काउंटी में एक आवासीय मकान के ढहने से तीन अन्य लोगों की मौत हो गई।

आंध्र प्रदेश में इंजीनियर को कार में जिंदा जलाया

आरोपी ने कार को खाई में धकेल दिया

तिरुपति, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में अज्ञात लोगों ने एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को कथित तौर पर उसकी कार में जिंदा जला दिया। जानकारी के मुताबिक, नायडूपेटा-पुथलपट्टू मार्ग पर गंगुडू पल्ले गांव के पास जली हुई कार में नागराजू (36) का जला हुआ शव मिला। रविवार की सुबह स्थानीय लोगों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कार के नंबर के आधार पर मृतक की शिनाख्त की। पुलिस को संदेह है कि बेंगलुरु में एक प्रमुख आईटी कंपनी में काम करने वाले नागराजू की आधी रात को हत्या कर दी गई और आरोपी ने कार को खाई में धकेल कर इसे दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की। नागराजू ब्राह्मणपल्ली गांव के रहने वाला था और उसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं।

पुलिस ने मामला दर्ज कर हत्यारों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को एक महिला के रिश्तेदारों द्वारा मार दिए जाने का संदेह है, जिसके साथ उसके छोटे भाई पुरुषोत्तम के कथित रूप से विवाहेतर संबंध हैं। पुरुषोत्तम और एक ही गांव की महिला के विवाहेत्तर संबंधों के कारण दोनों परिवारों में अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहते थे। शनिवार की रात महिला के परिजन नागराजू को अपने साथ मामले पर चर्चा करने ले गए। उन्होंने कथित तौर पर उसकी पिटाई की और उसके हाथ-पैर बांधकर उसे कार में बंद कर दिया और आग लगा दी। जली हुई कार के पास पीड़ित की चेन, जूते और अन्य सामान मिले। पुलिस ने मौके से सुराग जुटाए।

खाई में गिरी बस, दर्जनों घायल दो बच्चियों की हादसे में मौत

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड में हादसा मसूरी-देहरादून हाइवे पर हुआ, जिसमें बस अचानक खाई में गिर गई। इस हादसे में दो बच्चियों की मौत हुई। जानकारी के मुताबिक, उत्तराखंड रोडवेज की इस बस से ड्राइवर अपना कंट्रोल खो बैठा और बस गहरी खाई में जा गिरी। हालांकि गनीमत ये रही कि बस मोड़ से नीचे गई और सीधी ही रह गई। जिसकी वजह से बस पलटी नहीं, वर्ना जान-माल का और भी नुकसान हो सकता था। मसूरी पुलिस ने बताया कि ये हादसा बस के नियंत्रण से बाहर जाने की वजह से हुआ। ये बस मसूरी

से देहरादून जा रही थी, तभी आधे रास्ते में बस खाई से उतर गई। इस हादसे में ड्राइवर समेत 22 लोग घायल हो गए थे। जिसमें तीन की हालत गंभीर थी। इन्हीं गंभीर रूप से घायल तीन लोगों में से दो बच्चियों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही तुरंत बचाव कार्य शुरू किया गया। वहीं, सूचना मिलते ही मसूरी पुलिस के साथ ही फायर सर्विस टीम और एंबुलेंस भी मौके पर पहुंच गई, जिसके बाद तेजी से लोगों को हादसे वाली जगह से निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया।

सर्विस राइफल से चली गोली बीएसएफ अधिकारी की मौत

मप्र का निवासी था 55 वर्षीय एएसआई

कठुआ/जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट एक अग्रिम चौकी पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक सहायक उप निरीक्षक की रविवार को उनकी ही सर्विस राइफल से गोली लगने से मौत हो गई। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका है कि मध्य प्रदेश निवासी एएसआई सुखनंदन प्रसाद (55) ने आत्महत्या की या उनकी रायफल गलती से चल जाने के बाद मौत हो गई।

ड्यूटी पर था मौजूद: मृतक हीरानगर सेक्टर में सीमा चौकी गुरनाम में ड्यूटी पर था, जब उसके साथियों ने उसे अपनी ही सर्विस राइफल से गोली लगने से घायल हालत में पाया। अधिकारियों ने कहा कि उन्हें पास के एक चिकित्सा सुविधा में ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने पूछताछ की कार्यवाही शुरू कर दी है।

मेनका गांधी बोलीं- क्यों न हम बकरी के दूध से बनाएं साबुन, आमदनी बढ़ेगी

अजीब बयान

सुल्तानपुर, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी सांसद मेनका गांधी का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। भाजपा सांसद मेनका गांधी ने सुल्तानपुर के बल्दीराय क्षेत्र में शनिवार को एक जनसभा को संबोधित किया। यह वीडियो इसी जनसभा का है।

इस दौरान मेनका गांधी ने कहा कि गधे के दूध का साबुन महिलाओं को सुंदर बनाता है। यहां के लोगों को भी गधे के दूध के साथ ही बकरी के दूध का साबुन बनाना चाहिए। इससे लोगों की आमदनी बढ़ेगी। मेनका गांधी के इस बयान की सोशल मीडिया में जमकर चर्चा हो रही है। गधे के दूध के साबुन वाले बयान के साथ ही उन्होंने बताया कि बहुत पहले एक मशहूर क्लियोपैट्रा नाम की एक रानी हुआ करती थीं। वह इसी साबुन से नहाया करती थीं। दिल्ली में गधे के दूध का साबुन खूब बिक रहा है। इसकी कीमत करीब 500 रुपए है। इसलिए यहां के लोगों को गधे के दूध के साथ-साथ बकरी के दूध का भी साबुन बनाना चाहिए।

पाक में तय समय में चुनाव नहीं होने पर होंगे विरोध प्रदर्शन

इमरान ने दी धमकी

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान ने पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में प्रांतीय विधानसभा भंग होने के 90 दिनों के भीतर चुनाव नहीं कराये जाने पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करने की धमकी दी है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान ने शनिवार को यह धमकी दी। पंजाब और केपी विधानसभाओं जहां उनकी पार्टी सत्ता में थी पीटीआई के अध्यक्ष के निर्देश के अनुसार जनवरी में भंग कर दिया गया था। लेकिन पाक के चुनाव आयोग ने सुरक्षा खतरों और चुनावों में सहयोग करने में अधिकारियों की अक्षमता का हवाला देते हुए चुनावों को 8 अक्टूबर तक के लिए टाल दिया है। लाहौर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पूर्व प्रधान मंत्री - जिन्हें पिछले साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से पद से हटा दिया गया था - ने कहा कि प्रांतों में कार्यवाहक सरकारों को ''तटस्थ'' भूमिका निभानी चाहिए थी लेकिन दुर्भाग्य से, उन्होंने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई।

मुसीबत मौसम विभाग ने भारी बारिश और बर्फबारी का यलो अलर्ट जारी किया

हिमाचल में आफत वाली बारिश

शिमला, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश मौसम की तगड़ी बेरुखी का सामना कर रहा है। मौसम विभाग ने दो अप्रैल की रात को उत्तरी-पश्चिमी भारत में पहुंचने वाले ताजा पश्चिमी विच्छोभ से सूबे के मौसम के बिगड़ने का अंदेशा जताया है। मौसम विभाग ने तीन और चार अप्रैल को बवंडर (तूफानी-बारिश) की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विज्ञानियों का कहना है कि अगले सात अप्रैल तक हिमाचल प्रदेश में मौसम खराब रहेगा। अगले सात अप्रैल तक बारिश और बर्फबारी की आशंका जताई गई है। हिमाचल प्रदेश में बेमौसम बारिश और बर्फबारी ने किसानों और बागवानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में भूस्खलन से एक व्यक्ति की मौत हो गई है।

19 सड़कों पर वाहनों की आवाजाही ठप

हिमाचल प्रदेश में दो राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 19 सड़कों पर वाहनों की आवाजाही ठप हो गई है। वहीं सिरमौर जिले के गिरिपार क्षेत्र में बारिश का कहर जारी है। जिले की सबसे ऊंची चोटी चूड़धार में शनिवार रात को भारी हिमपात हुआ। रविवार को भी चूड़धार में दोपहर बाद ताजा हिमपात हुआ। वहीं गिरिपार क्षेत्र के हरिपुरधार, नौहराधार, संगडाह व शिलाई क्षेत्र में बारिश हुई। कई इलाको में ओलावृष्टि भी हुई। बारिश, ओलावृष्टि व चूड़धार में हुई बर्फबारी के कारण क्षेत्र में ठंड का प्रकोप काफी बढ़ गया है। हरिपुरधार में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

एक अरब 51 करोड़ 20 लाख टन रिकॉर्ड माल ढुलाई की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान माल ढुलाई, विद्युतीकरण, नई लाइनें /दोहरीकरण/आमान परिवर्तन और लोको उत्पादन के साथ ही सुरक्षा प्रौद्योगिकी के एकीकरण सहित विभिन्न श्रेणियों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं।

भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2022-23 में एक अरब 51 करोड़ 20 लाख टन माल ढुलाई का रिकार्ड बनाया है जो पिछले वर्ष के 14,180 लाख टन की तुलना में 6.63 फीसदी अधिक है। यह किसी एक वित्त वर्ष में अब तक की सर्वाधिक माल ढुलाई है।

भारतीय रेलवे ने 2021-22 के 1.91 लाख करोड़ रुपए की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 27.75 प्रतिशत अधिक यानी 2.44 लाख करोड़ रुपए का राजस्व हासिल किया है। भारतीय रेलवे ने 'हंग्री फॉर कार्गो' के मूलमंत्र को अपनाते हुए 'कारोबार करने में आसानी' के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी दरों पर सेवा उपलब्ध ता को बेहतर करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप पारंपरिक और गैर-पारंपरिक कमोडिटी दोनों से ही जुड़ा नया व्य वसाय रेलवे को प्राप्त हो रहा है।

जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर किया स्कूल चलो अभियान का नवीन सत्रारंभ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगर क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय बीकापुर शिक्षा के प्रांगण में स्कूल चलो अभियान के नवीन शैक्षिक सत्र का शुभारम्भ जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी गाजीपुर का स्वागत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गाजीपुर हेमंत राव द्वारा पुष्प गुच्छ एवं निपुण लक्ष्य स्मृति चिन्ह देकर किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी महोदया द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर द्वीप प्रज्वलित कर के किया गया तत्पश्चात उच्च प्राथमिक विद्यालय बीकापुर की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना अतिथियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा 10 बच्चों का नामांकन प्रवेश फॉर्म भरकर किया गया तत्पश्चात नामांकित छात्रों को शासन द्वारा प्रदत्त निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें एवम चॉकलेट भी वितरित किया गया। जिलाधिकारी ने एम0डी0एम0 में बने भोजन को चखा और उसकी गुणवत्ता की तारीफ भी की एवं बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा लगाए गए टी०एल०एम० स्टालों का अवलोकन करते हुए प्रशंसा भी की गयी। इसके उपरान्त कक्षा स्तर के अनुरूप भाषा एवं गणित विषय के निर्धारित निपुण लक्ष्यों को प्राप्त करने वाले निपुण बालक एवं बालिकाओं को मुख्य अतिथि एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र दिया गया। तत्पश्चात कक्ष संचालन में सकारात्मक योगदान एवं नवाचार के क्षेत्र में किये गए कार्यों को करने वाले ब्लाक के 5 सर्वोत्तम अध्यापक एवं शिक्षामित्रों और सामुदायिक सहभागिता में सक्रिय योगदान देने वाले विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्षों को भी जिलाधिकारी महोदया द्वारा प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया। जिलाधिकारी महोदया ने अपने उदबोधन में कहा कि गाँव के प्रत्येक बच्चों को शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

जिलाधिकारी ने वहा उपस्थित ग्रामवासियों से आवाहन किया कि जनसमुदाय को अपनी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन अपने नजदीकी परिषदीय विद्यालयों में करायें साथ ही नारी शिक्षा को बढ़ावा देने पर बल दिया। जिला बेसिक शिक्षा हेमंत राव ने कहा कि जिस तरह पिछले शैक्षिक सत्र में शासन द्वारा निर्धारित किये गए लक्ष्य 62389 के सापेक्ष 91785 बच्चों का नामांकन परिषदीय विद्यालयों में कराकर पूरे प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त कर कीर्तिमान प्राप्त किया था, उसी प्रकार इस नवीन शैक्षिक सत्र में भी लक्ष्य से 20 प्रतिशत अधिक 6 से 14 आयु वर्ग के बच्चों का नामांकन परिषदीय विद्यालयों में कराकर प्रदेश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु बेसिक विभाग गाजीपुर कटिबद्ध है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गाजीपुर ने बासफोर, एवं मुसहर वर्ग के बच्चों को शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ने हेतु न्याय पंचायत से लेकर ब्लाक स्तर तक की कार्ययोजना पर कार्य करने का विश्वास जिलाधिकारी को दिलाया। कार्यक्रम में खण्ड विकास अधिकारी, जिला समन्वयक सामुदायिक सहभागिता, डायट प्रवक्ता हरिओम प्रताप, एस०आर०जी०, प्रधानाध्यापक अजय कुमार, विपिन सिंह अश्वनी, अजय, श्रवण, प्रवीण, सुशील गुप्ता आदि लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन नीरज सिंह एवं अभिषेक द्वारा संयुक्त रूप से किया गया अंत में खण्ड शिक्षा अधिकारी सदर अविनाश कुमार ने सभी आगुन्तको का आभार ज्ञापित किया।

संक्षिप्त खबरें

विश्व हिंदू परिषद विधि प्रकोष्ठ द्वारा रामोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर आजमगढ़। विश्व हिंदू परिषद, विधि प्रकोष्ठ के द्वारा बड़ा गणेश मंदिर, आर्यमगढ़ नगर में श्री रामोत्सव कार्यक्रम आयोजन हुआ। जिसमें दिव्यांशु जी, संयुक्त विभाग संगठन मंत्री, आर्यमगढ़ विभाग एवं बलिया विभाग, विश्व हिंदू परिषद का संबोधन सभी उपस्थित श्रोताओं को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन अनिल सिंह, प्रांत सह संयोजक, विधि प्रकोष्ठ, गोरक्ष प्रांत ने किया। कार्यक्रम का संयोजन रवि सिंह, विधि प्रकोष्ठ, आर्यमगढ़ के जिला संयोजक ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिव्यांशु जी ने भगवान राम दरबार के सामने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में रामकृष्ण मिश्रा, प्रांत सह विशेष संपर्क प्रमुख, गोरक्ष प्रांत एवं गोपाल जी, जिला मंत्री, विश्व हिंदू परिषद्, आर्यमगढ़ जिला की विशेष उपस्थिति रही।

जय महाकालेश्वर सेवा फाउंडेशन द्वारा गरीब जरूरतमंदों को वस्त्र भोजन वितरण किया

प्रखर पालघर। जय महाकालेश्वर सेवा फाउंडेशन के तत्वाधान में गणेश बाग दहानुरोड पालघर महाराष्ट्र में जरूरमन्दो को वस्त्र और खाऊ वितरण का आयोजन किया गया! जरूरत मंदो को संस्था की तरफ से वस्त्र दान किया गया साथ मे सभी गरीब जनमानस को सम्मान देते हुए भोजन कराया, जिसमें श्री राजेश तिवारी भारतीय विकास परिषद का अभूतपूर्व सहयोग रहा। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष कहाँ कि इस आयोजन में परोक्ष अपरोक्ष रूप से सहयोग करने के लिए सभी आदरणीयों को सहृदय धन्यवाद देता हूँ! जय महाकालेश्वर सेवा फाउंडेशन अध्यक्ष विधि शुक्ला जी, कोसाध्याछ प्रकाश तिवारी जी, निर्मल शुक्ला जी, आशीष त्रिपाठी जी, श्री राजेश तिवारी जी, शिवदत्त गुरु जी, दिनेश शुक्ला जी, रतनेश मिश्रा जी, और अन्य पदाधिकारी द्वारा कार्य सफल हुआ। संस्था के प्रमुख पदाधिकारी प्रकाश तिवारी जी बोले हमारी संस्था हर पल गरीब असहाय लोगों भोजन वस्त्र के लिए संस्था हर पल तत्पर रहेंगी लोगों के सहयोग में।

स्कूल चलो अभियान के तहत निकली जागरुकता रैली

प्रखर वाराणसी। चिरईगांव ब्लाक स्थित सोनबरसा कंपोजिट विद्यालय के अध्यापकों व बच्चो द्वारा स्कूल चलो अभियान की रैली का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में बच्चों द्वारा एक भी बच्चा छूटा संकल्प हमारा टूटा का ध्येय संकल्प लेकर अभियान को गति देने का प्रयास किया रैली ग्राम सभा सोनबरसा कंपोजिट विद्यालय से निकलकर सोनबरसा हरिजन बस्ती और आजाद चौराहा होते हुए विद्यालय में आकर समाप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधानअध्यापिका सविता सक्सेना,अवनीश पाठक,ग्राम प्रधान प्रमोद राज, राजेश पांडेय,शशांक वर्मा,अमरेश यादव, हनुमान, पल्लवी, आशा, आरती, प्रीति शुक्ल,लीलावती समेत सभी अध्यापक ,अध्यापिका, बच्चे और ग्रामीण मौजूद रहे।

सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक ने किया स्टेट बैंक का औचक निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज सोमवार को बैंक सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने मिश्र बाजार स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा बैंक सुरक्षा से संबंधित सीसी कैमरा आदि विभिन्न बिंदुओं का निरीक्षण किया गया। महोदय द्वारा बैंक में संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई तथा बैंक सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों से सुरक्षा संबंधित जानकारी ली गई और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक नगर, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सहित क्षेत्राधिकारी गौरव सिंह आदि उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने किया 17 निरीक्षक तथा उप निरीक्षकों का तबादला

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने जनपद में कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु एवं जनहित में रविवार को जिले के सत्रह निरीक्षक तथा उपनिरीक्षक को तात्कालिक प्रभाव से उनके वर्तमान नियुक्ति स्थान से स्थानांतरित करते हुए उन्हें नई तैनाती दी है। पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रभारी निरीक्षक थाना मरदह निरीक्षक दुष्यन्त कुमार सिंह को प्रभारी सम्मन सेल, प्रभारी न्यायालय, सुरक्षा निरीक्षक राजेश कुमार मिश्रा को प्रभारी निरीक्षक थाना मरदह, थानाध्यक्ष बहरियाबाद उपनिरीक्षक संदीप कुमार को थाना शादियाबाद, थानाध्यक्ष बिरनों उपनिरीक्षक कृपेन्द्र प्रताप सिंह को थानाध्यक्ष बहरियाबाद, वरिष्ठ उपनिरीक्षक थाना करण्डा राजेश बहादुर सिंह को थानाध्यक्ष बिरनो, थानाध्यक्ष नगसर

उपनिरीक्षक आनन्द कुमार भारती को थाना मरदह, चौकी प्रभारी ताजपुर कुर्रा थाना दिलदारनगर उपनिरीक्षक जितेन्द्र कुमार को थानाध्यक्ष नगसर, प्रभारी निरीक्षक थाना करण्डा निरीक्षक सम्पूर्णानन्द राय को प्रभारी न्यायालय सुरक्षा, थानाध्यक्ष रेवतीपुर, उपनिरीक्षक प्रशान्त कुमार चौधरी को थानाध्यक्ष करण्डा, पीआरओ पुलिस अधीक्षक उपनिरीक्षक आलोक त्रिपाठी को थानाध्यक्ष रेवतीपुर, थानाध्यक्ष महिला थाना उपनिरीक्षक श्रीमती रेनू यादव को प्रभारी महिला सहायता प्रकोष्ठ, पुलिस लाइन की उपनिरीक्षक शशि सिंह को थानाध्यक्ष महिला थाना, प्रभारी निरीक्षक थाना नन्दगंज निरीक्षक वन्दना सिंह को प्रभारी निरीक्षक थाना सैदपुर, प्रभारी निरीक्षक थाना सैदपुर निरीक्षक शिव प्रताप वर्मा को प्रभारी निरीक्षक थाना कासिमाबाद, प्रभारी निरीक्षक थाना कासिमाबाद निरीक्षक कमलेश कुमार पाल को प्रभारी निरीक्षक थाना नन्दगंज, अतिरिक्त निरीक्षक थाना शादियाबाद निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह को विवेचना सेल तथा अतिरिक्त निरीक्षक थाना करण्डा निरीक्षक अमित कुमार सिंह को प्रभारी विशेष जॉच प्रकोष्ठ के पद पर तैनाती दी गयी है। पुलिस कप्तान ने सभी स्थानांतरित पदाधिकारियों से तत्काल अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु आदेशित किया है।

नाजायज गांजा तथा देसी तमंचा के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के कुशल निर्देशन मे जनपद में हो रहे अपराध को रोकने हेतु अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के कुशल निर्देशन में आज सोमवार को उप निरीक्षक कृष्ण प्रताप सिंह चौकी प्रभारी शाहनिन्दा थाना मोहम्मदाबाद गाजीपुर मय हमराही कर्मचारीगण कांस्टेबल प्रभाकर कुमार मिश्र व कांस्टेबल विमल कुमार के साथ थाना हाजा से रवाना होकर देखभाल क्षेत्र व वारण्टियों एवं संदिग्धों के तलाश मे मामूर होकर जैसे ही महादेवा गेट के पास पहुँचे तो देखा कि महादेवा मन्दिर की तरफ से एक मोटर सायकिल तेजी से आ रही है जो पुलिस वालों को देखकर पीछे मोटर सायकिल मोड़कर भागना चाहे कि मोटर सायकिल गिर गयी। संदिग्ध प्रतीत होने पर घेर कर मोटर साईकिल उठा रहे दोनो व्यक्तियों को पकड़ लिया पकड़े गये व्यक्तियों से भागने का कारण पूँछा गया तो बताये कि हम लोगो के पास झोले मे गाँजा है जिसे बेचने हेतु जा रहा था किन्तु आप लोगो को देखकर पकडे जाने के डर से भागना चाहा लेकिन आप लोगो ने पकड़ लिया। पकड़े गये दोनो व्यक्तियों से नाम पता पूँछते हुए जामा तलाशी ली गयी तो मोटर साईकिल चला रहे व्यक्ति ने अपना नाम संजय यादव पुत्र बेचू यादव निवासी विशुनपुरा उर्फ रघुवरगंज थाना मु0बाद गाजीपुर बताया तथा मोटरसाइकिल मे एक झोला बँधा हुआ था जिसे खोलकर देखा गया तो नाजायज गाँजा भरा था जिसे सूँघा गया तो गाँजा की महक आ रही थी तथा दूसरा जो पीछे मोटरसायकिल पर बैठा था अपना नाम रोहित गुप्ता उर्फ गोलू पुत्र प्रेमचन्द्र गुप्ता निवासी रघुवरगंज थाना मोहम्मदाबाद गाजीपुर बताया जामा तलाशी से पहने पैन्ट की दाहिने फेंट मे खुँसा हुआ एक अदद देशी तमंचा बरामद हुआ तथा पकड़े गये अभियुक्तगण को उसके अपराध से अवगत कराते हुए थाना मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सीडीओ से मिला ग्राम विकास अधिकारी का प्रतिनिधि मंडल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। ग्राम पंचायत, ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति का प्रतिनिधिमंडल आज सोमवार समिति के अध्यक्ष सूर्यभान राय की अध्यक्षता में नवनियुक्त मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य से औपचारिक मुलाकात की और जनपद में योगदान करने पर बुके देकर उनका स्वागत किया मुख्य विकास अधिकारी से समसामयिक विभिन्न विभागीय विषयों पर चर्चा हुई मुख्य विकास अधिकारी ने शासन द्वारा चलाए जा रहे व्यक्तिगत लाभार्थीपरक परियोजनाओं विशेषकर आवास योजना में प्रतिदिन आ रही ढेरों शिकायतों पर चिंता जाहिर की एवं पारदर्शिता रखने की अपील की। संगठन की ओर से मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष सचिवों का पक्ष रखा गया और आवास योजना की वास्तविकता से अवगत कराया गया साथ ही साथ सचिव संगठन की ओर से उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया। इसके उपरांत जनपद में नवनियुक्त जिला विकास अधिकारी सुभाष चंद्र सरोज से भी औपचारिक मुलाकात की गई प्रतिनिधिमंडल में ग्राम विकास अधिकारी संगठन के जिलाध्यक्ष बैजनाथ तिवारी, पवन पांडे, कंचन कुमार जायसवाल, शिव प्रकाश त्रिपाठी, चंद्रिका प्रसाद, संजय यादव, सुरेश यादव एवं आलोक चौबे इत्यादि शामिल रहे।

सपा के नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष दिलीप डे के वाराणसी प्रथम आगमन पर जोरदार स्वागत

प्रखर वाराणसी। समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष दिलीप डे के प्रथम आगमन पर कैंट स्टेशन पर हजारों समाजवादी नेताओं कार्यकताओं ने फूल मालाओं से स्वागत किया। स्वागत के बाद जुलूस कैंट , अंधरापुल , मलदहिया , लहुराबीर , चेतगंज , नई सड़क , गोदौलिया होते हुए सोनारपुरा पहुंचकर सभा ने तब्दील हुआ । रास्ते में सरकार पटेल जी , चंद्रशेखर आजाद जी के मूर्ति पर माला पहनाकर कारवां आगे बढ़ा । अपने स्वागत से अभिभूत नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष दिलीप डे ने कहा जो जिम्मेदारी नेतृत्व ने सौंपी है उसे सभी कार्यकताओं को साथ लेकर पूरा किया जायेगा। नगर निगम ने समाजवादी परचम लहराएगा । लोकसभा चुनाव में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत कर भाजपा की डबल इंजन सरकार के आतंक को समाप्त किया जायेगा । इस जुल्मी सरकार में भय , भूख और भ्रष्टाचार के साथ बेरोजगारी चरम पर पहुंची है । काशी से ही भाजपा मुक्त प्रदेश की लड़ाई की शुरूआत की जाएगी

। हर एक कार्यकर्ता के सम्मान की रक्षा की जायेगी । कार्यकताओं का उत्पीड़न किसी रूप में बर्दाश्त नही किया जाएगा । स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से झ पूर्व मंत्री मनोज राय धूपचंडी , लक्ष्मीकांत मिश्रा किसमिस गुरु , पूर्व पार्षद वरुण सिंह , राजू यादव , सत्यप्रकाश सोनकर , समन यादव , रोहित शर्मा , संजय यादव , सचिन यादव , समद अंसारी , ओपी सिंह , प्रियांशु यादव , गोपाल यादव , हारून अंसारी , अब्दुल कलाम , विकास यादव बच्चा , हरीश सिंह बग्गड़, अवनीश सिंह मुन्ना , रवि बिंद भानु , विवेक शाही , नीरज सेठ सहित हजाओं लोग मौजूद रहे।

चमेली देवी बैडमिंटन प्रतियोगिता सम्पन्न

प्रखर रामनगर वाराणसी। चमेली देवी बैडमिंटन प्रतियोगिता सम्पन्न हुआ।चमेली देवी की स्मृति में चार दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का मुख्य अतिथि आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) माननीय श्री दयाशंकर मिश्र "दयालु" द्वारा समापन हुआ। समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि डीसीपी श्री आर एस गौतम, योग शिक्षक श्री विजय मिश्र, प्रो० एस के दूबे, श्री शिखर श्रीवास्तव, श्री सुशील कुमार,डा अनिल पाण्डेय, श्री शैलेन्द्र "मधुकर", तथा संस्था के संरक्षक डॉ सुशील मिश्र प्रमुख रूप से उपस्थित थे। अतिथियों द्वारा चमेली देवी जी के फोटो पर माल्यार्पण कर प्रतियोगिता के फाइनल मैच का शुभारंभ किया गया। सभी अतिथियों को माल्यार्पण, अंग वस्त्रम व स्मृति चिन्ह देकर अध्यक्ष श्याम कुमार केसरी द्वारा प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि आयुष मंत्री श्री दयाशंकर मिश्र ने खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते हुए कहा खेल का मानव जीवन में अत्यधिक महत्व है इससे जीवन की सभी व्याधि तथा नकारात्मक प्रभाव खत्म होता है।आजकल व्यक्ति खाने से ज्यादा दवा में खर्च कर रहा है खेल इसको कम करता है। पहले

फाइनल मैच परिणाम इस प्रकार था १- पुरुष डबल विजेता आयुष व चंदू ने २१-१७,१८-२१,२१-११ से यशवर्धन व वीरू हराया, पुरुष सिंगल्स विजेता यशवर्धन १५-११,१५-७से आयुष को हराया, वेटरन डबल विजेता रितेश वर्मा व मनीष सेठ ने १५-८ ,१५-९ से श्याम केसरी व अमित मिश्रा को हराया, अण्डर १५ में विजेता टास एकादमी के देवानंद ने ११-१५,१५-११,१५-१३ से प्रशांत को हराया, अण्डर १३ के विजेता पर्व शाहू ने १५-११,१५-१२ से अभिषेक जायसवाल को हराया, महिला सिंगल्स टास अकादमी की नेहा ने १५-६,१५-१३ से अदिति को हराया, वेटरन सिंगल्स में डा मनोज जायसवाल ने १५-६,१५-११ से अरविंद केसरी हराकर खिताब जीता।फाइनल मैच पुरुष सिंगल्स के विजेता को ४०००/- तथा उपविजेता को २०००-, पुरुष डबल विजेता को ५०००/- उपविजेता को ३०००/-, जूनियर सिंगल्स को १०००/- और उपविजेता को ५००/- , वेटरन डबल विजेता २०००/- और उपविजेता १०००/- , सिंगल्स महिला विजेता १५००/- और उपविजेता को १०००/-, प्रदान किया गया। गहमागहमी के बीच सम्पन्न हुई कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डा शशिभूषण तिवारी, संतोष जायसवाल, अमूल्य सिन्हा, मंसूर अहमद, उत्कर्ष केसरी, उद्धव केसरी, निधि केसरी, आलोक अरोड़ा,डा अनिल सिंह, नुरूल शेख आदि ने सहयोग किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती सीमा केसरी ने किया। इस अवसर पर डा राम आसरे सिंह,डा तेजबली सिंह,डा के के ओझा, श्री तापस दास,डा मजरी पाण्डेय, सुरेश सिंह पटेल, काशी रत्न सरदार कुलदीप सिंह इत्यादि।

वार्षिक परीक्षाफल वितरण समारोह विद्यालय में मौजूद अभिभावकों, छात्र-छात्राओं शिक्षकगणों के बीच संपन्न

प्रखर रामनगर वाराणसी। बाल विद्यालय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, डुमरी, रामनगर, वाराणसी का वार्षिक परीक्षाफल वितरण समारोह विद्यालय में मौजूद अभिभावकों, छात्र-छात्राओं शिक्षक गणों के बीच संपन्न हुआ।इस अवसर पर सर्वप्रथम श्री गणेश जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन करके उप प्रबंधक मुकुल पाण्डेय ने कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। इसके बाद प्रधानाचार्या श्रीमती नीता त्रिपाठी ने शैक्षणिक सत्र 2022-23 के परीक्षा परिणाम की घोषणा करते हुए बताया कि इस वर्ष का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा है जो कि पिछले शैक्षणिक वर्ष की तुलना में सर्वोत्तम रहा है। विद्यालय की गृह परीक्षा में शामिल 75 प्रतिशत विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से भी अधिक अंक प्राप्त किए। इस सत्र में भी छात्राओं ने ही बाजी मारी। परीक्षाफल वितरण समारोह में विद्यालय के उप प्रबन्धक मुकुल पाण्डेय जी ने प्रतिभावान छात्रों के अलावा प्रत्येक कक्षा के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया तथा उन्हें आशीर्वचन दिया।इस अवसर पर आचार्य सीताराम

चतुर्वेदी महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विजय शंकर मिश्र,बाल विद्यालय सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रहलादघाट की प्रधानाचार्या श्रीमती स्नेहलता पाण्डेय तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं भारी संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति रही।कार्यक्रम का संचालन जोया अनवर, यशवर्धन जसमतिया, वरीशा सिद्दीकी, अनुष्का गुप्ता ने किया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं